@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 24 फरवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 105 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एकनाथ शिंदे के गढ़ में भाजपा के मंत्री नाईक का जनता दरबार

मुंबई, 23 फरवरी। महाराष्ट्र में महायुति (भाजपा-शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) की सरकार है। हालांकि, बीते कुछ समय से महायुति में दरार की अटकलें लगाई जा रही हैं। बीते दिनों सीएम देवेंद्र फडणवीस से उद्धव ठाकरे के विश्वासपात्र नेता मिलने पहुंचे थे। अब ताजा घटनाक्रम में भाजपा कोटे से मंत्री बने गणेश नाईक ने कहा है कि वे ठाणे में जनता दरबार का आयोजन करेंगे। उनका यह फैसला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि ठाणे शिंदे का गढ़ माना जाता है। उपमुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे के कथित असंतोष की खबरों के बीच इस कार्यक्रम के लिए ठाणे में बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। इसे राजनीतिक तौर पर शिवसेना के दबदबे को भाजपा की सीधी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। बीते कुछ हफ्ते से भाजपा और शिवसेना के संबंधों में असहजता की अटकलें लग रही हैं। शुक्रवार को शिंदे ने मुझे हल्के में न लें जैसी चेतावनी भरी टिप्पणी भी की थी। यह घटनाक्रम इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि शिंदे के विद्रोह के बाद ही महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे नीत सरकार गिरी थी। शिंदे से जब पूछा गया कि इस चेतावनी का लक्ष्य कौन है, तो उन्होंने कहा, वे अपना काम करते रहेंगे। जिन्हें समझना है वे संकेतों से ही समझ लें। बीते 10 फरवरी को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सोमवार को अचानक मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। वहीं, दूसरी ओर इस मुलाकात के कुछ ही घंटे बाद उद्धव ठाकरे के विश्वासपात्र मिलिंद नार्वेकर, सुभाष देसाई और विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे फडणवीस से मिलने उनके सागर बंगले पहुंच गए। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं की फडणवीस से मुलाकात दादर स्थित बालासाहेब ठाकरे स्मारक को लेकर चर्चा हुई। लेकिन उद्धव ठाकरे की पार्टी के तीन नेताओं के मुख्यमंत्री से मुलाकात को लेकर राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) से हटाया गया है, जबकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को इसमें शामिल किया गया है।

भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया

सिम्मी कौर बब्बर

दुबई, 23 फरवरी। चैंपियंस ट्रॉफी में आज भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में मुकाबला खेला गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर सिमट गई थी। जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। विराट कोहली ने वनडे करियर का 51वां शतक लगाया। वह 111 गेंद 100 रन बनाकर नाबाद रहे। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान विराट को शतक नहीं बनाने देने की साजिश रच रहा है। शाहीन वाइड पर वाइड फेंक रहे थे। 43वें ओवर में भारत को जीत के लिए चार रन और कोहली को शतक के लिए पांच रन चाहिए थे। 43वें ओवर की पहली गेंद पर कोहली ने एक रन लिया। फिर अगली गेंद पर अक्षर ने एक रन लिया। तीसरी गेंद पर विराट ने चौका लगाकर शतक भी पूरा किया और भारत को जीत भी दिलाई। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में अब दो मैच जीत लिए हैं और सेमीफाइनल में पहुंचना का दावा मजबूत कर लिया है। वहीं, पाकिस्तान की टीम लगभग चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गई है। उसे अब अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। भारत के दो मैचों के बाद चार अंक हैं, जबकि पाकिस्तान दो मैचों में खाता नहीं खोल सका है। भारत को 223 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। शाहीन अफरीदी ने हार्दिक पांड्या को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराया। वह आठ रन बना सके। भारत को 60 गेंद में 19 रन की जरूरत है। विराट कोहली को शतक बनाने के लिए 14 रन की जरूरत है। उनके साथ अक्षर पटेल क्रीज पर हैं। भारत को 214 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। खुशदिल शाह ने श्रेयस अय्यर को इमाम के हाथों कैच कराया। वह 67 गेंद पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस ने कोहली के साथ 114 रन की साझेदारी निभाई। फिलहाल कोहली और हार्दिक क्रीज पर हैं। कोहली 51वें शतक के करीब हैं। भारत को जीत के लिए 20 रन चाहिए और कोहली को शतक के लिए 15 रन चाहिए। 37 ओवर के बाद भारत ने दो विकेट गंवाकर 201 रन बना लिए हैं। फिलहाल विराट कोहली 81 रन और श्रेयस अय्यर 50 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत को जीत के लिए 78 गेंद पर 41 रन की जरूरत है। श्रेयस ने वनडे करियर का 21वां अर्धशतक लगाया। 35 ओवर के बाद भारत ने दो विकेट गंवाकर 189 रन बना लिए हैं। फिलहाल विराट कोहली 71 रन और श्रेयस अय्यर 48 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत को जीत के लिए 90 गेंद पर 53 रन की जरूरत है। 32 ओवर के बाद भारत ने दो विकेट गंवाकर 175 रन बना लिए हैं। फिलहाल विराट कोहली 65 रन और श्रेयस अय्यर 41 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच अब तक 75 रन की साझेदारी हो चुकी है। श्रेयस भी अब खुलकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने चार चौके और एक छक्के लगाए हैं। भारत को अब 67 रन की जरूरत है। कोहली ने 62 गेंद पर वनडे करियर का 74वां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 27वें ओवर में नसीम शाह की गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। फिलहाल कोहली के साथ श्रेयस अय्यर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच 30+ रन की साझेदारी हो चुकी है। 27 ओवर के बाद भारत का स्कोर दो विकेट पर 136 रन है। कोहली 53 रन और श्रेयस 14 रन बनाकर क्रीज पर हैं। टीम इंडिया को अब जीत के लिए 106 रन की जरूरत है।

भारत का अपमान करने के बावजूद चुप्पी क्यों ?: जयराम रमेश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 23 फरवरी। यूएसएड फंडिंग विवाद के बीच, कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने भाजपा पर अमेरिका से झूठी खबरें फैलाने और राष्ट्र-विरोधी कार्य करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह बताना चाहिए कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है? हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के सभी आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही राहुल गांधी को देशद्रोही करार देते हुए कहा कि वह वह विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा को झूठे और अनपढ़ लोगों का समूह बताया। साथ ही कहा कि 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर की खबर, जिस पर भाजपा ने हंगामा किया, फर्जी

निकली। उन्होंने कहा, 2022 में 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर की खबर भारत में मतदान के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि एलोन मस्क ने फर्जी दावा किया, ट्रंप बांग्लादेश और भारत के बीच भ्रमित हो गए। अमित मालवीय ने झूठ को और फैलाया, फिर भाजपा के बाकी चाटुकारों ने इसका फायदा उठाया। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, जब से ट्रंप प्रशासन के सरकारी दक्षता विभाग (छ्व्ह्लत्श्व) ने कहा कि यूएसएड ने भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग रद्द कर दी है, तब से भाजपा कांग्रेस पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। लेकिन यह खबर पूरी तरह से फर्जी है। जब पैसा भारत पहुंचा ही नहीं, तो रद्द करने की क्या बात है? कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि विवाद असल में छ्व्ह्लत्श्व की सूची में यूएसएड के दो अनुदानों को लेकर है, जो वाशिंगटन स्थित कंसोर्टियम फॉर इलेक्शन्स एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग (सीईपीपीएस) के माध्यम से दिए गए थे। उन्होंने कहा कि सीईपीपीएस को यूएसएड से कुल 486 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलने थे। छ्व्ह्लत्श्व के अनुसार, फंड में मोल्दोवा के लिए 22 मिलियन डॉलर और भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर शामिल थे। रमेश ने स्पष्ट किया कि भारत के लिए यूएसएड का 21 मिलियन डॉलर का अनुदान असल में बांग्लादेश के लिए था। रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को जवाब देना होगा, डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं और हमारी सरकार इस पर चुप क्यों है? कांग्रेस नेता ने कहा, क्या ऐसा है कि अदाणी के लिए दया की भीख मांगने के चक्कर में देश के स्वाभिमान से समझौता किया गया है? हाल के दिनों में चौथी बार ट्रंप ने दावा किया है कि बाइडन प्रशासन ने मतदान के लिए भारत को 21 मिलियन अमरीकी डॉलर का फंड आवंटित किया है।

घुसपैठ रोकने के लिए राजनीतिक दल करें समर्थनः सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता, 23 फरवरी। भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने एनआरसी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि घुसपैठ पर लगाम लगाने और जनसांख्यिकी स्वरूप में आने वाले बदलाव को रोकने के लिए राज्य में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लागू कराना जरूरी है। इसका सभी राजनीतिक दलों को समर्थन करना चाहिए। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा शासित राज्य एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) को लागू कर रहे हैं। मगर तृणमूल कांग्रेस सरकार इससे इनकार कर रही है। यह काफी हैरान करने वाला है। इससे लगता है कि वह बढ़ती घुसपैठ को लेकर चिंतित नहीं हैं। अधिकारी ने कहा कि अंसारुल्लाह बांग्ला जैसे बांग्लादेशी आतंकी संगठन बंगाल के जिलों में अपने ठिकाने बढ़ा रहे हैं। राज्य के सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकी बदल रही है। पुलिस और प्रशासन कुछ भी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनआरसी के जरिये ही घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकाला जा सकता है। साथ ही जिहादी तत्वों का पता लगाया जा सकता है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों को एनआरसी का समर्थन करना चाहिए। 2026 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा सत्ता में आएगी तो हम बंगाल में एनआरसी लागू करेंगे। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि टीएमसी ने महाकुंभ जैसे पवित्र अवसर का अपमान किया है। मुझे पता लगा है कि कम से कम 40 तृणमूल कांग्रेस के विधायकों ने महाकुंभ में डुबकी लगाई है। टीएमसी के नेता सार्वजनिक रूप से कुछ और कहते हैं और बाद में अलग राग अलापते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को बनाया गया नेता प्रतिपक्ष

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 23 फरवरी। आम आदमी पार्टी ने आज पार्टी मुख्यालय पर विधायक दल की बैठक बुलाई है जिसमें नेता प्रतिपक्ष के नाम पर मुहर लग गई है। आम आदमी पार्टी ने एलान किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता होंगी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी इस बैठक में शामिल हुए। रविवार को पार्टी मुख्यालय पर हुई बैठक में सभी विधायकों ने आतिशी को विधायक दल का नेता चुना। जिसके बाद अब साफ हो गया है कि दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभाएंगी। गोपाल राय ने इसकी औपचारिक घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के विधायक दल की मीटिंग थी जिसमें विधायकों ने सर्वसम्मति से आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुना है। गोपाल राय ने कहा कि आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। उनपर नेता प्रतिपक्ष होने के नाते केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए कामों की रक्षा करना और भाजपा द्वारा जनता से किए वादों को पूरा करवाने की जिम्मेदारी होगी। नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के बाद आतिशी ने कहा, मैं,क्क के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सभी विधायकों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मुझे नेता प्रतिपक्ष बनाया है। भाजपा ने जो भी वादे किए, विपक्ष के नाते हम उन सभी वादों को पूरा करवाने की जिम्मेदारी निभायेंगे। महिलाओं से वादा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो पहली कैबिनेट मीटिंग में ही उन्हें ?2,500 हरमहीने देने की गारंटी दी थी, वो हम उन्हें दिलवा कर रहेंगे। दिल्ली विधानसभा में पेश होने वाली कैग रिपोर्ट पर दिल्ली की पुर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, मैंने बतौर मुख्यमंत्री दिल्ली विधानसभा के स्पीकर को कैग रिपोर्ट भेजी थी। ये कैग रिपोर्ट चुनाव से पहले सीलबंद लिफाफे में विधानसभा भेजी गई थी। भाजपा यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है कि कैग रिपोर्ट उनकी तरफ से पेश की जा रही है। दिल्ली की जनता में फैलाई जा रही भ्रांति को जनता के सामने लाया जाना चाहिए। बता दें कि 24 फरवरी यानी कल सुबह 11 बजे से दिल्ली विधानसभा सत्र शुरू होगा। पहले विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। दोपहर में विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 25 फरवरी को उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा। 27 फरवरी को अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। इसके बाद विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि होने के कारण सत्र नहीं बुलाया गया है। सत्र का तीसरा दिन यानी 27 फरवरी को पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हो सकती है। सदन में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण पर बहस होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सदन में जवाब देंगी। माना जा रहा है कि विपक्ष पर सत्ता पक्ष सीएजी की रिपोर्ट को आधार बनाकर भ्रष्टाचार का आरोप मढ़ेगा। इसमें हर विभाग से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं का लेखा-जोखा होगा। इधर, आप नेताओं के अनुसार चुनाव के दौरान जितने भी वादे भाजपा ने किए हैं, उन्हें पूरा करने के लिए दबाव बनाया जाएगा।

अगर कांग्रेस को मेरी जरूरत नहीं तो मेरे पास विकल्प हैं: थरूर

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 23 फरवरी। केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की तारीफ करने और कांग्रेस से नाराजगी की अटकलों के बीच सांसद शशि थरूर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में यह भी कहा कि अगर पार्टी को उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है तो उनके पास विकल्प मौजूद हैं। एक पॉडकास्ट में बोलते हुए हालांकि, थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि भले ही विचारों में अंतर हो, लेकिन उन्हें ऐसा नहीं लगता। शशि थरूर का बयान इसलिए अहम है, क्योंकि इससे पहले उन्होंने केरल सरकार की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की जमकर तारीफ की थी। यह कांग्रेस को कतई पसंद नहीं आई थी। पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान कांग्रेस सांसद ने विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैंने कभी खुद को राजनेता नहीं माना। इसलिए मेरे संकीर्ण राजनीतिक विचार हैं। उन्होंने कांग्रेस से केरल में अपने आधार का विस्तार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नए मतदाताओं को पार्टी की ओर आकर्षित करने के लिए काम करने को कहा। उन्होंने पार्टी की राज्य इकाई से नेताओं की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया। 67 साल के कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अन्य कांग्रेस नेताओं ने उनके इस विचार का समर्थन किया कि पार्टी की केरल इकाई में किसी कद्दावर और प्रभावी नेता की कमी है। उन्होंने स्वतंत्र संगठनों की ओर से किए गए सर्वे का हवाला दिया, जिसमें दिखाया गया कि राज्य में नेतृत्व की स्थिति में वे दूसरों से आगे हैं। तिरुवनंतपुरम से चार बार सांसद थरूर ने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस ने अपने आधार का विस्तार नहीं किया तो वह केरल में लगातार तीसरी बार विपक्ष में बैठेगी। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। थरूर ने अपने और कांग्रेस के बीच मतभेद की खबरों पर भी टिप्पणी करने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने मीडिया से कहा कि वे आज भारत बनाम पाकिस्तान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मैच देखें। इससे पहले शनिवार को शशि थरूर ने इंग्लिश कवि थॉमस ग्रे की कविता ओड ऑन ए डिस्टेंट प्रॉस्पेक्ट ऑफ ईटन कॉलेज का एक उद्धरण एक्स पर साझा किया था। इसमें लिखा था, जहां अज्ञानता आनंद है, वहां बुद्धिमान होना मूर्खता है। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया था, आज का विचार। इससे पहले 18 फरवरी को थरूर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि दिल्ली में उनके साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। आधे घंटे की बातचीत के दौरान वे राहुल गांधी को कुछ अहम मुद्दे बता पाए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि आने वाले चुनावों या केरल में नेताओं की भूमिका के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि वह थरूर की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते।

सिंध नदी पर बने अखल पुल का सीएम ने किया उद्घाटन

श्रीनगर, 23 फरवरी। कंगन इलाके में सिंध नदी पर बने 82 मीटर लंबे अखल पुल को शनिवार को आमजन के लिए खोल दिया गया। करीब आठ करोड़ की लागत से तैयार हुए इस पुल का सीएम उमर अब्दुल्ला ने उद्घाटन किया। यह पुल कुनमुल-अखल और आसपास के क्षेत्रों के कई गांवों को जोड़ेगा।उद्घाटन के मौके पर सीएम ने कहा कि अखल पुल से परिवहन में काफी सुधार होगा। क्षेत्र में आर्थिक गतिविधि और विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे जिले के हजारोंलोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व निवासियों ने लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर कंगन के विधायक मियां मेहर अली, डीडीसी सदस्य, गांदरबल के उपायुक्त, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग (आरएंडबी) और वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे। गांदरबल। सिंध नदी पर बने अखल पुल को लोक निर्माण विभाग (सड़क और भवन) ने तैयार किया है। इसकी आधारशिला 2008 में रखी गई थी। बीच में इसके काम में रुकावटें आती रहीं। वहीं काम भी धीमी गति से चलता रहा।

कुछ नेता विदेशी ताकतों से मिलकर देश-धर्म को कमजोर कर रहे, प्रधानमंत्री मोदी

नरेश मल्होत्रा

छतरपुर, 23 फरवरी। मध्य प्रदेश के छतरपुर में स्थित बागेश्वर धाम में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे। वे यहां बनने वाले कैंसर अस्पताल की नींव रखने आए थे। उन्होंने करीब 35 मिनट जनता को संबोधित किया। इस दौरान विपक्ष पर हमला बोला, धीरेंद्र शास्त्री की तारीफ की और उनकी मां से भी मुलाकात भी की। पीएम मोदी ने बुंदेलखंडी में बोलकर अपने भाषण की शुरुआत की। मोदी ने कहा कि बहुत ही कम दिनों में मुझे दूसरी बार वीरों की इस धरती बुंदेलखंड आने का सौभाग्य मिला है। इस बार तो बालाजी का बुलावा आया है। ये हनुमान जी की कृपा है कि आस्था का ये केंद्र अब आरोग्य का केंद्र भी बनने जा रहा है। अभी मैंने यहां श्री बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का भूमिपूजन किया है। ये संस्थान दस एकड़ में बनेगा। पहले चरण में ही 100 बेड की सुविधा होगी। मैं इस काम के लिए धीरेंद्र शास्त्री को बधाई देता हूं। भाइयों बहनों नेताओं का एक वर्ग ऐसा है जो धर्म का मखौल उ?ाता है, उपहास उड़ाता है, लोगों को तो?ने में जुटा है। और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती है। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी भेष में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे हुए लोग हमारे मठ, मान्यताओं और मंदिरों पर, संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। ये लोग हमारे पर्व, परंपरा और प्रथाओं को गाली देते हैं। जो संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है उस पर ये कीच? उछालने की हिम्मत दिखाते हैं। हमारे समाज को बांटना, उसकी एकता को तो?ना ही उनका मकसद है। मोदी ने कहा कि मेरे छोटे भाई धीरेंद्र शास्त्री काफी समय से एकता के मंत्र को देकर लोगों को जागरूक करते रहते हैं। अब उन्होंने समाज और मानवता के हित में एक और संकल्प लिया है। इस कैंसर संस्थान के निर्माण की जिम्मेदारी। यानी अब यहां बागेश्वर धाम में भजन, भोजन और निरोगी जीवन तीनों का आशीर्वाद मिलेगा। मोदी ने कहा कि साथियों हमारे मंदिर, हमारे मठ, हमारे धाम ये एक ओर पूजन और साधना के केंद्र रहे हैं तो दूसरी ओर विज्ञान और सामाजिक चिंतन, सामाजिक चेतना के भी केंद्र रहे हैं। हमारे ॠषियों ने ही हमें आयुर्वेद का विज्ञान दिया, योग का विज्ञान दिया, जिसका परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है। हमारी तो मान्यता ही है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई। अर्थात दूसरों की सेवा ही धर्म है। इसलिए नर में नारायण, जीव मे शिव, इस भाव से जीवमात्र का सेवा, यही हमारी परंपरा रही है। आजकल हम देख रहे हैं, महाकुंभ की हर तरफ चर्चा हो रही है। महाकुंभ अब पूर्णता की ओर है। अब तक करो?ों लोग वहां पहुंच चुके हैं। करो?ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है। संतों के दर्शन किए हैं। अगर इस महाकुंभ की तरफ नजर करें तो सहज भाव उठ जाता है ये एकता का महाकुंभ है। आने वाली सदियों तक 144 वर्ष के बाद हुआ ये महाकुंभ एकता के महाकुंभ के रूप से प्रेरणा देता रहेगा और देश की एकता को मजबूती देने का अमृत परोसता रहेगा। लोग सेवाभाव से लगे हैं, जो भी कुंभ में गया है, एकता के दर्शन तो किए हैं, लेकिन जिन-जिनसे मेरा मिलना हुआ है, दो बातें महाकुंभ में गए हुए हर व्यक्ति के मुंह से हिंदुस्तान के कोने-कोने से सुन रहा हूं। एक स्वच्छता कर्मियों के गुणगान कर रहे हैं। चौबीसों घंटे जिस सेवाभाव में एकता के महाकुंभ में स्वच्छता कार्य को संभाल रहे हैं, मैं उन सभी को आदरपूर्वक नमन करता हूं। मैं आपकी सबकी तरह गरीब परिवार से निकला हूं। मैंने तकलीफों को देखा है, इसलिए संकल्प लिया कि मैं इलाज का खर्च कम करूंगा और आपकी जेब में ज्यादा से ज्यादा पैसा बचाऊंगा। पांच लाख तक का इलाज बिना किसी खर्च के किसी बेटे को अपने माता-पिता का नहीं करवाना है। दिल्ली में आपका बेटा बैठा है। इसके लिए आपको आयुष्मान कार्ड बनवाना है। जिनका नहीं बना है वो जल्दी बनवा लें। दवाओं का खर्च कम करने के लिए 14 हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्र खोले हैं।

कर्नाटक सरकार के रुख स्पष्ट करने तक बहाल नहीं होंगी एमएसआरटीसी सेवाएं

मुंबई/बेलगावी, 23 फरवरी। कर्नाटक में महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस और उसके ड्राइवर पर हमले के बाद वहां जाने वाली बसों को निलंबित कर दिया गया है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एसआरटीसी की कर्नाटक जाने वाली बसों के निलंबन का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब तक कर्नाटक सरकार इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट नहीं करती, तब तक कर्नाटक के लिए बस सेवाएं बहाल नहीं की जाएंगी। मंत्री सरनाईक ने शनिवार को बताया कि बंगलूरू से एमएसआरटीसी की बस संख्या एमएच-14 केक्यू 7714 मुंबई आ रही थी। शुक्रवार रात करीब 9-10 बजे चित्रदुर्ग में कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने बस और ड्राइवर पर हमला कर दिया। कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने बस ड्राइवर भास्कर जाधव के चेहरे पर कालिख पोत दी और उसके साथ मारपीट की। कथित हमले के सिलसिले में कर्नाटक पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी तरफ, उसी दिन कर्नाटक राज्य परिवहन निगम की बस के कंडक्टर पर महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी जिले के मुख्यालय के बाहरी इलाके में कथित तौर पर हमला किया गया, क्योंकि उसने एक लड़की को मराठी में जवाब नहीं दिया था। यह स्पष्ट नहीं है कि चित्रदुर्ग में एमएसआरटीसी बस पर हमला कंडक्टर पर कथित हमले के प्रतिशोध में किया गया था या नहीं। पुलिस के अनुसार, बेलगावी में कंडक्टर पर कथित हमले के एक अन्य मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि कंडक्टर पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (क्क्रह्रष्टस्ह्र) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। 51 वर्षीय कंडक्टर महादेवप्पा मल्लप्पा हुक्केरी शुक्रवार को संवाददाताओं को आपबीती बताते समय भावुक हो गया। उसने बताया कि सुलेभवी गांव में अपने पुरुष मित्र के साथ बस में चढ़ी एक लड़की मराठी में बोल रही थी।

इजरायल ने फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली स्थगित की

एजेंसी

यरूशलेम। इजरायल ने गाजा पट्टी से रिहा किए गए बंधकों के साथ 'अपमानजनक व्यवहार' के बीच 22 फरवरी को पहले से निर्धारित फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली को स्थगित कर दिया। सूत्रों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के एक बयान का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इजरायल का कहना है कि 600 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई को तब तक के लिए स्थगित किया जा रहा है, जब तक कि अगले बंधकों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती है और गाजा पट्टी में इजरायली कैदियों को स्थानांतरित करते समय उनके साथ अपमानजनक व्यवहारों के बिना। हमास ने गाजा युद्धविराम के पहले चरण के तहत सातवें आदान-प्रदान में छह इजरायली बंधकों को रिहा किया। हमास के कैदी मामलों के कार्यालय ने पहले कहा था कि इजरायल को बदले में 600 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना चाहिए लेकिन उन्हें अभी तक रिहा नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि 19 जनवरी से गाजा पट्टी में युद्ध विराम लागू है जो इजरायल और फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के बीच हुए समझौते का हिस्सा है। जिसके तहत फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इस समझौते के मध्यस्थ कतर, मिस्र और अमेरिका हैं जिन्होंने काहिरा में एक समन्वय केंद्र स्थापित किया है। यह संघर्ष में दूसरा युद्ध विराम है।

पनामा में नाव डूबने से एक बच्चे की मौत

पनामा सिटी । पनामा के उत्तरपूर्वी तट पर रात 19 यात्रियों को ले जा रही एक नाव डूब गई, जिसमें आठ वर्षीय वेनेजुएला के एक बच्चे की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय सीमा सेवा सेनाफ्रंट ने बताया कि नाव पर कुल 21 लोग सवार थे। इनमें कोलंबिया और वेनेजुएला के 19 प्रवासी और दो पनामा के चालक दल के सदस्य शामिल थे। उन्होंने बताया कि कि नाव पर सवार शेष 20 लोगों को बचा लिया गया और एक बच्चे की मौत हो गयी। घायलों का इलाज किया गया और मानवीय सहायता दी गई। सेनाफ्रंट के अनुसार समुद्र में उथल-पुथल और खराब मौसम के कारण जहाज पनामा के स्वदेशी प्रांत गुना याला क्षेत्र में डूब गया।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री रूस प्रतिबंधों के सबसे बड़े पैकेज की घोषणा करेंगे

वाशिंगटन। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि सोमवार को वह यूक्रेन में संघर्ष की शुरुआत के बाद से रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के सबसे बड़े पैकेज की घोषणा करेंगे। एजेंस फ्रांस-प्रेस द्वारा उद्धृत एक बयान में श्री लैमी ने कहा, 'कल मैं युद्ध के शुरुआती दिनों के बाद से रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के सबसे बड़े पैकेज की घोषणा करने की योजना बना रहा हूँ।' इससे पहले टेलीग्राफ अखबार ने ब्रिटिश सरकार के एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि ब्रिटेन 24 फरवरी को कीव को सहायता के एक नए पैकेज और रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा करेगा।

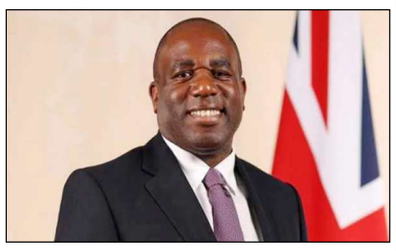

अमेरिका ने मेक्सिको से चीन से आने वाले सामान पर शुल्क लगाने को कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने मेक्सिको से चीन से आने वाले सामानों पर आयात शुल्क लगाने को कहा है ताकि मेक्सिको से आने वाले सामानों पर अमेरिकी शुल्क लागू होने से बचा जा सके। ब्लूमबर्ग ने अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। सूत्रों ने एजेंसी को बताया कि अमेरिका और मेक्सिको के प्रतिनिधिमंडलों ने वाशिंगटन में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक भी शामिल थे। उन्होंने चीन पर मेक्सिको के शुल्क के बारे में बात की। मैक्सिकन प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व अर्थव्यवस्था मंत्री मार्सेलो एबरार्ड ने किया।सूत्रों ने बताया कि बैठक में मेक्सिको ने चीन के बारे में कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई। बैठक व्यापार और शुल्क मुद्दों का अध्ययन जारी रखने के लिए दोनों देशों के एक कार्य समूह बनाने के समझौते के साथ समाप्त हुई। श्री ट्रम्प ने पहले कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने वाले कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए थे।

जर्मनी में आर्थिक संकट, प्रवास और दक्षिणपंथियों की बढ़ती ताकत के बीच मतदान

एजेंसी

वाशिंगटन। जर्मनी में आम आम चुनाव के लिए मतदान हो रहे हैं, जहां मतदाता एक नई सरकार चुनेंगे। वहीं यह चुनाव आर्थिक मंदी, प्रवासन (माइग्रेशन) को रोकने के दबाव और यूरोप-अमेरिका संबंधों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच हो रहा है। इस चुनाव में दक्षिणपंथी विपक्षी दल की जीत की संभावना जताई जा रही है, जबकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार एक अतिवादी दक्षिणपंथी दल को भी ऐतिहासिक बढ़त मिलने की उम्मीद है। जर्मनी में चुनाव क्यों अहम है?

जर्मनी यूरोपियन यूनियन का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है और नाटो का प्रमुख सदस्य भी है। यह यूक्रेन को सबसे ज्यादा हथियार देने वाले देशों में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर आता है। आम चुनाव

के नतीजे जर्मनी के अलावा पूरे यूरोप पर असर डाल सकते हैं, खासकर जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की अगली सरकार के आने की संभावनाओं को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। ट्रंप प्रशासन के संभावित नीतिगत बदलाव यूरोप की सुरक्षा और व्यापार नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। जर्मनी में करीब 5.9 करोड़ मतदाता जर्मनी की 630 सदस्यीय संसद के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। यहां की चुनावी प्रक्रिया आमतौर पर किसी भी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं देती, इसलिए चुनाव के बाद दो या अधिक पार्टियों को मिलकर सरकार बनानी होगी। यह गठबंधन बनाने की प्रक्रिया कई हफ्तों या महीनों तक खिंच सकती है। यह चुनाव तय समय से 7 महीने पहले हो रहा है, क्योंकि मौजूदा चांसलर ओलाफ शोल्ज की गठबंधन सरकार नवंबर में गिर गई थी। उनके नेतृत्व वाली तीन दलों की सरकार आपसी मतभेदों के कारण कमजोर हो गई थी।

जनजातीय मामलों के चीनी मंत्री चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। चीन के जनजातीय मामलों के मंत्री पान यूए चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव समझौते के कार्यान्वयन दस्तावेज पर हस्ताक्षर होने बाद चीन की तरफ से नेपाल में यह पहला मंत्री स्तरीय दौरा है।

आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष के निमंत्रण पर चीनी मंत्री पान का यह नेपाल दौरा हो रहा है। आयोग के अध्यक्ष राम बहादुर थापामगर ने बताया कि जनजातीय मामलों के मंत्री पान चार दिनों तक नेपाल में रहेंगे और यहां आयोग के कुछ कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। थापामगर ने कहा कि दिसंबर, 2024 में उनके चीन भ्रमण के दौरान उन्होंने जनजातीय मामलों के मंत्री को नेपाल आने का निमंत्रण दिया था। कोलंबो यात्रा पूरी करके चीनी मंत्री के आज सुबह काठमांडू पहुंचने पर आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों उनका स्वागत किया। अपने काठमांडू भ्रमण के दौरान चीनी

मंत्री का नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति राम सहाय यादव, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सामाजिक कल्याण मंत्री नवलकिशोर शाह से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

इटली की पीएम मेलोनी का तंज- ट्रम्प की जीत से लेफ्ट बुरी तरह हताश और परेशान

एजेंसी

वॉशिंगटन। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने लेफ्टिस्ट लीडर्स पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए उनकी कड़ी आलोचना की है। मेलोनी ने कहा कि जब 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने ग्लोबल लेफ्टिस्ट लिबरल नेटवर्क बनाया तो उन्हें स्टेट्समैन कहा गया लेकिन जब ट्रम्प, मेलोनी, माइली (अर्जेंटीना के राष्ट्रपति) या मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा बताया जाता है।

वॉशिंगटन के कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) में एक वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़ी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि ट्रम्प की जीत से लेफ्ट बुरी तरह हताश और परेशान है। ऐसा इसलिए नहीं है कि कंजर्वेटिव्स जीत रहे हैं, बल्कि कंजर्वेटिव्स अब वैश्विक स्तर पर एक साथ आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जब ट्रम्प, मेलोनी, माइली या मोदी बात करते हैं तो इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया जाता है। उन्होंने

इसे दोहरा मानदंड बताते हुए कहा कि उन्हें अब इसकी आदत पड़ चुकी है और जनता भी इस झूठ पर यकीन नहीं करती। जनता हमें वोट कर रही है। उन्होंने कहा कि हम शासन नहीं, बल्कि जनता की सेवा कर रहे हैं।

मेलोनी ने कहा कि हमारी सरकार इटली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्थान दिलाने के लिए लगातार काम कर रही है। हम दुनिया में अपनी भूमिका को एक बार फिर वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने के लिए इटली को बेहतर बना रहे हैं।

उड़ीसा घटना के बाद अब तक केआईआईटी के 300 से अधिक छात्र नेपाल लौटे

एजेंसी

काठमांडू। उड़ीसा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय (केआईआईटी) में एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद अब तक वहां अध्ययनरत 300 से अधिक छात्र नेपाल लौट चुके हैं। इन छात्र-छात्राओं का विश्वविद्यालय प्रशासन पर नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें हॉस्टल से निलंबित किए जाने का आरोप हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने रविवार को बताया कि एक हफ्ते के भीतर पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा से 301 छात्र-छात्राओं के नेपाल वापस आने की खबर है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की सीमा काकड़भिट्टा की सीमा से 20, उत्तर प्रदेश की भैरहवा सुनौली सीमा से 36, बिहार के रक्सौल बीरगंज सीमा से 162 तथा बिहार के ही जोगबनी विराटनगर सीमा से 83 छात्रों की वापसी हुई है। वापस आने

वाले छात्रों ने स्वीकार किया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और भुवनेश्वर पुलिस की तरफ से उनके पास लगातार फोन और मैसेज आ रहे हैं कि वो वापस आकर अपना हॉस्टल में आकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वापस होने वाले छात्रों ने यह भी बताया कि भुवनेश्वर पुलिस ने उनकी पूरी सुरक्षा की जिम्मेवारी भी ली है। उड़ीसा से काठमांडू लौट कर आई केआईआईटी में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग की चौथे सेमेस्टर की छात्रा सौम्या झा ने बताया कि नेपाली छात्रा की मौत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से नेपाली छात्रों के साथ जिस तरह की मारपीट, गाली गलौज और दुर्व्यवहार किया गया, उसके कारण कई छात्र मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं और दोबारा वापस नहीं जाना चाहते हैं।

एचआरसीपी ने पाकिस्तान सरकार से श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने का आग्रह किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सरकार से संविधान के अनुच्छेद 38 के तहत कमजोर और कम वेतनभोगी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपील की है। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों को बुढ़ापे, बेरोजगारी, बीमारी, चोट, प्रसव और मातृत्व से जुड़ी आर्थिक असुरक्षा से बचाना है। एचआरसीपी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, एक कार्यक्रम में पाकिस्तान वर्कर्स यूनाइटेड फेडरेशन के चौधरी शौकत ने नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को आधिकारिक नियुक्ति पत्र देने और उन्हें ईओबीआई (इम्प्लॉई ओल्ड-एज बेनिफिट्स इंस्टिट्यूशन) के तहत पंजीकृत कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्रमिकों के अधिकारों पर चिंताएं: खैबर पख्तूनख्वा कर्मचारी

सामाजिक सुरक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने न्यूनतम वेतन लागू करने में आ रही बाधाओं पर चिंता व्यक्त की।

-पंजाब कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के निदेशक मलिक फारुख मुमताज ने सुझाव दिया कि ईओबीआई और अन्य सामाजिक सुरक्षा निकायों को श्रमिकों की परिभाषा को समान रूप से लागू करना चाहिए, चाहे उनका वेतन कितना भी हो।

सुधारों की आवश्यकता पर बल:

आईएलओ (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन) के शासी निकाय के सदस्य जहूर अवान ने बताया कि वर्तमान प्रणाली के तहत केवल पांच या अधिक कर्मचारियों वाले संगठन ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र हैं, जिससे छोटे व्यवसाय इससे बाहर रह जाते हैं। पीआईएलईआर के प्रतिनिधि मकसूद अहमद ने श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए त्रिपक्षीय सम्मेलन आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एचआरसीपी की सिफारिशें:

नआईआरसी के सदस्य मिस्बाह उल्लाह खान ने वर्षों की सेवा के बावजूद स्थायी दर्जा न मिलने वाले श्रमिकों की कठिनाइयों को उजागर किया। एचआरसीपी परिषद के सदस्य फरहतुल्लाह बाबर ने कहा कि अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की उपेक्षा सरकार की बड़ी चूक है और अनुच्छेद 38 को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

गोलमेज सम्मेलन का समापन:

एचआरसीपी की उपाध्यक्ष नसरीन अजहर ने निष्कर्ष में कहा कि पूंजीवादी उत्पादन प्रणाली ने श्रमिकों के शोषण को और गहरा कर दिया है, जिससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

विजय माल्या ने गुणवत्ता के कारण ब्रिटेन में दिवालियापन आदेश रद्द करने की मांग की

एजेंसी

लंदन। कारोबारी विजय माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालियापन आदेश को रद्द कराने के लिए नई अपील दायर की है। उनका तर्क है कि भारतीय बैंकों ने अवास्तविक दावे पेश किए हैं, खासकर जब भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में ऋण वसूली को लेकर हाल ही में बयान दिया था। माल्या के वकील लेह क्रेस्टोहल ने बताया कि संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, बैंकों को पहले ही माल्या से संबंधित बकाया राशि से अधिक धन वापस मिल चुका है। इसी आधार पर उन्होंने दिवालियापन आदेश रद्द करने के लिए आवेदन किया है। यह मामला लंदन उच्च न्यायालय में चल रहा है, जहां न्यायाधीश एंथनी मान ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का एक समूह 69 वर्षीय माल्या से उनकी अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के करीब 1.05 बिलियन जीबीपी ऋण की वसूली की मांग कर रहा है। माल्या का कहना है कि नए साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत को दिवालियापन आदेश पर पुनर्विचार करना चाहिए। उनके वकीलों का कहना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्वयं भी वित्त मंत्री के संसद में दिए गए बयान को स्वीकार करेंगे। गौरतलब है कि विजय माल्या भारत में वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं और भारतीय एजेंसियां उन्हें प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस मामले में अपनी राहत की मांग को लेकर टिप्पणी की थी।

हमास ने गाजा में छह बंधक रिहा किए, समझौते के अगले चरण के लिए रखी शर्त

एजेंसी

गाजा पट्टी। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच कतर में पिछले माह हुए संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई समझौते ने आज कई परिवारों के चेहरों में खुशी लौटा दी। हमास के नकाबपोश सशस्त्र लड़ाकों ने आज सुबह (स्थानीय समयानुसार) मध्य गाजा के नुसीरात में ओमर शेम टोव (22), एलिया कोहेन (27) और ओमर वेनकर्ट (23) को रेडक्रॉस के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके अलावा हमास की कैद से आजाद हुए टाल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टु 38) इजराइल पहुंच गए। गाजा सिटी में रिहा होने वाला छठा बंधक हिशाम अल-सईद (37) है। हमास ने समझौते के अगले चरण में बाकी बंधकों की रिहाई के लिए शर्त रखी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, एवेरा मेंगिस्टु और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को हवाई

मार्ग से गाजा सीमा के पास एक इजराइली सैन्य अड्डे पर पहुंचाया गया। वहां से सभी को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से मध्य इजराइल के एक अस्पताल ले जाया गया। मेंगिस्टु को जांच के बाद घर भेजा जाएगा। शोहम और मेंगिस्टु को सुबह दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में रिहा किया गया। इन दोनों को सात अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, रेडक्रॉस ने दोनों को उन्हें सौंप दिया। इसके अलावा चार बंधकों को नुसीरात में सौंपा गया। हमास ने शुक्रवार को कहा था कि उसे उम्मीद है कि इजराइल बदले में 602 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा करेगा। उनमें से 50 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और अन्य 60 लंबी सजा काट रहे हैं। 445 को सात अक्टूबर 2023 को गाजा में हिरासत में लिया गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार, शोहम और मेंगिस्टु को सशस्त्र नकाबपोश आतंकवादियों ने मंच पर परेड और शोहम को भीड़ को संबोधित करने के लिए मजबूर किया। साथ ही एक अन्य बंधक शिरी बिबास के अवशेष शुक्रवार रात तेल अवीव पहुंचे। हमास ने आज संकेत दिया कि समझौते के अगले चरण में वह गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के बदले में शेष सभी इजराइली बंधकों (जीवित और मृत) को सौंपने के लिए तैयार है।

इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने ताजा अलर्ट में कर्मचारियों से सार्वजनिक परिवहन से बचने को कहा

एजेंसी

यरूशलम। इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों से दो सप्ताह तक देशभर में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने से बचने का आग्रह किया है।

अमेरिकी मिशन ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक बसों में 20 फरवरी को हुए विस्फोटों के बाद और अधिक सावधानी बरतते हुए अमेरिकी दूतावास अस्थायी रूप से अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को 14 दिनों के लिए इजराइल में सार्वजनिक बसों और लाइट रेल का उपयोग करने से रोका है। बयान में आगे कहा गया कि अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतने और व्यक्तिगत सुरक्षा जागरुकता बढ़ाने की निरंतर आवश्यकता की याद दिलाता है क्योंकि हमले अक्सर बिना किसी चेतावनी के होते हैं। सुरक्षा वातावरण जटिल है और जल्दी से बदल सकता है।ऐसे में चेतावनी अधिसूचना पर जोर दिया गया है।

अमेरिकी मिशन ने अपने नागरिकों से इज़राइल में अपनी गतिविधियों की योजना बनाते समय अलर्ट को ध्यान में रखने को कहा है। दूतावास सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करना जारी रखेगा और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त जानकारी प्रदान करेगा। बतादें कि गुरुवार को तेल अवीव के दक्षिण में स्थित बैट याम और होलोन शहरों में

खड़ी बसों में तीन विस्फोट हुए। हालांकि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों ने इसे एक संगठित रणनीतिक हमला करार दिया है। जांच के दौरान कम से कम पांच विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए, जिनमें टाइमर सेट किए गए थे।

पेरू में मॉल की छत ढहने से छह लोगों की मौत

लीमा। उत्तर-पश्चिमी पेरू में एक शॉपिंग मॉल के फूड कोर्ट की छत ढहने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 78 अन्य घायल हो गए है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना ट्रूजिलो के व्यस्त शॉपिंग सेंटर रियल प्लाजा मॉल में हुई।

हमास ने बंधक शिरी बिबास का शव इजरायल को सौंपा

एजेंसी

यरूशलम। फिलीस्तीनी विद्रोही संगठन हमास ने कहा है कि रात गाजा में अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति (आईसीआरसी) के माध्यम से इजरायल को सौंपे गए उसके बंधक शिरी बिबास के शव की फोरेंसिक विश्लेषण से पुष्टि हुई है।

इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी न्यूज और अन्य प्रमुख मीडिया आउटलेट्स ने शनिवार को बताया कि इजरायल रक्षा बलों को सौंपे जाने के बाद, शव को तेल अवीव स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसकी पहचान की गई। बिबास के शवों को इजरायल को लौटाया जाना था, साथ ही, 83 वर्षीय ओडेड लिफशिट्ज़ और उसके दो बच्चों के शवों को युद्धविराम-बंधक समझौते के तहत वापस किया जाना था। हालांकि, फोरेंसिक विश्लेषण से पता चला कि लौटाए गए अवशेष उसके

> बिबास के शवों को इजरायल को लौटाया जाना था, साथ ही, 83 वर्षीय ओडेड लिफशिट्ज़ और उसके दो बच्चों के शवों को युद्धविराम-बंधक समझौते के तहत वापस किया जाना था।

नहीं थे। बाद में हुए घटनाक्रम में, हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इजरायली हवाई हमलों के कारण अवशेषों की गलत पहचान हुई, जिसके कारण अवशेषों की गलत पहचान हो गई। उन्होंने कहा, यह एक अनजाने में हुई गलती थी। इससे पहले, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल बिबास के शव को सौंपने में विफल रहने के लिए हमास से बदला लेगा। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमास समझौते के इस क्रूर और बुरे उल्लंघन की पूरी कीमत चुकाए। गौरतलब है कि चार मृत इजरायली बंधक सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले में अपहृत हुए थे, जो लगभग 250 बंधकों में से थे। संघर्ष विराम समझौते के तहत इजरायल से छह जीवित बंधकों की रिहाई की उम्मीद है। गाजा में शेष बंधकों की रिहाई संघर्ष विराम के दूसरे चरण के दौरान होने की उम्मीद है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

लापता नामी अपराधी का शव नाले में मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले के वसंत कुंज नॉर्थ इलाके में चार दिन से लापता नामी अपराधी का शव कुसुमपुर पहाड़ी के पीछे गंदे नाले में मिला। मृतक की पहचान नवीन (28) के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ ई-ब्लॉक कुसुमपुर पहाड़ी में रहता था। मृतक वसंत विहार इलाके का घोषित अपराधी था। पुलिस जांच में सामने आया कि नवीन नशे का आदी था। वह शराब व ड्रग्स का सेवन करता था। मृतक के शरीर पर चोट का कोई निशान न मिलने पर पुलिस इसे हादसा मान रही है। दक्षिण पश्चिमी जिलेके डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने घटना के पीछे किसी भी आशंका से इनकार किया है। डीसीपी के अनुसार राहगीरों ने कुसुमपुर पहाड़ी ई-ब्लॉक के पीछे गंदे नाले में एक शव पड़ा होने की सूचना दी। वसंतकुंज नॉर्थ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पाया कि शव आधा पानी में डूबा हुआ था। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान नवीन के रूप में हुई। वह 16 फरवरी को अपने घर से निकला था। उसके बाद लौटा नहीं। परिजनों ने वसंत विहार पुलिस में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जांच में पता चला है कि नवीन के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे। वसंत विहार पुलिस ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

पैदल जा रही महिला को कुचल कर फरार कार चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के धौलाकुआं मेट्रो स्टेशन के सामने सड़क पर पैदल जा रही महिला को कुचल कर कार चालक मौके से फरार हो गया। मृतक महिला की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर गाजियाबाद निवासी कार चालक को धर दबोचा। आरोपित की पहचान राम कुमार दीक्षित के रूप में हुई है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि धौलकुआं मेट्रो स्टेशन के सामने सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां एक महिला गंभीर रूप से घायल पड़ी मिली। तत्काल उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के पास कोई दस्तावेज न होने से उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अधिकारियों को करना होगा 24 घंटे काम : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि अब यहां के अधिकारियों को 24 घंटे काम करना होगा। काम में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कई जगहों पर सड़कों की हालत खराब है। हम इसे लेकर लगातार पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ संपर्क में बने हुए हैं। सभी सड़कों को ठीक किया जाएगा। हमने जो भी वादे दिल्ली की जनता से किए हैं, उन्हें हर हाल में पूरा किया जाएगा। कपिल मिश्रा ने अपने विधानसभा क्षेत्र खजूरी खास चौक का दौरा किया और वहां की मौजूदा स्थिति का हाल जाना। इसके बाद उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में ये बातें कहीं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार के सभी मंत्री सड़क पर हैं। मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि दिल्ली की सभी समस्याओं को दूर किया जाएगा। इस दौरान सड़कें भी ठीक की जाएंगी और पानी और सीवरेज की समस्या भी दूर की जाएगी, ताकि दिल्ली के लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की कार्य संस्कृति खत्म हो चुकी है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्य संस्कृति शुरू हो चुकी है, जिसके तहत अधिकारियों को हर हाल में काम करना होगा। काम के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के अधिकारियों को 24 घंटे काम करना होगा। काम के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी, क्योंकि हमने जनता से जो वादे किए हैं, उसे हर हाल में पूरा करेंगे।

चुनाव में हार के बाद गोपाल राय की समीक्षा, संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने चुनाव में हार के बाद संगठन के पुनर्गठन और आगामी कार्य योजनाओं को लेकर कहा है कि पार्टी सदन में सकारात्मक भूमिका निभाएगी और मोहल्लों में भी जनता के मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन करती रहेगी। गोपाल राय ने कहा, हम सदन में विधानसभा में एक सकारात्मक भूमिका निभाएंगे और मोहल्ला स्तर पर खड़े रहकर सरकार के गलत कामों का विरोध करेंगे। हमनें आज यह निर्णय लिया है कि संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू करेंगे और इसे और मजबूत करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी के जिला सचिवों, विधानसभा प्रभारी और संगठन मंत्रियों के साथ बैठक की जाएगी। 19 फरवरी को 70 विधानसभा सचिवों और अध्यक्षों की बैठक बुलाई गई थी, जबकि 22 फरवरी को प्रदेश स्तर के सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक होगी। इस बैठक में चुनाव के दौरान हर पदाधिकारी की भूमिका की समीक्षा की जाएगी और संगठन के पुनर्गठन के लिए अगले कदमों पर चर्चा की जाएगी। गोपाल राय ने यह भी स्पष्ट किया कि संगठन का पुनर्गठन चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस कार्यक्रम का समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर इंडिया गेट पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा, गायक मोहित चौहान, गायक अशोक मस्ती के साथ अन्य गण्यमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपराज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक स्वस्थ और नशामुक्त दिल्ली की दिशा में दिल्ली पुलिस का एक संकल्प है। दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित इस वॉक-आ-थॉन का मुख्य उद्देश्य आम जनता, विशेषकर युवाओं को नशे के उपयोग और इसके नुकसान के बारे में जागरूक करना और उन्हें नशे से दूर रहने और एक आदर्श स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि नशा प्रतिदिन हमारे समाज की एक समस्या बनता जा रहा है, जिस पर काबू पाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने

कहा कि दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर नागरिकों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। ताकि आने वाले तीन वर्षों में नशामुक्त दिल्ली के सपने को साकार किया जा सके।उल्लेखनीय है कि 16 फरवरी 1948 को जब दिल्ली पुलिस का पुनर्गठन किया गया, तब से लेकर आज तक पुलिस लगातार नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में अग्रणी रही है।

कांग्रेस नेता उदित राज ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर मांगी सुरक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर खुद के लिए सुरक्षा मांग की है। उन्होंने अपनी शिकायत में दावा किया है कि उन्हें मारने के लिए एक लाख रुपये का इनाम रखा गया है।

पुलिस कमिश्नर से मुलाकात करने के बाद उदित राज ने मीडियों को बताया कि 17 फरवरी को बसपा सुप्रीमो मायावती के खिलाफ बोलने पर उन्हें सैंकड़ों धमकी भरे फोन आए हैं। उन्होंने 20 से ज्यादा कॉल को रिकॉर्ड कर दिल्ली पुलिस के कमिश्नर को सौंपा है। इसके साथ ही उन्होंने खुद के लिए सुरक्षा मांगते हुए मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उदित राज शनिवार सुबह नई दिल्ली जिले के जय सिंह रोड़ स्थित पुलिस मुख्यालय आये थे।

क्या था पूरा मामला

उल्लेखनीय है कि यह पूरी घटना 16 फरवरी को उदित राज के द्वारा लखनऊ में एक प्रेस वार्ता करने के बाद शुरु हुई। इस प्रेस वार्ता में एक विशेष संदर्भ में उन्होंने मायावती को

बहुजन समाज आंदोलन का गला घोंटने वाला करार दिया और एक प्रतीक के तौर पर बहुजन समर्थकों से मायावती का साथ छोड़ने की बात कही उदित राज का कहना है कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया और बसपा समर्थक उनसे नाराज हो गए और उन्हें धमकी देने लगे। उदित राज का आरोप है कि उन्हें यह धमकी बहुजन समाज पार्टी नेता मायावती और आकाश के उकसाने पर उनकी पार्टी के समर्थकों के द्वारा दी जा रही हैं। उन्होंने इसके बाबत नई दिल्ली स्थित नॉर्थ एवेन्यू थाने में भी शिकायत दी थी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पीएम आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार लोक कल्याण और सुशासन के पथ पर चलते हुए दिल्लीवासियों के सपनों को एक विकसित दिल्ली में बदलने को प्रतिबद्ध है।

दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद से मुख्यमंत्री का मुलाकातों का दौर जारी है। इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री दिल्ली के विकास और यमुना की सफाई को लेकर सक्रिय दिखाई दे रही हैं। उन्होंने 20 फरवरी को शपथ समारोह के बाद शाम को यमुना की आरती में शामिल होकर साफ संदेश दिया कि उनकी सरकार यमुना को लेकर कितनी गंभीर है। इसके अलावा मुख्यमंत्री दिल्ली के बुनियादी ढांचे को सुधारने की दिशा में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक भी कर चुकी हैं। उन्होंने बैठक में दिल्ली के खुदे हुए रास्तों, खराब पड़ी सड़कों और यातायात से जुड़े तमाम विषयों पर विस्तार से चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उप राज्यपाल सक्सेना ने डीडीए के पुष्प महोत्सव में हिस्सा लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आज दिल्ली विकास प्राधिकरण के पुष्प महोत्सव-25 में हिस्सा लिया। महोत्सव में रोमांचक कार्यक्रमों के अलावा प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महोत्सव का आयोजन वसंत का जश्न मनाने के लिए किया गया है। प्राधिकरण के तत्वावधान में आज से द्वारका सेक्टर-16डी स्थित पार्क में दो दिवसीय फूल उत्सव 'पलाश' शुरू हुआ है।

सक्सेना ने कहा कि दिल्ली को 'फूलों के शहर' में तब्दील किया जाना चाहिए। इस दृष्टिकोण के अनुरूप प्राधिकरण ने पिछले दो-तीन वर्ष में कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं। आज का पुष्प महोत्सव इसी पहल का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस बार प्राधिकरण ने तीन पार्कों में पुष्प महोत्सव का आयोजन किया है। अगली बार इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। सक्सेना ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य नागरिकों को हरियाली का महत्व बताना है। कोशिश है कि लोग महानगर की हरियाली की रक्षा करें।

रोहिणी के प्रेम नगर में मकान में लगने से बुजुर्ग की झुलसकर मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के प्रेम नगर इलाके में एक मकान में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। घटना में एक बुजुर्ग बुरी तरह झुलस गए। पुलिस ने बुजुर्ग को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान पंडित बनवारी लाल शर्मा (65) के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि घटना के समय कमरे के अंदर हीटर चालू था। जांच के दौरान चार गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जिनमें मृतक के दो परिवार के सदस्य, कॉल करने वाला और एक पड़ोसी शामिल है। उनमें से किसी ने भी कोई संदेह नहीं जताया। प्रेम नगर थाना पुलिस बीएनएसएस की धारा 194के तहत जांच कर रही है।पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह करीब छह बजे पुलिस को सूचना मिली कि प्रेम नगर स्थित एक मकान में आग लग गई है। मौके पर पहुंचीपुलिस ने देखा कि घटनास्थल पर दमकल की दो गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई है। अग्निशमन विभाग के अनुसार आग बुझाने के दौरान उन्हें बताया गया कि मकान के अंदरएक व्यक्ति फंसा हुआ है। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बुजुर्ग को कमरे से बाहर निकालकर तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

हरदीप सिंह पुरी ने लिटरेचर फेस्टिवल पैनल चर्चा में डीयू की विरासत पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली । पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान एक पैनल चर्चा में भाग लिया, जहां उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय के विकास, शिक्षा और समाज में इसके महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बात की। पैनल में बेस्ट-सेलर ÷स्वैलोइंग द सन÷ की प्रशंसित लेखिका लक्ष्मी पुरी, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल और करंजावाला एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर रेयान करंजावाला जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल थे।

चर्चा के दौरान हरदीप पुरी ने दिल्ली विश्वविद्यालय की समृद्ध विरासत के बारे में विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे इसके संकाय, छात्रों और प्रशासकों ने इसे भारत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में से एक बनाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालयों को अपनी पारंपरिक शैक्षणिक उत्कृष्टता को बनाए रखते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में नए विकास के लिए लगातार अनुकूलन करना चाहिए। चर्चा का मुख्य आकर्षण हरदीप सिंह पुरी द्वारा स्वयं संपादित पुस्तक ÷दिल्ली विश्वविद्यालय ङ्क 100 गौरवशाली वर्ष मनाना÷ थी। इस संकलन में प्रख्यात विद्वानों और पूर्व छात्रों के निबंधों को एक साथ लाया गया है, जो विश्वविद्यालय की जीवंत संस्कृति और छात्रों की पीढ़ियों पर इसके गहन प्रभाव को दर्शाता है। पुस्तक में महान अभिनेता अमिताभ बच्चन का एक प्रस्तावना शामिल है, जिनके विचार संस्थान के शानदार इतिहास की कथा में जुड़ते हैं। हरदीप पुरी ने पुस्तक में शामिल विविध योगदानों के बारे में जानकारी साझा की, जिसमें बताया गया कि कैसे विभिन्न निबंधकारों ने दिल्ली विश्वविद्यालय में अपने अनुभवों पर वास्तविक लेकिन विद्वत्तापूर्ण दृष्टिकोण प्रदान किए। उन्होंने कहा कि ये निबंध सामूहिक रूप से पिछली शताब्दी में संस्थान की यात्रा का पता लगाते हैं, जो साहित्य, कानून और शासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में नेताओं को पोषित करने में इसकी भूमिका को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने प्रमुख साहित्यिक हस्तियों से लेकर प्रभावशाली नीति निर्माताओं तथा उल्लेखनीय पूर्व छात्रों की प्रेरक कहानियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने लेखकों, पत्रकारों और कानूनी विशेषज्ञों के योगदान का उल्लेख किया, जिनमें से प्रत्येक ने अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर विश्वविद्यालय के प्रभाव पर अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

पुरी ने आगे घोषणा की कि पुस्तक की बिक्री से प्राप्त आय को धर्मार्थ कार्य के लिए निर्देशित किया जाएगा, जिससे पूर्व छात्रों और शुभचिंतकों को इस पहल का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

NAME CHANGE
I hitherto known as DHAANNU KUMAR S/o JAINA LAL R/o 539, Nai Bassti Bombey Colony Nand Gram, Ahmadnagar Nayabans, PO: Meerut Road, Dist.: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201003, have changed my name and shall hereafter be known as AMIT KUMAR, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, POONAM BAI RAJPOOT Wife of No-16024124W Rank-NK Name-YOGENDRA SINGH TANWAR Presently residing at VPO-BHAGEGA, DIST-SIKAR, RAJASTHAN-332714, have changed my name from POONAM BAI RAJPOOT to POONAM BAI RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 22/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I SHIVPUJAN S/O OMKAR R/O D-4/12, NEAR, SANGAM VIHAR, DELHI SOUTH DELHI-110080 declare that name of my father has been wrongly written as OMPAL in my 10th class educational documents. The actual name of my father is OMKAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Rajesh S/O Ramakant,R/O H.N. 46 A-2 ,block, gali .n. 18 west sant nagar, holi Chowk, sant nagar, burari, North Delhi, Delhi 110084, have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH CHAUDHARY.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRABHMEET SINGH S/O KAMALJEET SINGH R/O WZ-100, GROUND FLOOR, RAM NAGAR PO: TILAK NAGAR, DIST: WEST DELHI, DELHI-110018 declare that name of my mother has been wrongly written as SURENDER KAUR in my 10th class educational documents, and my passport no: C4076563 and name of my mother has been wrongly written as SUSURINDER KAUR in my 12th class educational documents The actual name of my mother is SURINDER KAUR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Sanjay Kumar Chaudhary S/O Mehar Chaudhary R/O House No-111, Commercial, Road Ke Pass, Ambala Haryana-133001 have changed my name to Sanjay Chaudhary for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rashid Ahamad / Rashid Ahmad s/o Chotey Khan R/o C-48, Street No.6, Bhagirathi Vihar, Delhi-110094 have changed my name to Rasheed Ahmed for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as Ritik Roshan S/O Umesh Parsad, C-46 G/F, Kh no-3/20, Near Daulat ram public school, Qamruddin Nagar Extn-4, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041, have changed my name and shall hereafter be known as Ritik Prasad.

NAME CHANGE
I, Tomar PrithviSingh V Father of No.4583264Y, Rank-NK, Tanwar Harendra Singh residing at Vill. Saraswati Nagar, PO- MeghaniNagar, Teh+Dist-Ahmedabad, Gujarat-380016 have changed my name anddate of birth from Tanwar Prithavi Singh - DOB: 30.01.1966 to Tomar PrithviSingh V-DOB: 30.06.1966 vide affidavit dated 10.02.2025, Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, A ELAKKIYA is Spouse of No. 6944384F Rank-HAV Name-MOHANA, R/o 32 NEW STREET MOTTUPALAYAM, PO-KAMMAVANPETTAI, DIST-VELLORE (TAMIL NADU)-632319 have changed my name from A ELAKKIYA to M ELAKKIYA for all future purposes. And in my husband service record my date of birth wrongly mentioned is 03/01/1992 instead of 15/06/1995. Vide Affidavit date 22/02/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, VIKAS ARYA S/o SAMARJEET SINGH R/o P-404, Block-P, 4th Floor, Officer City-1, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, declare that name of my minor son has been wrongly written as SAKSHAM in my minor son namely RUDRAKSH aged 17 years in his Aadhaar Card No. 6690 6480 9606, and name of my wife has been wrongly written as KARUNA CHOUDHARY in his CBSE 10th class Educational Documents. The actual name of my minor son and my wife are RUDRAKSH and KARUNA CHAUDHARY respectively.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sanjeev Kumar S/O Keshav Ram Sharma, R/O F -8, Tower 13, Type III, Kidwai Nagar East, South West Delhi, Delhi-110023, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Sanjeev Kumar Sharma and Keshv Ram Sharma in my 10th class educational document.The actual name of mine and my father are Sanjeev Kumar and Keshav Ram Sharma,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, S SIVAKUMAR Father of No-16118982X Rank-HAV Name-SASIKUMAR S Residing at 3/220, KOLLAI MEDU, NANJUKONDAPURAM, VELLORE, TAMIL NADU-632312, have changed my name from S SIVAKUMAR to SIVA KUMAR S for all future purposes vide Affidavit dated 22/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, POOJA Wife of JC-583968K Rank-NB/SUB Name-HARDESH KUMAR Presently residing at VILL-SADYHAL, PO-GHAMBIR BHRAMANA, TEH+DIST-RAJOURI, J&K-185131 have changed my name from POOJA to POOJA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 22/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NASEER ALI S/O KALEY KHAN R/o B-14/84/85, GALI NO-11, SUBHASH VIHAR, NORTH GHONDA, DELHI-110053, DELHI-110032 have changed my name to NASIR ALI for all future purpose

NAME CHANGE
I, DEBINA RAJKUMARI Wife of No-13631187W Rank-L/NK Name PAPU RAJKONWAR Residing at VILL-NAHAR PUKHURI, PO-BORHAT, TEHSIL-BORASALI, DIST-CHARAIDEO, ASSAM-785693, have changed my name from DEBINA RAJKUMARI to DEBINA BORAH for all future purposes vide Affidavit dated 22/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYA SHREE Mother of No-16134666H, Rank-SPR, Name-SANJU GHASTI Residing at 330, VILL-YARAGATTI, PO-YARNAL, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591221, have changed my name from JAYA SHREE to JAYASHRI GHASTI for all future purposes vide Affidavit dated 22/02/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, GAURAV CHAUDHARY S/O VIJENDER KUMAR R/O H.NO-32, GALI NO-15, WAZIRABAD VILLAGE, BURARI, PO BURARI, CIVIL LINES, NORTH DELHI, DELHI-110084, declare that the names of my Father and my Mother have been wrongly written as VIJENDER KUMAR CHAUDHARY and LALITA CHAUDHARY in my 10th and 12th class educational documents. The actual names of my Father and my Mother are VIJENDER KUMAR and LALITA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as MANN VIVEK MADHUKAR alias MANN MADHUKAR S/O VIVEK MADHUKAR R/O H-1463, THIRD FLOOR, BLOCK-H, CHITTRANJAN PARK PO: KALKAJI DISTRICT SOUTH DELHI, DELHI-110019, have changed my name and shall hereafter be known as MANN VIVEK MADHUKAR.

NAME CHANGE
I, Tomar Sudhaben Mother of No.4583264Y, Rank-NK, Tanwar Harendra Singh residing at Vill. Saraswati Nagar, PO- MeghaniNagar, Teh+Dist-Ahmedabad, Gujarat-380016 have changed my name and date of birth from Sudha Devi - DOB: 01.01.1959 to Tomar Sudhaben - DOB: 01/01/1970 vide affidavit dated 10.02.2025, Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SHAMIM AHMAD S/O ZAKI ULLAH R/O H.N0-405 SURYA VIHAR PART-3 NEAR JAI MORDEN, SCHOOL SEHATPUR, FARIDABAD-121013 HAVE CHANGE MY NAME TO SHAMEEM AHMED FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ROMA W/o VIJAY PAL residing at 41, NA, Palri, Village-Palri, Tehsil - Farrukhnagar, Karola(14), Gurgaon, Haryana - 122504 have changed my name and shall hereafter be known as RAMA DEVI

PUBLIC NOTICE
It is for general information Shivam Bhardwaj S/O Satya Narain, R/O House No-309, Gali No-24, Onkar Nagar B Tri Nagar, Ganeshpura, North West Delhi, Delhi - 110035,declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Satya Narain Bhardwaj and Rekha in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father and my mother are SATYA NARAIN and REKHA SHARMA,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
This is to inform to public at large that my client SH. RAM GOPAL S/O TILAK SINGH R/O 189 NEW SHYAM NAGAR, TILAK NAGAR NEW DELHI 110018 lost his property documents i.e original sale deed in favour of sh. Harbinder Singh Bansal of property no. Portion of plot no. A-51,Vishnu Garden New Delhi Issued From Seetu Registered With Sub Registrar Sr II Basai Darapur vide regn no. 1,549 book no. 1 vol. No. 25,352 on page no. 178 to 185 Dt-10.02.2021 on 15.02.2025 at 3:00 p.m from Tilak Nagar Market. If any body used the above said document in any manner that document read as null and void. And it is requested that if anybody found that sale deed kindly send /return to my client at the above said address.
Raj Kuamr Raje (Advocate)
Ch. No. 563-A Western Wing Tis Hazari Court Delhi-54

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client 1) Sh. Ram Das Diwakar (2) Sh. Pawan Diwakar (3) Sh. Sonu Diwakar are the owners of Plot no. 20 area measuring 91 sq. yds. out of Khasra no. 19/21 min, Situated in the area of village Sameypur, Abadi known as Swami Shardhanand Park, Delhi, Initially, Sh. Mahinder Singh was the owner in respect of said property ,Later, Who executed GPA dated 04/02/1993 in favour of Sh. Baljit Singh in respect said property. Later, Who executed GPA dated 18/08/1999 in favour of Smt. Sohan Biri in respect said property. Later, who executed GPA dated 23/10/2020 in favour of Sh. Dinesh Kumar in respect said property.Later, who executed GPA dated 19/11/2020 in favour of Smt. Ram Beti in respect said property. Later, who executed GPA dated 15/09/2023 in favour of (1) Sh. Ram Das Diwakar (2) Sh. Pawan Diwakar (3) Sh. Sonu Diwakar in respect said property. Finally, Authorization Slip (PM Uday) dated 21/10/2023 executed by POI through DDA in favour of (1) Sh. Ram Das Diwakar (2) Sh. Pawan Diwakar (3) Sh. Sonu Diwakar in respect said property. Doc no. 17494, Vol no. 12253, Book no. 1, Pages no. 132-125, SRO-VIA. who will be mortgaging the said property with Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 22/2/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (SMFG India Home Finance Co. Ltd) that Mr. Rajender Kumar Dhawan is claiming to be the owner of Residential Plot bearing No F-9. area measuring 50 sa yds, out of total area measuring 160 so yds out of Khasra No. 952 situated in the residential colony Rajeev Nagar. of Village Makanpur Paragana Loni Tehsil Dadri District Ghaziabad. U. P. vide registered GPA dated 01.01.1991 executed by Mr. Babu Ram All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the said property to a person who wants to obtain a loan from our client (SMFG India Home Finance Co Ltd) against the said property. If anybody has any objection/s upon the ip of above ownership prope owner over the said property its sale/mortgage/litigation, and any y other objections kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present
Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200. Second Floor, 23. Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi-15
legal@knalegal.com
Phone-41112527-28

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Dipanker Kain purchasing Freehold Residential Property Bearing No. 139 area measuring 60 sq. Mtrs. Situated at Block & Pocket A-3 Sector-5 Rohini Delhi-110085. from 1. Mrs. Momina, 2. Mrs. Jarina, 3. Mohd. Yunus Khan & (4) Mohd. Yusuf., initially Mrs. Asiya Parveen W/o Mr. Najir owner by virtue of Sale Deed dated 28.12.2017 Vide Doc No.12095, Book No.1, Volume No.7664, on Page Nos.145-154, Registered on 28.12.2017, in S.R-VI Delhi., thereafter Mrs. Asiya Parveen died, further executed Relinquishment Deed dated 05.01.2023 Vide Doc No.201, Book No.1, Volume No.10590, on Page Nos.172-177, Registered on 05.01.2023, in S.R-VI Delhi., same has been lost, said property sold to be Mr. Dipanker Kain our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Laxmi Nagar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRABHMEET SINGH S/O KAMALJEET SINGH R/O WZ-100, GROUND FLOOR, RAM NAGAR PO: TILAK NAGAR, DIST: WEST DELHI, DELHI-110018 declare that name of my mother has been wrongly written as SURENDER KAUR in my 10th class educational documents, and my passport no: C4076563 and name of my mother has been wrongly written as SUSURINDER KAUR in my 12th class educational documents The actual name of my mother is SURINDER KAUR, which may be amended accordingly.

कंट्रोल रूम को मिली अवैध पार्किंग की सूचना, ट्रैफिक पुलिस की सख्त कार्यवाही

एजेंसी

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर सतेंद्र कुमार गुप्ता के आदेश पर डीसीपी ट्रैफिक जसलीन कौर के निर्देशन में रोड सेफ्टी इंस्पेक्टर राजेश कुमार की टीम और ट्रैफिक पुलिस ने फरीदाबाद को जाम मुक्त बनाने के लिए लगातार सड़कों पर खड़े वाहन चालको के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी संदर्भ में इंस्पेक्टर राजेश की टीम ने सेक्टर-16 मार्किट व क्यूआरजी अस्पताल के पास लगाई गई गाड़ियों को हटवाया साथ ही नो पार्किंग जोन में खड़ी गाड़ियों के ऑनलाईन चालान किए। डीसीपी ट्रैफिक जसलीन कौर ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस का लगातार प्रयास रहता है कि शहरवासियों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाया जा सके और यात्री सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सके। इसलिए सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें ताकि उनका सड़क दुर्घटना से बचाव हो सके। रोड सेफ्टी टीम और ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के पोस्टल (फोन से फोटो खींचकर) चालान भी किए जाते है। उन्होंने द्ववाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि एक्सीडेंट फ्री फरीदाबाद बनाने के लिए यातायात नियमों का पालन कर फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें।

विकास को गति देने के लिए नीति आयोग ने जिला को किया 3 करोड रुपए से सम्मानित

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नूंह जिला अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आवश्यक सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत अपनी प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले नूंह को महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए नीति आयोग ने 3 करोड़ रुपए से सम्मानित किया है।

उन्होंने कहा कि इस निधि का उपयोग बुनियादी ढाँचे की कमियों को पाटने, सेवा दक्षता बढ़ाने और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा, जिससे नूंह की प्रगति और दीर्घकालिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिलेगा। ये पहल एक मजबूत जिले की नींव रखेगी।

विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य बुनियादी ढाँचे को उन्नत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, पोषण और आवश्यक सुविधाएँ मिल सकें। इन हस्तक्षेपों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर समावेशी विकास और बेहतर सेवा वितरण को बढ़ावा देना है।

नीति आयोग ने आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के चालक के रूप में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए जिले की प्रतिबद्धता की सराहना की है, जिससे यह प्रगति की ओर यात्रा में एक देखने योग्य जिला बन गया है।

तावडू में नपा की लापरवाही से शहरों के रोड पर फैली गंदगी, लोग परेशान

तावडू। नगरपालिका की लापरवाही के चलते शहर में प्रातः काल चौक-चौराहों व डिवाईडरों पर गंदगी के ढेर लग जाते हैं। जिससे प्रातः काल तावडू का नजारा नरक समान दिखाई देता है। यहां हर माह लाखों रूपए खर्च करने व लगभग 35 कर्मचारी दिन में तथा 35 कर्मचारी रात के समय सफाई के लिए लगाए हुए हैं। लेकिन वर्षों से समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। पिछली योजना में विभिन्न कार्यों पर मोटा वहन किया गया, फिर भी स्थिति पर काबू नहीं पाया जा सका। जिससे शहरवासियों में रोष व्याप्त है। प्रशासन की मानें तो डोर-टू-डोर कूडा उठाने की व्यवस्था की हुई है। लेकिन शहरवासी पुरानी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अधिक सफाई के बावजूद शहर में लगे कूड़े के ढेरों से लोगों को निजात नहीं मिल पा रहा। कहने को तो 35 कर्मचारी रात के समय और 35 कर्मचारी ही दिन के समय सफाई व्यवस्था के लिए रखे गए हैं। जिनमें 6 नियमित कर्मचारी और 6 कर्मचारी पालिका रोल पर हैं, जिसमें सुपरवाइजर और अन्य कर्मचारी भी शामिल हैं। उसके बावजूद शहर की सडक़ों पर फैली गंदगी लोगों को परेशान कर रही है। शहर के बावला चौक निवासी मुरारी लाल, उमेश कुमार, सुंदर सिंह, शेर सिंह, नरेश कुमार, हेमंत आदि ने बताया कि सबसे बुरा हाल उनके चौक का है। रात के समय बाजार से कूड़ा उठाकर इसी चौक पर गिराया जाता है।

सचिन भारद्वाज जी की दूसरी पुण्यतिथि पर सुन्दरकाण्ड एवं भजन संध्या का हुआ आयोजन

सोहना । भारद्वाज सचिन फाउंडेशन द्वारा सोहना शहर की राघव वाटिका में को सचिन भारद्वाज जी की दूसरी पुण्यतिथि पर सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। बीते शुक्रवार सोहना की राघव वाटिका में शाम 4.00 बजे से 5.00 बजे तक श्री अजय याग्निक जी द्वारा सुन्दरकाण्ड का पाठ कराया गया। उसके पश्चात भजन सम्राट श्री अनूप जलोटा जी द्वारा शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे तक भजन संध्या का कार्यक्रम किया गया। सचिन भारद्वाज जी की दूसरी पुण्यतिथि पर पहुंचे सभी गणमान्य लोगों ने सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भजन संध्या द्वारा प्रभु का स्मरण किया एवं सचिन भारद्वाज की पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना सहित श्रद्धांजलि अर्पित की। राघव वाटिका में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हरियाणा प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदय भान, चौधरी करण सिंह दलाल, आफताब अहमद,विधायक कुलदीप वत्स एवं सोहना के विधायक चौधरी तेजपाल सहित अनेक गणमान्य लोगों ने सचिन भारद्वाज की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भेंट की।

कमल का बटन दबाकर एक-एक वोट भाजपा को दें, बाकी कामों की जिम्मेदारी मेरी: नायब सैनी

कांग्रेस पार्टी ट्वीट पार्टी बनकर रह गई, कांग्रेस नेता ट्वीट करके अपना काम चला रहे : सीएम सैनी

एजेंसी

अंबाला/जगाधरी । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला और जगाधरी से भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कमल का बटन दबाकर एक-एक वोट भाजपा को दें, बाकी कामों की जिम्मेदारी मेरी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में कोई कोर-कसर नहीं रहेगी। सीएम सैनी ने कहा कि सभी को मालूम है कि हम तेज गति से काम करने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निकाय चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि यह पूरे प्रदेश के उज्जवल भविष्य व तरक्की की नींव रखने का अवसर है। मुख्यमंत्री श्री सैनी ने कांग्रेस पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ट्वीट पार्टी बनकर रह गई है। कांग्रेस के लोग इधर-उधर की बातें करते रहते हैं। कांग्रेस के नेताओं की सुनने वाला कोई नहीं है, इसलिए बेचारे ट्वीट करके अपना काम चला रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि कांग्रेस को जीरो पर आउट करना

मुख्यमंत्री ने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि कांग्रेस को जीरो पर आउट करना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जन-जन के हृदय सम्राट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ही विजन है कि भारत विकसित राष्ट्र बनें। विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी दिन रात काम

कर रहे हैं। श्री सैनी ने कहा कि हमारे क्रांतिकारियों, शहीदों व वीरों ने गुलामी की जंजीरो को काटने के लिए खुद को देश पर न्यौछावर किया और विकसित भारत का सपना देखा था जिसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री पूरा करने में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रिपल इंजन व श्री टायर सिस्टम की सरकार बनाकर हमें मोदी जी और वीरों के सपनों को साकार करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैं अपने घर व परिवार में कुछ लेने आया हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि आप लोग मुझे कुछ ना कुछ देकर ही भेजेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो उत्साह व जोश लोगों में देख रहा हूं इससे तय है कि आप लोगों ने कमल का फूल खिलाने का पक्का मन बनाया हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 मार्च को वोटिंग होगी और 12 मार्च को परिणाम आएगा,हमारे सभी प्रत्याशी विजयी होंगे और क्षेत्र में तीन गुणा गति से विकास के कार्य होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास प्रदेश के विकास की योजना है,नीति और नीयत है। हमारा विजन स्पष्ट है और हमें मालूम है कि किस दिशा में हमें चलना है। 2014 से पहले एक ही क्षेत्र का विकास होता था। युवाओं का विश्वास उठ चुका था। भाजपा सरकार ने युवाओं के विश्वास को कायम किया और आज हमें गर्व है कि मुख्यमंत्री की शपथ लेते हुए युवाओं की नौकरी का लेटर जारी किया, जिसका जिक्र खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में कहा था कि एक समय में 25 हजार युवाओं को बिना खर्ची और बिना खर्ची नौकरी देने का निर्णय भाजपा सरकार ही ले सकती है।

जींद जिला परिषद चेयरपर्सन भाजपा में शामिल

- **रोहतक में मोहनलाल बड़ौली ने जॉइन करवाई पार्टी, 24 को होनी थी कुर्सी से हटाने को वोटिंग**

एजेंसी

जींद। जींद जिला परिषद की चेयरपर्सन मनीषा रंधावा भाजपा में शामिल हो गई हैं। रोहतक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मनीषा रंधावा और उसके पति कुलदीप रंधावा को विधिवत रूप से पार्टी का फटका पहनाकर पार्टी जॉइन की। मनीषा रंधावा जेजेपी के समर्थन से चेयरपर्सन बनी थी और बाद में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की विनेश फोगाट के लिए प्रचार किया था। 24 फरवरी को चेयरपर्सन मनीषा रंधावा को कुर्सी से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी थी।

इससे पहले तीन बार बैठक होनी निश्चित हो चुकी है लेकिन डीसी के बाहर जाने के कारण बैठक कैंसिल होती रही। इस बार हाई कोर्ट ने हर हाल में बैठक करवाने के निर्देश दिए थे। दो दिसंबर 2024 को 25 सदस्यों वाली जिला परिषद के 18 पार्षदों ने डीसी को शपथ पत्र सौंपकर चेयरपर्सन को कुर्सी से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव बुलाने की मांग की थी। इसके बाद डीसी ने बैठक के लिए 13 दिसंबर की तारीख निर्धारित की गई। 13 दिसंबर को डीसी के अचानक छुट्टी पर चले जाने के कारण बैठक

स्थगित हो गई।

विरोधी गुट नहीं जुटा पा रहा था बहुमत

इसके बाद 22 जनवरी तारीख निर्धारित की गई। इसमें भी डीसी के बैठक मे न पहुंचने पर बैठक स्थगित हो गई। जिस पर चेयरपर्सन ने हाईकोर्ट का सहारा लिया तो 11 फरवरी की तारीख निर्धारित हुई। 11 फरवरी को डीसी को चीफ सेक्रेटरी की मीटिंग में जाना पड़ा, इसलिए तीसरी बार भी बैठक नहीं हो पाई। अब बैठक का समय 24 दिसंबर का निर्धारित किया गया था। विरोधी गुट बहुमत के पार्षद नहीं जुटा पा रहे थे, इस कारण बैठक को बार-बार स्थगित करवाया जा रहा था। चेयरपर्सन को अपनी कुर्सी बचाने के लिए 9 पार्षदों की जरूरत थी जबकि विरोधी खेमे को 18 पार्षद चाहिए थे। अगर बैठक हो जाती और अविश्वास प्रस्ताव गिर जाता तो एक साल तक विरोधी बैठक नहीं बुला पाते।

जेजेपी के समर्थन से बनी थी चेयरपर्सन, बाद में कांग्रेस का प्रचार किया

मनीषा रंधावा लगभग 2 साल पहले जब वह जिला परिषद चेयरपर्सन बनी थी, तब वह और उनके पति कुलदीप रंधावा दोनों जेजेपी में थे। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने मनीषा रंधावा का खुलकर साथ दिया था। विधानसभा चुनावों से पहले कुलदीप रंधावा कांग्रेस प्रत्याशी विनेश फोगाट के साथ नजर आने लगे। चुनावों के बाद जब दोबारा से भाजपा की सरकार बनी तो कुलदीप रंधावा ने भाजपा की ओर रुख कर लिया। करीब एक माह पहले कुलदीप रंधावा ने सीएम नायब सैनी के साथ सोशल मीडिया पर अपनी फोटो डाली थी और कहा था कि अब वह भाजपा के सदस्य हैं लेकिन भाजपा के जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल ने इसे नकार दिया था और कहा था कि मनीषा रंधावा भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं।

अब फिर बदलेगी राजनीति

मनीषा रंधावा और कुलदीप रंधावा ने रोहतक में प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के नेतृत्व में भाजपा का दामन थामने के बाद उन पर भाजपा की मोहर लग गई है। अब फिर से जिला परिषद की राजनीति में बदलाव देखने को मिलेगा, क्योंकि भाजपा के समर्थन के बाद अब मनीषा रंधावा की कुर्सी पूरी तरह से सेफ हो गई है।

दो साल से विकास कार्य पड़े ठप

जिला परिषद की राजनीति में पिछले दो साल से विकास कार्य ठप पड़े हैं। करोड़ों की ग्रांट जिला परिषद के खाते में पड़ी है लेकिन इसका प्रयोग नहीं हो पा रहा है। पहले चुनावी साल और अब राजनीतिक खींचतान के कारण ग्रांट का वितरण नहीं हो पा रहा है।

शिवराज चौहान ने गुरुकुल में प्राकृतिक खेती को देखा, मटर का चखा स्वाद

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान कुरुक्षेत्र दौरे पर आए हैं। वह दोपहर लगभग तीन बजे गुरुकुल परिसर में पहुंचे। जहां गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किया उनका स्वागत।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री गुरुकुल के प्राकृतिक खेती फार्म पर भी गए और वहां प्राकृतिक रूप से तैयार किए गए लहसुन की फसल को देखा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत भी मौजूद रहे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र या प्राकृतिक खेती फार्म पर गेहूं से लेकर लहसुन सहित हरा मटर, गाजर, आलू समेत तमाम सब्जियों को उगाने के बारे में जानकारी ली। शिवराज चौहान ने हरा मटर का स्वाद भी चखा। इस उन्होंने कहा कि केमिकल वाले मटर की बजाय प्राकृतिक खेती से उगाया गया मटर बेहद स्वादिष्ट है। उन्होंने सभी फसलों के खूब प्रशंसा की।

प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाएगा केंद्र

इस दौरान शिवराज चौहान ने कहा कि प्राकृतिक खेती को अब केंद्र सरकार जन आंदोलन बनाएगी। इसके लिए केंद्रीय स्तर पर बनाई बनाई जाएगी, इस जो जन आंदोलन को आगे बढ़ाएगी। गुरुकुल कुरुक्षेत्र के प्राकृतिक खेती फॉर्म का अवलोकन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि केमिकल युक्त खेती से छुटकारा पाना चाहिए।

केमिकल युक्त खेती करने से ऐसे हालात बन चुके हैं कि हमारे लिए रहने की जमीन भी नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि यह धारणा भी गलत है की प्रकृति खेती में उत्पादन कम होता है। सही तकनीक से प्राकृतिक खेती की जाए तो भरपूर उत्पादन मिल सकता है। हर किसान द्वारा इस खेती को अपनाने की आज जरूरत है।

निकाय चुनाव के लिए सभी वार्डो में बूथवार ईवीएम मशीनों का तय किया गया अनुक्रमांक

गुरुग्राम। जिला में जारी निकाय चुनाव को पारदर्शी व निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालय में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर की उपस्थिति में सभी 1109 बूथों के लिए ईवीएम मशीनों के द्वितीय चरण का रैंडेमाइजेशन किया गया। नगर निगम गुरुग्राम के लिए ईवीएम मशीनों के द्वितीय चरण का रैंडेमाइजेशन रिटर्निंग अधिकारी एवं एडीसी हितेश कुमार व निगम के जनरल ऑब्जर्वर शेखर विद्यार्थी (वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े) की उपस्थिति में लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस दौरान सभी स्थानों पर विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, निर्दलीय उम्मीदवार व उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार ने कहा कि इस रैंडेमाइजेशन के साथ ही यह तय हो गया है कि नगर निगम गुरुग्राम व मानेसर, नगर पालिका फर्रुखनगर, नगर परिषद पटौदी जाटौली मंडी व सोहना क्षेत्र में ईवीएम मशीन की कौन से नंबर की बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट किस बूथ पर जाएगी।

हकेंवि के शोधकर्ताओं ने स्वयं सहायता समूहों को दिया प्रशिक्षण

एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की शोध टीम ने स्थानीय बवानिया गांव में 'विटामिन डी बायोफोर्टिफिकेशन तकनीक और कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास- स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सुरक्षा के लिए एसडीजी (1,2,3) का लक्षित करना' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में डॉ. अनीता कुमारी, प्रो. सुरेंद्र सिंह व दीपिका (प्रोजेक्ट एसोसिएट) ने स्वयं सहायकता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण हरियाणा राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित परियोजना 'हिपोविटामिनोसिस डी के प्रबंधन के लिए विटामिन डी समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास' के अंतर्गत आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने टीम को बधाई दी और स्वयं सहायकता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए उनकी सराहना की। कुलपति ने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह एसएचजी की महिलाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और कहा कि यह आयोजन उनके कौशल को मजबूत करने में सहायक होगा। इससे विटामिन डी आधारित खाद्य उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकेगा। साथ ही स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी। परियोजना सह-अन्वेषक प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को मशरूम और मिलेट्स से नवाचारात्मक खाद्य उत्पाद विकसित करने की नई तकनीकों का प्रशिक्षण देना था ताकि किशोरियों में विटामिन डी की कमी को दूर किया जा सके। डॉ. अनीता कुमारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 22 महिलाओं को खाद्य वस्तुओं में विटामिन डी बायोफोर्टिफिकेशन तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया, और साथ ही कुकीज, पिन्नी और न्यूट्री-बार जैसे विटामिन डी वाले खाद्य उत्पाद विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

नगर परिषद अम्बाला छावनी चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल, करेंगे क्लीन स्वीप - अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि ''नगर परिषद, अम्बाला छावनी में भाजपा के पक्ष में माहौल है और हम इन चुनावों में क्लीन स्वीप करेंगे''। उन्होंने कहा कि ''केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार है, वे स्वयं अम्बाला छावनी से भाजपा विधायक है और यदि नगर परिषद में भाजपा प्रधान व भाजपा पार्षद होंगे, तो विकास की मशीनरी एक साथ तेजी से चलेगी''।

श्री विज आज नगर परिषद, अम्बाला छावनी चुनाव को लेकर प्रधान एवं सभी 32 वार्डों से पार्षद पद के भाजपा प्रत्याशियों की केंद्रीय चुनाव कार्यालय में संयुक्त बैठक की और बैठक में चुनाव संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए।

वहीं, बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे सभी उम्मीदवार पूरी तरह से उत्साहित हैं। आज बैठक में फीडबैक ली गई है और हमें पूरा विश्वास है कि नगर परिषद अम्बाला छावनी चुनाव में हम क्लीन स्वीप करने जा रहे है। उन्होंने कहा भाजपा के डर से कांग्रेस अपनी लिस्ट जारी करने की हिम्मत तक नहीं कर सकी और मैदान में

उतरी ही नहीं। कांग्रेस ने अभी से भाजपा को विजय मान लिया है। कुछ इक्का-दुक्का आजाद प्रत्याशी खड़े हैं, मगर अंबाला छावनी का विकास हम (भाजपा) कराएंगें। बैठक के दौरान प्रधान पद प्रत्याशी स्वर्ण कौर, चुनाव संयोजक संजीव सोनी ओम सहगल, जसबीर जस्सी, मदनलाल शर्मा, राजीव गुप्ता, सुरेंद्र बिंद्रा, राजीव गुप्ता, विजेंद्र चौहान, किरण पाल चौहान, अजय बवेजा, बीएस बिंद्रा, नरेंद्र राणा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अंबाला शहर मेयर उपचुनाव में मंत्री अनिल विज को प्रभारी की जिम्मेवारी मिलने पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि अनिल विज जहां अटैच हो जाता है वहां विजयश्री अपने आप आ जाती है। अम्बाला शहर में भी वह जाएंगे और मेयर को भारी मतों से विजयी बनाएंगे। अम्बाला छावनी में कुछ आजाद प्रत्याशियों द्वारा अनिल विज की फोटो व नारा इस्तेमाल करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह सरासर गलत है और इस पर खुद ही भाजपा प्रत्याशी चुनाव अधिकारी को शिकायत कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव के ईवीएम खत्म करने के बयान पर मंत्री अनिल विज का पलटवार, 'सपनों पर कोई टैक्स नहीं लगाया, इसलिए सपने लेते रहो और सपनों में ही सरकार बनाओ'

आरजेडी नेता नेता तेजस्वी यादव के बयान कि केंद्र में वह आएंगे तो ईवीएम को खत्म करने के बयान पर तंज कसते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि 'न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी÷। उन्होंने कहा कि आखिर कहां से इनकी सरकार बनेगी, इनकी पोल खुल चुकी है, जनता इनकी सच्चाई को जान चुकी है। धोखा एक बार दिया जा सकता है, बार-बार नहीं, जनता अब समझदार हो गई है, अब सपने देखने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, किसी सरकार ने सपनों पर कोई टैक्स नहीं लगाया, इसलिए सपने लेते रहो और उसी में सरकार बनाओ।

आप नेता मनीष सिसोदिया के बयान कि दिल्ली में सरकार सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान दें, पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि सबको सुधारेंगे, सब कुछ सुधारेंगे और दिल्ली पर जो विकास न होने का ग्रहण लगा हुआ था वो अब हट गया है। रेखा गुप्ता जी हरियाणा से है वो मुख्यमंत्री बनी है और अपनी टीम के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में दिल्ली को वो दर्जा दिलाएंगे जो इतनी बड़े देश की राजधानी का होना चाहिए।

अमेरिका का भारतीयों को सीधे भारत भेजने के बजाए कोस्टारिका को सौंपना अपमानजनक: कुमारी सैलजा

कोस्टारिका भारतीयों के साथ क्या सुलूक करेगा, मोदी जी अब तो मौन तोड़िए, मोदी जी बताए उनके खास मित्र ट्रंप के मन में आखिर क्या चल रहा है?

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि अमेरिका ने पहले तो भारतीयों को हथकड़ी और बेडियों में बांधकर भारत भेजकर देश को अपमानित किया और अब भारतीयों को सीधे भारत भेजने के बजाए वह उन्हें कोस्टारिका को सौंपेगा, पता नहीं कोस्टारिका अब उनके साथ क्या सलूक करेगा। प्रधानमंत्री को अब तो इस मामले में चुप्पी तोड़ते हुए अपने खास मित्र अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात करनी चाहिए और ये भी पता करें कि आखिर ट्रंप के मन में भारत को लेकर क्या चल रहा है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि पनामा और ग्वाटेमाला के नक्शेकदम पर चलते हुए, कोस्टारिका ने भी घोषणा की कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका से निकाले जाने वाले अवैध प्रवासियों को अपने देश में लाने के लिए तैयार है, जो अन्य देशों के नागरिक हैं। अमेरिका राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से एक बयान में कहा गया था कि भारतीय प्रवासियों को वह कोस्टोरिका को सौंपेगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि जब भारतीय को अपने ही देश में रोजगार नहीं मिलता तभी उनके मन में विदेश में जाकर धन कमाने की बात आती है। वे अपने और अपने बच्चों के बेहतर जीवन यापन के लिए खतरनाक यात्राएं करके, दुर्गम इलाकों, जंगली जानवरों और आपराधिक गिरोहों का सामना करते हुए दूसरे देशों में पहुंचते है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जो लोग अपना घर, दुकान, जेवर बेचकर या गिरवी रखकर धन कमाने के लिए विदेश गए है उनकी ससम्मान वापसी की दिशा में केंद्र सरकार को कदम उठाने चाहिए।

पुलिस ने छात्र-छात्राओं को गुड टच व बैड टच के बारे में जानकारी दी

एजेंसी

नारनौल। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खासतौर से बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महेंद्रगढ़ पुलिस की महिला पुलिस द्वारा स्कूल की छात्राओं को गुड टच व बैड टच के बारे में जानकारी देने तथा जागरूक करने के लिए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल सिरोही में सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें निरीक्षक शारदा के द्वारा छात्र-छात्राओं को गुड टच व बैड टच के बारे में विस्तार से समझाया गया तथा महिलाओं व बालिकाओं की सहायता के लिए पुलिस विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं व सहायता के बारे में भी अवगत करवाया। महिला व बाल अपराधों को रोकने के लिए आवश्यक है कि बालिकाओं को इसके विरोध के लिए सचेत किया जाए तथा पुलिस की सहायता लेने के प्रति जागरूक किया जाए। टीम ने छात्राओं को महिलाओं से जुड़े कानूनों, कानूनी संरक्षण और अधिकारों से अवगत कराते हुए जागरूक किया। छात्राओं के अंदर आत्मविश्वास/आत्मरक्षा की भावना पैदा करने के उद्देश्य से महिला पुलिस कर्मियों द्वारा सेल्फ डिफेंस के तरीके बताए गए। टीम ने गुड टच एवं बैड टच के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया की गुड टच बैड टच क्या होता है, अगर कोई गलत नीयत से छूता है तो उसे तुरंत टोकना चाइए। ऐसे लोगों की जानकारी तुरंत अपने अभिभावकों से या फिर किसी ऐसे व्यक्ति को देनी चाहिए जिस पर आपको विश्वास हो। टीम ने इस दौरान पॉक्सो एक्ट के तहत यौन अपराधों की विस्तृत परिभाषा के बारे में बताया गया। यह बताया गया कि बाल यौन शोषण बच्चों के किसी भी अंग को गलत तरीके से छूना, निजी अंगों पर टिप्पणी करना, गलत तस्वीर दिखाना तथा अन्य वैसे सभी प्रकार के शारीरिक संपर्क जिससे बच्चे असहज महसूस करें, बाल यौन शोषण की श्रेणी में आते हैं।

NAME CHANGE

It is for general information that I, OM PRAKASH S/o AJI RAM R/o 859, Near 64 and 65 Dividing Road, Sector 64, Ballabgarh, Faridabad, Haryana-121004, declare that name of my wife has been wrongly written as SATVATI in my Pension Payment Order No. 09/97/B/S/02485/2000. The actual name of my wife is SATYAVATI SHARMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ROMA W/o VIJAY PAL residing at 41, NA, Palri, Village-Palri, Tehsil - Farrukhnagar, Karola(14), Gurgaon, Haryana - 122504 have changed my name and shall hereafter be known as RAMA DEVI

मानेसर नगर निगम क्षेत्र में पैदा होंगे शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार के अवसर: डा. विजय सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। मानेसर नगर निगम से मेयर पद के निर्दलीय प्रत्याशी विजय सिंह नंबरदार ने शनिवार को धुआंधार चुनाव प्रचार किया। अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत वे गांव नवादा, अंतरिक्ष हाइट्स सोसायटी, ढाणा गांव के शहीद पार्क, गांव अलियर और बास गांव समेत कई क्षेत्रों में पहुंचे। श्री शनिधाम मंदिर मानेसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के मंच से भी उन्होंने वोटों की अपील करते हुए चुनाव में विजयी बनाने की अपील की। उनका लोगों ने भव्य स्वागत किया। चुनाव में उन्हें पूर्ण समर्थन देने का विश्वास दिलाया।

ग्रामीणों के स्वागत, सत्कार से गदगद मेयर प्रत्याशी डा. विजय सिंह नंबरदार ने कहा कि मानेसर की जनता की सेवा में वे कई साल से लगे हुए हैं। अब सेवा का दायरा बढ़ जाएगा। सेवा के अवसर बढ़ाने के लिए जनता की उन्हें जरूरत है। उन्होंने कहा कि आने वाली 2 मार्च को नगर निगम के चुनाव में जनता उनके चुनाव निशान पानी का जहाज के सामने का बटन दबाकर अधिक से अधिक वोट पोल करे। जनता की उंगली की ताकत से वे ताकतवर बनेंगे। मेयर की कुर्सी पर उन्हें जनता बिठाएगी और जनता के विकास को वे गति देंगे। डा. विजय सिंह नंबरदार ने कहा कि राजनीति के क्षेत्र में उनके आने का केवल और केवल मकसद क्षेत्र की सेवा करना है। जनता ने आशीर्वाद देकर उन्हें खुद ही राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया था। उसी प्रेरणा से और जनता के आशीर्वाद से वे चुनाव में मजबूती के साथ खड़े हैं।मेयर के निर्दलीय प्रत्याशी डा. विजय सिंह नंबरदार ने कहा कि मानेसर की कायापलट का उनके पास बड़ा विजय है। वे क्षेत्र की तकदीर और तस्वीर बदलने का काम करेंगे। शिक्षा, चिकित्सा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को तय समय में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान वे जहां-जहां जा रहे हैं, वहां के बुरे हालात नजर आ रहे हैं।

मनोहर लाल ने किया बिजली क्षेत्र की कंपनियों से अभिनव समाधान बनाने का आग्रह

ग्रेटर नोएडा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने उद्योग के हितधारकों से विकसित भारत की दिशा में देश की यात्रा को मजबूत करने के लिए अभिनव समाधान बनाने पर काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की स्थिति में है, जिसमें बिजली इस परिवर्तन को आगे बढ़ा रही है। उद्योग संगठन आईईईएमए द्वारा आयोजित 'इलेक्रामा-2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 2030 तक भारत का 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का महत्वाकांक्षी लक्ष्य विभिन्न अवसर प्रदान करता हैउन्होंने ऊर्जा सुरक्षा, ग्रिड आधुनिकीकरण और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो राष्ट्र के दीर्घकालिक दृष्टिकोण विकसित भारत 2047 के अनुरूप हैउन्होंने कहा कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की स्थिति में है, जिसमें बिजली इस परिवर्तन को आगे बढ़ा रही है। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ाने, ग्रिड आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने और ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दो सौ गीगावाट से अधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने और 2030 तक 500 गीगावाट के लक्ष्य के साथ, भारत स्थायी ऊर्जा अपनाने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।

गुवाहाटी में रिलायंस का नए कैम्पा और पेय पदार्थ बॉटलिंग प्लांट शुरू

गुवाहाटी। रोजमर्रा की जरूरतों के उत्पाद और पेय पदार्थ कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने असम के गुवाहाटी में नए बॉटलिंग प्लांट के उद्घाटन के साथ पूर्वोत्तर भारत में कैम्पा के पोर्टफोलियो की उपस्थिति को मजबूत किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि स्थानीय भागीदार जेरिको के सहयोग से विकसित इस सुविधा का उद्घाटन आज असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने किया। 6 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला यह प्लांट इस क्षेत्र की सबसे बड़ी पेय पदार्थ निर्माण इकाइयों में से एक है। इसमें कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स के लिए 10 करोड़ लीटर से ज़्यादा और पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के लिए लगभग 18 करोड़ लीटर की शुरुआती उत्पादन क्षमता है। इस अवसर पर डॉ. सरमा ने कहा, ÷आम लोग कैंपा के उत्पादों को बहुत ही किफ़ायती कीमत पर खरीद सकते हैं। कैंपा कोला के साथ यह एक बड़ा फ़ायदा है। वे किफ़ायती कीमत पर उत्पाद दे रहे हैं, लेकिन वे गुणवत्ता से समझौता नहीं कर रहे हैं, जो अन्य वैश्विक मानकों के बराबर है। मेरा मानना है कि यह ब्रांड लगातार मज़बूत होता जाएगा और इसे और भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। मैं रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और जेरिको को शुभकामनाएँ देता हूँ। यह यात्रा बहुत सफल हो और असम के लोगों के लिए बहुत सारे रोज़गार के अवसर पैदा करे। और यह यात्रा यह भी दर्शाए कि एक भारतीय ब्रांड एक वैश्विक ब्रांड के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

बजाज एलियांज लाइफ बीमा-एएसबीए सुविधा के साथ लाइव

पुणे। निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज एलियांज लाइफ बीमा-एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट सुविधा (बीमा-एएसबीए) के साथ लाइव होने वाली पहली बीमा कंपनी बन गई है। कंपनी ने आज यहां कहा कि यह मील का पत्थर भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की पहल के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य परिचालन को आसान बनाना, पॉलिसीधारकों की सुविधा बढ़ाना, अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना और बीमा प्रीमियम भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाना है। बीमा-एएसबीए प्रीमियम भुगतान को आसान और ग्राहक अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआरडीएआई की इस पहल के तहत, पॉलिसीधारक यूपीआई के वन-टाइम मैंडेट (ओटीएम) का विकल्प चुन सकते हैं और यूपीआई के माध्यम से अपने बैंक खाते में एक निर्दिष्ट राशि (2 लाख रुपए तक) को ब्लॉक करने के लिए अधिकृत कर सकते हैं। बीमा कंपनी द्वारा अंडरराइटिंग प्रक्रिया पूरी करने और प्रस्ताव को स्वीकार करने का निर्णय लेने के बाद ही राशि डेबिट की जाएगी। यदि आवेदन 14 दिनों की अवधि के भीतर संसाधित नहीं होता है या प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाता है, तो अवरुद्ध राशि स्वचालित रूप से ग्राहक को वापस जारी कर दी जाती है।

उप्र में धर्म स्थलों के विकास के लिए बजट में धनराशि का प्रावधान, धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के प्रमुख धर्म स्थलों के विकास के लिए बजट में धनराशि का प्रावधान किया है और इसके साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बनुयादी सुविधाओं के विकास में बजट का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए पर्यटन के क्षेत्र में राज्य की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और बुनियादी ढांचे तथा धार्मिक पर्यटन को मजबूत करने के लिए भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा पेश की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश सरकार का नेतृत्व संभालने के बाद से ही धर्म स्थलों के विकास पर जोर दिया है। 2017 के बाद से ही अयोध्या में दीपोत्सव, वाराणसी में देव दीपावली तथा ब्रज के होलिकोत्सव को सरकार ने प्राथमिकता दी। बजट पेश होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से कहा कि श्री बांके बिहारी जी मंदिर, मथुरा-वृन्दावन गलियारे के निर्माण व भूमि क्रय हेतु 150 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।

एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट में नया साइलो और रैपिड लोडिंग सिस्टम चालू

एजेंसी

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एसईसीएल) परियोजनाओं के माध्यम से अपनी खदानों से सुरक्षित और टिकाऊ कोयला निकासी बढ़ाने के प्रयासों में तेजी ला रही है। एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर में एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट ने शुक्रवार को अपने नवनिर्मित रैपिड लोडिंग सिस्टम और साइलो 3 और 4 से पहला कोयला रेक लोड करके सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया। यह पर्यावरण के अनुकूल और कुशल कोयला परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अनुसार नए चालू किए गए दीपका सीएचपी-साइलो एफएमसी प्रोजेक्ट की वार्षिक कोयला निकासी क्षमता 25 मिलियन टन है, जिससे मेगा प्रोजेक्ट की सम्प्रेषण दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नए साइलो के चालू होने से पहले दीपका 15 एमटीपीए की क्षमता वाले मेरी-गो-राउंड (एमजीआर) सम्प्रेषण प्रणाली पर निर्भर था। साइलो 3 और 4 के चालू होने के साथ दीपका की कुल कोयला प्रेषण क्षमता अब बढ़कर 40 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है, जो प्रभावी रूप से परिवहन बुनियादी ढांचे को उत्पादन स्तरों के साथ संरेखित करती है। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में एसईसीएल ने पीएम गतिशक्ति योजना के तहत एफएमसी इंफ्रा के विकास को प्राथमिकता दी है। एसईसीएल ने 233 एमटीपीए की संचयी क्षमता के साथ 17 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं शुरू की हैं। इनमें से, 151 एमटीपीए की कुल क्षमता वाली 9 परियोजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं, जो कोयला परिवहन को आधुनिक बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। 82 एमटीपीए क्षमता वाली शेष 8 एफएमसी परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं और उन्हें अगले 2-3 वर्षों में चालू करने का लक्ष्य है। एफएमसी को व्यापक रूप से एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल कोयला परिवहन मोड के रूप में मान्यता प्राप्त है। दीपका में एफएमसी बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन से कई लाभ मिलते हैं, मसलन दक्षता में सुधार और सटीक लोडिंग, रेक में कोयले की अंडरलोडिंग और ओवरलोडिंग दोनों को कम करना। तेज़ लोडिंग समय के कारण टर्नअराउंड समय कम हो गया है और रेक की उपलब्धता में सुधार हुआ है। कोयले की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिससे संदूषण और नुकसान कम हुआ है। सड़क परिवहन पर निर्भरता कम हुई है, जिससे डीजल खर्च में बचत हुई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी भारी गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.08 प्रतिशत लुढ़ककर 70.25 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74.25 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

प्रधानमंत्री 24 फरवरी को पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को

9.8 करोड़ से अधिक किसानों को होगा लाभ

22,000 करोड़ से अधिक के प्रत्यक्ष हस्तांतरण का लाभ होगा। पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र योजना, जिसके तहत 6,000 रुपये प्रति किसान परिवार को वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। कृषि मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों के खातों में एक क्लिक के साथ हस्तांतरित की जाएगी। पीएम-किसान योजना के सफल कार्यान्वयन के छह साल पूरे हो गए हैं, जो देशभर के किसानों की वित्तीय सहायता को मजबूत कर रहा है। इस संबंध में कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पशुपालन और डेयरी

विभाग (एएच एंड डी), भारत सरकार, रेल मंत्रालय, भारत सरकार और बिहार सरकार के समन्वय से बिहार के भागलपुर में किसान सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

पीएम-किसान की 18वीं किस्त जारी करते समय लगभग 9 करोड़ 60 लाख किसानों को किस्त जारी की गई। कृषि मंत्रालय सक्रिय रूप से छूटे हुए सभी पात्र किसानों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है और इन प्रयासों के माध्यम से 19वीं किस्त प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या बढ़ गई है। 19वीं किस्त जारी होने से देशभर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित होंगे, उन्हें प्रत्यक्ष लाभ के माध्यम से 22,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

एनएसओ इंडिया ने 'भारत में डेटासेट और रजिस्ट्री का संग्रह, 2024' जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने भारत में डेटासेट और रजिस्ट्री का संग्रह, 2024 का नवीनतम संस्करण प्रकाशित किया है। यह डेटा की पहुंच को मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली के चल रहे आधुनिकीकरण के हिस्से के रूप में यह संग्रह सुनिश्चित करता है कि नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, छात्रों, विश्लेषकों, व्यवसायों और आम जनता के लिए सरकारी डेटा आसानी से सुलभ हो। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार यह व्यापक संसाधन भारत सरकार के 40 मंत्रालयों और विभागों से प्राप्त लगभग 270 डेटासेट और रजिस्ट्री के मेटाडेटा को समेकित करता है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, ग्रामीण विकास, पर्यटन, सामाजिक न्याय, बैंकिंग और अन्य जैसे क्षेत्र शामिल हैं। वन-स्टॉप संदर्भ के रूप में कार्य करके यह संकलन उपयोगकर्ताओं को सरकारी डेटासेट की उपलब्धता, दायरे और पहुंच को आसानी से तलाशने में सक्षम बनाता है। इसमें मानकीकृत मेटाडेटा, डेटा संग्रह पद्धतियों, अद्यतनों की आवधिकता और मंत्रालयों में डेटा-साझाकरण नीतियों का विवरण शामिल है। इसके अतिरिक्त यह प्रत्येक डेटासेट के संग्रह और प्रसार को नियंत्रित करने वाले कानूनी और नियामक ढांचे की रूपरेखा तैयार करता है जबकि गहन विश्लेषण और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने के लिए विघटन के स्तर पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। उपयोगकर्ता संबंधित मंत्रालय या विभाग पोर्टल के लिंक के माध्यम से डेटा स्रोतों तक सीधी पहुंच से भी लाभ उठा सकते हैं, जिससे निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होती है।विश्वसनीय और सुव्यवस्थित सरकारी डेटा की बढ़ती आवश्यकता को पहचानते हुए यह पहल राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली को आधुनिक बनाने और सुव्यवस्थित करने के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक प्रयासों के साथ संरेखित है।

Government of India
Ministry of Statistics and Programme Implementation
सत्यमेव जयते

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का प्रोसेस इक्विपमेंट बिजनेस करेगा 200 करोड़ का निवेश

एजेंसी

दहेज (गुजरात)। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रोसेस इक्विपमेंट बिजनेस ने यहां अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का विस्तार करने के लिए 200 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा करते हुये अगले पांच वर्षों में कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रोसेस इक्विपमेंट बिजनेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस प्रमुख हुसैन शरियार ने यहां बताया कि यह नया निवेश पहले किये गये 300 करोड़ के निवेश के बाद होने जा रहा है जो घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने और भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इस विस्तार का उद्देश्य प्रोसेस इक्विपमेंट विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है और यह सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के साथ संरेखित है। यह राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के निजी कंपनियों के प्रवेश देने की बजट घोषणा के अनुरूप है।

उन्होंने कहा कि अभी कंपनी का कारोबार एक हजार करोड़ रुपये का है जिसको अगले पांच वर्ष में बढ़ाकर दो गुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि मुंबई के विक्रोली स्थित संयंत्र को धीरे धीरे बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गयी है क्योंकि वहां लॉजिस्टिक की बहुत समस्या हो रही है। उन्होंने कहा कि दहेज सुविधा के तीसरे चरण विस्तार से वार्षिक विनिर्माण क्षमता लगभग 30,000 मीट्रिक टन तक बढ़ जाएगी, जिसमें विदेशी सामग्रियों के निर्माण के लिए नए धूल-मुक्त बाड़े का विकास, आंतरिक विनिर्माण के लिए समर्पित बे और विस्तारित विनिर्माण यार्ड का विकास सहित उत्पादन स्थान में वृद्धि होगी। इस विस्तार का उद्देश्य रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स जैसी पारंपरिक ऊर्जा परियोजनाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन, परमाणु और भूतापीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों के लिए उच्च-स्तरीय और महत्वपूर्ण प्रक्रिया उपकरणों के निर्माण में क्षमता और क्षमता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि विस्तारित सुविधा में एक अतिरिक्त विस्तारित फैब्रिकेशन यार्ड होगा जो बड़े और जटिल प्रक्रिया उपकरणों के निर्माण के लिए समर्पित होगा, जिसमें 16 मीटर व्यास और 140 मीटर लंबाई तक के उपकरण शामिल हैं, जिसमें प्रक्रिया मॉड्यूल के लिए बढ़ी हुई क्षमताएं हैं। रणनीतिक रूप से रखा गया 30 मीटर गुना 10 मीटर का उन्नत हीट ट्रीटमेंट फर्नेस संचालन के दौरान कार्बन उत्सर्जन में कमी सुनिश्चित करेगा। स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, इस सुविधा के पास जीरो वेस्ट टू लैंडफिल प्रमाणन है, जो पर्यावरण के लिए जिम्मेदार विनिर्माण प्रथाओं पर जोर देता है। इसके अतिरिक्त, 80 प्रतिशत से अधिक स्वचालन के साथ वर्तमान में, इसके उत्पादन का 70 प्रतिशत अमेरिका और मध्य पूर्व पर विशेष ध्यान देने के साथ छह महाद्वीपों के 40 से अधिक देशों को निर्यात किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार भारत के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और शुद्ध-शून्य लक्ष्यों के साथ भी संरेखित है, जो स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विनिर्माण में अग्रणी बनने की देश की महत्वाकांक्षा का समर्थन करता है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रधान सचिव-2 नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा। शक्तिकांत दास प्रिंसिपल सेक्रेटरी-1 पीके मिश्रा के साथ मिलकर काम करेंगे।

केंद्र सरकार में नियुक्ति समिति द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (रिटायर्ड) (टीएन:80) की प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। गुजरात कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी पीके मिश्रा वर्तमान में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं।'' आधिकारिक आदेश के अनुसार तमिलनाडु कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दास का कार्यकाल प्रधानमंत्री के कार्यकाल तक या अगले आदेश तक होगा। आदेश में कहा गया, मंत्रिमंडल की

नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (सेवानिवृत्त) को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव- 2 के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी। उल्लेखनीय है कि शक्तिकांत दास ने एक सिविल सेवक के रूप में मुख्य रूप से वित्त, कराधान, निवेश और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में काम किया।

एनएसओ ने डेटासेट, पंजिका संग्रह 2024 किया जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के भारतीय राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2024 का नवीनतम डेटासेट और पंजिका संग्रह प्रकाशित किया है। यह सरकारी डेटा नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, छात्रों और जनता के लिए सुलभ होगा। मंत्रालय की जारी विज्ञप्ति के अनुसार, संग्रह 40 मंत्रालयों और विभागों से प्राप्त 270 डेटासेट तथा पंजीकाओं के मेटाडेटा को समेकित करता है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, ग्रामीण विकास, पर्यटन, सामाजिक न्याय, बैंकिंग और अन्य क्षेत्र शामिल है। मंत्रालय के अनुसार यह डेटा की पहुँच बढ़ाने और सूचित निर्णय लेने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस संग्रह में मेटाडेटा, डेटा संग्रह पद्धतियां और

डेटा साझा करने की नीतियां दी गई हैंइसके अलावा, यह डेटासेट संग्रह और प्रसार के कानूनी एवं नियामक ढांचे को निर्धारित करता है। यह गहन विश्लेषण और नीति निर्माण के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। उपयोगकर्ता मंत्रालय/विभाग पोर्टल के लिंक से डेटा स्रोतों तक सीधी पहुँच पा सकते हैं। यह पहल सरकारी डेटा को सुव्यवस्थित करने और राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। महत्वपूर्ण जानकारी को एक स्थान पर एकत्रित करके, यह संकलन डेटा-संचालित शासन को आगे बढ़ाने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इसे एक संचालक दस्तावेज के रूप में डिजाइन किया गया है और इसे समय-समय पर नए डेटासेट और नीतियों के साथ अद्यतन किया जाता है ताकि हितधारकों को नवीनतम जानकारी मिल सके। सभी हितधारक इस संग्रह से अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं और राष्ट्रीय विकास में सरकारी डेटा के उपयोग में योगदान दे सकते हैं। यह डाटा संग्रह मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सज्जन जिंदल 'बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड' पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के अध्यक्ष सज्जन जिंदल को 15वें एआईएमए मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स में 'बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड' सम्मान से सम्मानित किया गया है। श्री जिंदल को यह पुरस्कार आज यहां आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र केपीएमजी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री येजदी नागपुरेवाला ने पढ़ा। यह सम्मान जेएसडब्ल्यू ग्रुप को एक वैश्विक समूह में विस्तारित करने में उनके परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए दिया गया है। श्री जिंदल के नेतृत्व में, जेएसडब्ल्यू समूह ने उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जिससे उसका राजस्व दोगुना से भी अधिक होकर 24 अरब डॉलर हो गया है। उनकी रणनीतिक दृष्टि के कारण जेएसडब्ल्यू ने अपनी

वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता को लगभग तीन गुना बढ़ाकर 3.9 करोड़ टन कर लिया है, साथ ही समूह को अक्षय ऊर्जा और सीमेंट निर्माण में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

सैमसंग गतिरोधः कंपनी का कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तमिलनाडु सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध

चेन्नई। दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग के श्रीपेरंबदूर संयंत्र में कामगारों के एक वर्ग ने कंपनी के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया। कंपनी ने कहा कि उसकी ''किसी भी अवैध गतिविधि के लिए शून्य-सहिष्णुता की नीति है।'' कंपनी ने तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों से ''अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अनुशासन बनाए रखने और कारोबार की स्थिति को सुगम बनाने'' का आग्रह किया। कर्मचारियों का एक वर्ग पहले सीआईटीयू (सीटू) समर्थित सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन के तीन पदाधिकारियों के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा था और बृहस्पतिवार को उसने अपना आंदोलन तेज कर दिया। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी ने कहा, ''आज कर्मचारियों के एक खास वर्ग ने एक बार फिर अवैध रूप से परिचालन और औद्योगिक शांति को बाधित करने की कोशिश की।'' कंपनी ने कहा, ''सैमसंग में, हमारी प्राथमिकता सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर कार्यस्थल बनाए रखना है। आज कर्मचारियों के एक खास वर्ग ने एक बार फिर अवैध रूप से परिचालन और औद्योगिक शांति को बाधित करने की कोशिश की।

केंद्र ने कोचिंग सेंटरों पर कसी नकेल, छात्रों को 1.56 करोड़ रिफंड दिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) ने शिक्षा क्षेत्र में 600 से अधिक उम्मीदवारों और छात्रों के लिए 1.56 करोड़ की राशि का रिफंड सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। सिविल सेवा, इंजीनियरिंग कोर्स और अन्य कार्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटरों में नामांकित इन छात्रों को पहले कोचिंग संस्थानों द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करने के बावजूद उचित रिफंड से वंचित किया गया था।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार यह राहत छात्रों द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के माध्यम से दर्ज की गई शिकायतों के माध्यम से संभव हुई, जिसने विवाद समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की। विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई ने छात्रों को अधूरी सेवाओं, देरी से कक्षाओं या रद्द किए गए पाठ्यक्रमों के लिए मुआवजा प्राप्त करने में मदद की है।अपने निर्णायक निर्देश में उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सभी कोचिंग सेंटरों को छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया है, जिसमें छात्रों के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट, पारदर्शी रिफंड नीतियों को अनिवार्य किया गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वैध रिफंड दावों को अस्वीकार करने की अन्यायपूर्ण प्रथा को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, शैक्षिक संस्थानों से उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने

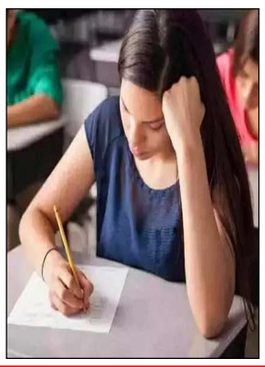

का आग्रह किया है।उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अपने सक्रिय प्रयासों के माध्यम से शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने और छात्रों को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में शिक्षित करने, अनुचित व्यवहार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन छात्रों और न्याय की तलाश में उम्मीदवारों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित हुई है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यक्ति बिना किसी लंबी कानूनी लड़ाई के मुद्दों को हल करने में सक्षम थे, जिससे समय और ऊर्जा की बचत हुई और साथ ही निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित हुए। मुकदमेबाजी से पहले की अवस्था में शिकायतों का समाधान करके एनसीएच ने विवादों को बढ़ने से रोकने में मदद की है और औपचारिक कानूनी कार्यवाही के लिए एक प्रभावी और सुलभ विकल्प प्रदान किया है। यह सेवा विशेष रूप से छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हुई है, जिनके पास अब अपने हितों की रक्षा करने के लिए एक भरोसेमंद रास्ता है। इस पहल के हिस्से के रूप में डीओसीए छात्र अधिकारों की वकालत करना जारी रखता है और समान मुद्दों का सामना करने वाले सभी छात्रों को त्वरित समाधान के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग कोचिंग सेंटरों से पारदर्शिता, जवाबदेही और छात्र-अनुकूल दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने का भी आग्रह करता है।

अरे! ये कैसी पत्तागोभी? युवक ने ऑनलाइन ऑर्डर की सब्जी, शक दूर करने के लिए किया ये काम, वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आजकल मिलावटी सब्जियों का खतरा बढ़ गया है. एक वायरल वीडियो में युवक ने पत्तागोभी को नकली और प्लास्टिक से बनी दिखाया. इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया गया है. इस वीडियो ने लोगों को चौंका दिया है. आप भी तो नहीं खा रहे ऐसा नकली पत्तागोभी

अरे! ये कैसी पत्तागोभी? युवक ने ऑनलाइन ऑर्डर की सब्जी, शक दूर करने के लिए किया ये काम, वीडियो देख उड़ जाएंगे होशआजकल के जामने में किसी भी चीज को खाने या खरीदने से पहले लोगों को सौ बार सोचना पड़ता है. हर चीज में मिलावट की जाने लगी है. लोग कुछ भी बाहर से खरीद कर लाते हैं तो खाने में सोचते हैं कहीं बीमार ना पड़ जाएं. सब्जी, फल, दाल, आटा, मसाले कुछ भी नहीं जिसमें मिलावट न की जा रही हो. सब्जी, फल की बात करें तो लोग नकली रंग लगाकर उसे फ्रेश दिखाने के लिए बेच रहे हैं. ये सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं. आप सब्जी डेली खाते होंगे, खासकर सर्दियों में फूलगोभी, पत्तगोभी तो खा ही रहे होंगे. इन दिनों एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर आप यकीन नहीं कर सकेंगे. यह वीडियो पत्तागोभी से संबंधित है. आप सोच नहीं सकते हैं कि पत्तागोभी भी मिलावटी की जाने लगी है.

दरअसल, इस वीडियो को एक युवक ने शेयर किया है, जिसमें वे यह दावा करता दिख रहा है कि उसने एक ऐप के जरिए पत्तागोभी मंगवाया था,लेकिन जब वह दो तीन दिनों तक बिल्कुल फ्रेश रहा तो उसे शक हुआ. पत्तागोभी असली है या नकली, इसकी जांच जब उसने की तो उसके होश उड़ गए.अगर कोई गलती से भी ऐसी सब्जी खा ले तो उसकी जान तक जा सकती है. इस वीडियो को देखकर तो कहा ही जा सकता है कि अब सब्जी खरीदने की बजाय अपने घर में ही उगाना शुरू कर दिया जाए.

इस वीडियो को द्वश्वद्मह्यह्यद्धद्ध नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है. अब तक इसे लाखों बार देखा जा चुका है. कई यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है और गुस्सा भी जाहिर किया है. इस वीडियो में युवक ये कहता दिख रहा है कि उसने एक फास्ट डिलीवरी ऐप के जरिए पत्तागोभी मंगवाई थी, लेकिन जब वह इसे काटने गया तो उसे कुछ शक हुआ. फ्रिज में कुछ दिन रखने के बाद भी पत्तागोभी बिल्कुल फ्रेश दिख रही थी. उसन बंदे ने दिमाग लगाया और गैस ऑन करके एक लेयर को आग पर रखकर जलाने लगा. काफी देर जलाने के बाद भी पत्तागोभी जली नहीं. तब उसे लगा कि ये नकली है. उसके साथ धोखा हुआ है. पत्तागोभी बिल्कुल जली नहीं, क्योंकि वह प्लास्टिक थी और फैलाने से फैल रही थी.वीडियो में युवक ये दावा करता दिख रहा है कि पत्तागोभी जलाने के बाद हार्ड होकर खिंच गई, बिल्कुल जैसे प्लास्टिक को गर्म करने पर फैलती है. ऐसे में आप सोच सकते हैं कि आज किस तरह से मार्केट में मिलावटी चीजें बिकने लगी हैं. ऐसी चीजें लोग खाकर बीमार हो रहे हैं.

इस लेख में दी गई जानकारियां और सूचनाएं इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो को देखकर लिखा गया है. ड्ढठ्ठस्रद्ब ठ्ठद्ग2ह्य18 इसकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.)

केरल में जीवन शिक्षा की पहल

संस्थापक अम्ब्रोज़ कूलियत ने बतलाया कि वर्ष 2017 में इस केन्द्र की शुरूआत की गई। सबसे पहले मित्रों के साथ मिलकर एक ट्रस्ट बनाया गया, फिर 10 एकड़ ज़मीन पट्टे पर ली और प्राकृतिक खेती की शुरूआत की। धीरे-धीरे इसका विस्तार होते गया। अब यहां हथकरघे से कपड़े बनाना, मिट्टी के बर्तन बनाना और हस्तशिल्प की इकाईयां संचालित की जा रही हैं।केरल के पालक्कड़ जिले के शोरनूर में एक ऐसा प्रशिक्षण केन्द्र है, जहां न केवल युवा प्राकृतिक खेती, बुनाई, मिट्टी के बर्तन और शिल्प का हुनर सीख रहे हैं,बल्कि इससे सम्मानजनक आजीविका भी हासिल कर रहे हैं और आत्मनिर्भर बन रहे हैं। आज इस अनूठी पहल की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे शिक्षा को समग्रता से समझा जा सके। सिर्फ अल्पकालीन उद्देश्य ही नहीं, बल्कि उसे जीवन में कैसे अपनाया जा सके, यह समझा जा सके।शोरनूर से 4 किलोमीटर दूर फार्मर शेयर नामक केन्द्र स्थित है। कुछ समय पहले मुझे यहां जाने और इसे देखने-समझने का मौका मिला। उसी अनुभव को यहां साझा कर रहा हूं। केरल को प्रकृति से भरपूर राज्य माना जाता है। इसके बारे में सुनते रहे हैं, पर देखने का मौका कुछ समय पूर्व मिला।सुबह से शाम तक यहां की दैनंदिन गतिविधियां और प्रकृति के कई रूप देखने को मिले। टेंट में विश्राम के दौरान कीट-पतंगों की फरफराहट, पेड़ों के बीच शांति व एकान्त, सुबह पक्षियों की चहचहाहट, गिलहरियों की उछल-कूद, हवा की सरसराहट, शाम को बारिश, साफ वातावरण, पेड़ों की पत्तियों की चमक और परिसर के मनोरम दृश्य से मेरा साक्षात्कार हुआ।परिसर में आवाजाही, रसोई कक्ष में दक्षिण भारतीय भोजन की खुशबू, हथकरघे की खट-पट, चाक पर मिट्टी को आकार देती कारीगर महिलाएं, पेड़ों की कटाई-छंटाई, पौधों की निंदाई-गुड़ाई, लाइब्रेरी में अध्ययन, यहां कुछ ऐसी ही गतिविधियां दिनचर्चा की हिस्सा थीं।चारों ओर हरियाली से घिरा फार्मर शेयर का घर, बहुत ही साधारण चीजों से बना है। इसमें बेकार समझी जाने वाली चीजों का उपयोग किया गया है। जैसे साइकिल के रिम, लकड़ी के टुकड़े, स्टील की फ्रेम, जंगली बीज इत्यादि। दीवारों के पलस्तर में नीम की पत्तियां व तीखी गंधवाली पत्तियां मिला दी गई हैं, जिससे कीट नियंत्रण में मदद मिलती है।

इसके संस्थापक अम्ब्रोज़ कूलियत ने बतलाया कि वर्ष 2017 में इस केन्द्र की शुरूआत की गई। सबसे पहले मित्रों के साथ मिलकर एक ट्रस्ट बनाया गया, फिर 10 एकड़ ज़मीन पट्टे पर ली और प्राकृतिक खेती की शुरूआत की। धीरे-धीरे इसका विस्तार होते गया। अब यहां हथकरघे से कपड़े बनाना, मिट्टी के बर्तन बनाना और हस्तशिल्प की इकाईयां संचालित की जा रही हैं।वे आगे बताते हैं कि केन्द्र की सोच गांधी के ग्राम स्वराज के विचारों से प्रभावित है। उनका मानना है कि प्रत्येक गांव और इलाके को स्वशासन, आजीविका और संसाधनों के उत्पादन व वितरण में आत्मनिर्भर होना चाहिए। यह केन्द्र इसी की एक छोटी पहल है।इसके पूर्व उन्होंने जीविकोपार्जन के लिए कई तरह के काम किए। स्कूली पढ़ाई के बाद उन्होंने निर्माण मिस्त्री का काम किया। स्वाश्रय आंदोलन से जुड़े, जिसके तहत भोजन, रोजगार, स्वास्थ्य और खेती का प्रशिक्षण दिया, कोच्चि में जैविक उत्पादों से बने भोजन का रेस्तरां खोला। इन सब कामों से वे खुश थे, और उनकी इनमें दिलचस्पी भी थी। लेकिन वे आत्मनिर्भर और टिकाऊ समुदाय का मॉडल बनाना चाहते थे,इसलिए फार्मर शेयर की शुरूआत की।

उन्होंने बताया कि फार्मर शेयर में हम एक ऐसी संस्कृति विकसित करना चाहते हैं,जहां संसाधनों का उपयोग इस तरह से किया जाए जिससे पर्यावरण व प्रकृति का नुकसान न हो। और लालच की बजाय जरूरत के आधार पर संसाधनों का उपभोग हो। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों को ऐसे श्रम आधारित कामों से आजीविका उपलब्ध कराना भी है,जिन कामों से उन्हें संतुष्टि व सम्मान मिले।यहां मुख्य रूप से पर्माकल्चर पद्धति से फूलों की खेती की जाती है। शंखपुष्पी और हिबिस्कस की खेती करते हैं। यहां एक साथ कोई खेत भी नहीं है, जहां भी जगह होती है, वहीं पौधों को उगाया व रोपा जाता है। यहां आलू, कद्दू, भिंडी, बैंगन, सेमी इत्यादि सब्जियां भी होती हैं। इनमें किसी भी प्रकार का रासायनिक खाद व कीटनाशक का उपयोग नहीं किया जाता। गोबर खाद का इस्तेमाल किया जाता है। खेती और पशुपालन एक दूसरे के पूरक हैं। यहां 7 मवेशी हैं, जिसमें गाय भी शामिल हैं।

यहां कई तरह के खाद्य उत्पाद बनाए जाते हैं और बेचे जाते हैं। सूखे केले को शहद के साथ डुबाया जाता और फिर सुखाकर बिक्री की जाती है। इसी प्रकार, अचार, शहद, ताड़ का गुड़, जैम, शरबत पाउडर इत्यादि भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। यहां शंखपुष्पी और तुलसी जैसे औषधि पौधे भी हैं।

वे आगे बताते हैं कि हमने हस्तशिल्प पर जोर दिया है। यहां खादी भंडार के सहयोग से 3 हथकरघा स्थापित किए गए हैं, जहां हाथ से बुने सूत से हथकरघा से कपड़ा तैयार किया जाता है। उनकी प्राकृतिक रंगों से रंगाई होती है। यहां बच्चों के अभ्यास के लिए छोटा हथकरघा भी है।वे बताते हैं कि प्राकृतिक रंगों का उत्पादन और उपयोग पर्यावरण के अनुकूल है, इससे किसी भी प्रकार मानव शरीर को नुकसान नहीं पहुंचता। जबकि सिंथेटिक रंग पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं। यह प्राकृतिक रंग पेड़ों की छाल, जामुन,फल, पत्तियों और फूलों से बनाए जाते हैं,फिर इनसे कपड़े रंगे जाते हैं।हथकरघा इकाई में नजदीक गांव की 3 महिलाएं काम करती हैं। ये सभी तीनों घरेलू महिलाएं हैं, जिन्होंने पहले बाहर काम नहीं किया है। एक महिला प्रतिदिन करीब 2 मीटर कपड़ा तैयार कर लेती है। इस कपड़े को केन्द्र खरीद लेता है और फिर बेचता है। इस कपड़े से शर्ट, सलवार, फ्राक, बैग सभी कुछ बनाए जाते हैं।यहां कार्यरत महिलाओं ने बताया कि %पहले मिट्टी के बर्तन बनाने का काम कभी नहीं किया, लेकिन यहां प्रशिक्षण लेकर अब कर रही हैं। इससे उनकी आजीविका अच्छे से चलती है और खुशी भी होती हैं।इसके अलावा, एक इकाई कागज बनाने, साबुन बनाने और पुस्तक डिज़ाइनिंग पर शुरूआती शोध कर रही है। हस्तनिर्मित कागज़ बनाते हैं और बेकार कागज और केले के रेशे से लेबल और पैकेजिंग का काम करते हैं।अम्ब्रोज़ कूलियत विचार व सिद्धांत के प्रति दृढ़ हैं। उन्होंने उनके बच्चों को स्कूल नहीं भेजा। उनका मानना है कि सच्ची शिक्षा जीवन भर के लिए कौशल हासिल करके हो सकती। वह कहते हैं कि आज की शिक्षा पहले के बने बनाए ढांचों में ढलना सिखाती है। उनके दोनों बेटे अमल और अखिल इस पूरे काम में सहयोगी हैं। बड़े बेटे अमल डिज़ाइनर हैं और छोटे बेटे अखिल मिट्टी के बर्तन वाली इकाई के प्रमुख हैं। अम्ब्रोज की पत्नी मिनी अम्ब्रोज़ ने भी इस पूरी पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि इस केन्द्र ने लुप्त होते शिल्प को पुनर्जीवित करके और हाशिये पर रहनेवाले समुदायों का समर्थन करके एक उम्मीद जगाई है। प्राकृतिक खेती में मिट्टी-पानी का संरक्षण करके जितनी ज़रूरत है, उतना ही उत्पादन किया। इसमें भी खाद्य चक्र को जहरीले पदार्थों से मुक्त रखा है, यह भी बड़ी सीख है।

इससे यह भी सीखा जा सकता है कि जो उत्पाद लघु व कुटीर स्तर पर गांव कस्बे में बन सकते हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर ही बनाना चाहिए, तभी आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। इससे गांवों में रोजगार बढ़ेंगे व गांववासियों में छिपी हुई रचनात्मकता और प्रतिभा को आगे आने का अवसर मिलेगा।इस पहल में महिलाओं को जोड़ा जाना बहुत ही महत्वपूर्ण है। पारंपरिक रूप से भी कृषि, पोषण, दस्तकारी में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यदि गांव में रहते हुए भी परिवार अपनी सभी जरूरतें पूरी करने में सक्षम होते हैं तो गांव के दीर्घकालीन विकास व पर्यावरण की रक्षा के लिए यह एक मिसाल है।

संपादकीय

जिंदगी की मेगा मुहिम

देश में अस्सी प्रतिशत मौतों के लिये जिम्मेदार गैर संक्रामक रोगों के खिलाफ केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक बड़ी मुहिम शुरू की है। इसके अंतर्गत पूरे देश में तीस साल से अधिक उम्र वाले करीब नब्बे करोड़ लोगों की शुगर, बीपी और कैंसर की जांच होगी। गत गुरुवार को शुरू हुई यह देशव्यापी मुहिम 31 मार्च तक चलेगी। हालांकि, फ्रंटलाइन स्वस्थ्य कार्यकर्ता,आशा वर्कर,एएनएम आदि घर-घर इस अभियान के लिये संपर्क करेंगे, लेकिन जिन तक संपर्क न हो पाए वे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अपना डेटा राष्ट्रीय पोर्टल तक पहुंचा सकते हैं। दरअसल, वर्ष 2021 के आंकड़ों के अनुसार देश में तीस व उससे अधिक उम्र वालों की संख्या करीब 64 फीसदी है। जिन्हें इस अभियान के केंद्र में रखा गया है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि देश में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और आईसीएमआर के अनुसार देश में गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों का प्रतिशत कुल रोगों से मरने वालों में अस्सी प्रतिशत है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2012 से 2030 के बीच गैर संक्रामक रोगों से 305 लाख करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। दरअसल, स्वास्थ्य मंत्रालय की इस मुहिम का मकसद है कि गैर संक्रामक रोगों व मुंह, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की स्थिति का पता लगाया जाए। जिससे समय रहते इन रोगों के नियंत्रण के लिये नीति तैयार की जा सके। उम्मीद की जा रही है कि इस अभियान के सिरे चढ़ने के बाद स्वास्थ्य सेवा की लागत कम की जा सकेगी। इस अभियान की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी और स्क्रीनिंग, उपचार व उसके फॉलोअप के आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय के पोर्टल पर अपडेट किए जा सकेंगे। दरअसल,भारत में कैंसर व अन्य गैर संक्रामक रोगों का पता समय रहते नहीं चल पाता। जिसके कारण उपचार मिलने के बावजूद इनके नुकसान से बचा नहीं जा सकता है। निश्चित रूप से इस अभियान से लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आएगी।दरअसल, हाल के वर्षों में खानपान व जीवन शैली में बदलाव से गैर संक्रामक रोगों की आधारभूमि तैयार हुई है। रोग का समय से पता न चल पाने के कारण जीवनभर इन रोगों का उपचार चलता रहता है। महंगी होती चिकित्सा प्रणाली के चलते तमाम परिवार गरीबी के दलदल में फंसकर रह जाते हैं। विडंबना यह है कि तंबाकू के सेवन से कैंसर के मामले बढ़े हैं। करीब 44 फीसदी पुरुष व करीब सात फीसदी महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं। वहीं पुरुषों में मोटापा 12 फीसदी से बढ़कर 18 फीसदी हुआ है तो महिलाओं में यह बारह फीसदी से बढ़कर बीस फीसदी हुआ है। जिसका मूल कारण शारीरिक सक्रियता में कमी भी है।

जिसमें 13 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि देश में गैर संक्रामक रोगों से होने वाली मौतों में 45 फीसदी भूमिका हृदय रोगों, स्ट्रोक व उच्च रक्तचाप की है। वहीं बाइस फीसदी मौतें सांस संबंधी बीमारियों के चलते होती हैं। वहीं दूसरी ओर बारह फीसदी मौतें कैंसर से व तीन प्रतिशत मौतें मधुमेह से होती हैं। हालांकि, देश के तीस साल से अधिक उम्र के नब्बे करोड़ लोगों का आंकड़ा जुटाना कठिन कार्य है, लेकिन कोरोना काल में हमने वैक्सीनेशन अभियान के जरिये दुनिया में एक मिसाल कायम की है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि आंकड़े जुटाने की मुहिम से देश मे स्वास्थ्य के प्रति चेतना जाग्रत होगी।

लोग सेहत के प्रति जागरूक होंगे। यह हकीकत है कि लोग यदि खानपान में संयम बरतें, शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं और योग-व्यायाम को जीवन का हिस्सा बना लें तो कई रोगों को भगा सकते हैं। वैसे भी यदि समय रहते इन गैर संक्रामक रोगों का पता चलता है तो समय रहते इनका उपचार भी संभव है। निश्चित रूप से हम इलाज पर होने वाले बड़े खर्च को कम कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भारत के संकल्प को हकीकत बना सकते हैं। स्वस्थ भारत का संकल्प ही कालांतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकता है।

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं।

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

इसे भी पढ़ें- कोटा से मिटाने होंगे आत्महत्याओं के दाग

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं-जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है। इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है।

बदलते शैक्षणिक परिदृश्यों में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित एवं संयमपूर्वक किया जाना नितांत अपेक्षित होना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। हमें किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। पूरी दुनिया में बढ़ता मोबाइल फोन का प्रचलन एक संकट है एवं एक चुनौती है। क्या हम वाकई सोचते हैं कि छात्रों को स्कूल में ज्यादा स्क्रीन टाइम की ज़रूरत है? कुछ सर्वेक्षण के परिणामों ने विश्वविद्यालय के संसाधनों और शैक्षणिक जानकारी तक मोबाइल पहुँच के लिए छात्रों की बढ़ती माँग को प्रदर्शित किया, साथ ही अपने साथियों और प्रशिक्षकों के साथ तेज़, व्यक्तिगत, इंटरैक्टिव डिजिटल संचार की बढ़ती ज़रूरतों को भी दर्शाया। भारत में स्मार्टफोन के उपयोग को बैन करने का निर्णय जल्दबाजी में न हो, पहले अनुसंधान हो, परामर्श किया जाना चाहिए तथा उनके अनुप्रयोग पर गहन विचार किया जाना चाहिए। निश्चित तौर पर स्मार्टफोन छात्र-छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन सबकुछ इसके भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इससे छात्रों की स्वतः स्फूर्त मेधा कुंद होने का खतरा है। छात्र जीवन को तकनीक का वन नहीं, बल्कि पुरुषार्थ और प्रतिभा का उपवन बनाये। वृक्ष भी जीते हैं, पशु-पक्षी भी जीते हैं, परन्तु वास्तविक जीवन वे ही जीते हैं, जिनका मन मनन का उपजीवी हो। मननशीलता की संपदा मानव को सहज उपलब्ध है, जिसका अधिकाधिक उपयोग और विकास कर जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करें।

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय: वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नही उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पॉंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान-प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस-पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नही होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नही। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग-अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते-होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत: शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ-पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नही होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार ...र डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने ...ों तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब-तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत-से नार्मल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा-थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के-हल्के निन्यानवे-सौ वाले, कभी-कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां-वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय: यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां-वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर-दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल-कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।

यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ-साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।

शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।

क्या है अस्थि संक्रमण?

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

- अस्थि दर्द
- अस्थि सूजन
- बुखार
- मांसपेशियों में ऐंठन
- स्थानीय लालिमा
- स्थानीय गर्मी
- दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

- शाखा की हड्डी में दर्द
- टांग की हड्डी में दर्द
- श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

- हल्का बुखार
- रीढ़ की हड्डी में दर्द
- पीठ के दर्द का बिगड़ना
- पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
- सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
- पीठ का दर्द संचालन से बदतर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

- आवर्तक माइलाइटिस
- हड्डी का आवर्तक दर्द
- त्वचा से पूर्व का स्राव
- विद्रधि की पुनरावृत्ति
- रक्त के थक्के
- अस्थि ऊतक का परिगलन
- प्रभावित क्षेत्र में मवाद
- अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत: सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत: स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत: शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।

घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।

मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्प्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स-रे में नहीं देखा जा सकता है। स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त: शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।

फल भी हुए ग्लोबलाइज

ठंड में भी आप आम का मजा ले सकते हैं और गर्मी में अमरूद खा सकते हैं, लेकिन विदेशी। ये विदेशी फल स्वाद और सेहत के साथ-साथ स्टेटस सिंबल भी बनते जा रहे हैं।

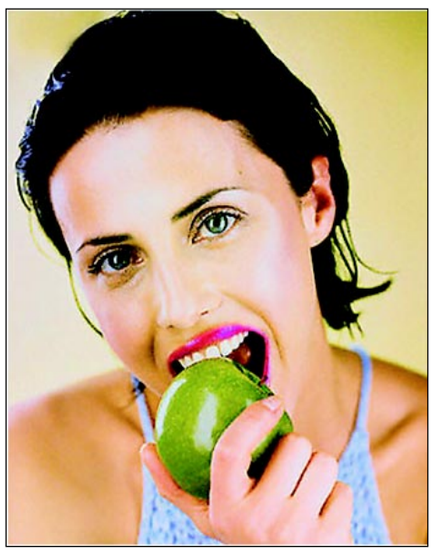

कुछ दिनों पहले की बात है, मैं सुबह-सुबह अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी एक आदमी साइकल पर 'भुट्टे ले लो' की आवाज के साथ सामने से निकला। कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल ने उसे रोका और पूछा 'अमेरिकन भुट्टे हैं क्या?' मेरे मन में यह विचार कौंधा कि अब सब कुछ ग्लोबलाइज्ड हो गया है। बड़े शहरों के पॉश इलाकों से लेकर छोटे शहरों में कई स्टोर खुल गए हैं, जो विदेशी फल भी बेचते हैं। यही नहीं, कुछ फेरी वाले तो इन विदेशी फलों को गली-मुहल्ले तक भी ले आते हैं। बदलते जमाने की यह भी एक तस्वीर है।

फलों की दुकानें संसार के अलग-अलग कोनों से आयातित फलों को लोगों तक पहुँचा रही हैं। इसके लिए किसी खास मौसम का इंतजार करने की जरूरत नहीं। ठंड में भी आप आम का मजा ले सकते हैं और गर्मी में अमरूद खा सकते हैं, लेकिन विदेशी। ये विदेशी फल स्वाद और सेहत के साथ-साथ स्टेटस सिंबल भी बनते जा रहे हैं। महानगरों में इनकी खरीदी करने वाले लोग बड़ी संख्या में हैं। खासतौर पर बड़े तथा नामी स्टोर्स में विभिन्ना देशों की चीजें आसानी से मिल जाती हैं फिर चाहे वे अमेरिका के सेब हों या इसराइल के संतरे। अफ्रीका का बब्बूगोशा तो हर जगह किसी भी मौसम में मिल जाता है। अब इस फल का स्वाद चखने के लिए रामपुर के बब्बूगोशे के आने का इंतजार नहीं करना पड़ता। इसी तरह थाईलैंड की पीली लीची भी खूब बिकती है। आइए जानें ऐसे ही कुछ और फलों के बारे में।

आम- फलों का राजा आम जब बिना सीजन के खाने को मिल जाए तो भला कोई क्यों गर्मियों का इंतजार करे। इसलिए लोगों को थाईलैंड से आया आम भी बहुत आकर्षित करता है।

सेब- पूरी दुनिया में खाए जाने वाले इस फल के विदेशी संस्करण देश में कई जगह मिलने लगे हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सेब बहुत मशहूर हैं। देखने में सबसे अच्छा वाशिंगटन का सेब और खाने में सबसे अच्छा न्यूजीलैंड का सेब होता है। फिर हर मामले में हमारे बाजार पर छाने वाला चीन भी इस मामले में कैसे पीछे रह सकता है। सो, वहाँ का सेब भी हमारे यहाँ मिलने लगा है।

नाशपाती- देसी नाशपाती का तो मौसम अलग ही होता है, लेकिन अब नाशपाती हमें सालभर उपलब्ध रहता है। इसका कारण यूएसए से आने वाली फलों की खेप है। यह उस समय आती है, जब यहाँ नाशपाती का सीजन नहीं होता।

कीवी- यह फल अपने सर्वथा अलग स्वाद के कारण मशहूर है। यह मुख्यतया न्यूजीलैंड, इटली और चीन से आयात किया जाता है।

इस तरह के जितने भी फल आयात किए जाते हैं उनकी कीमत देसी फलों की तुलना में ज्यादा होती है। इसका कारण आयात में लगने वाला शुल्क है। खैर...यूँ भी फल खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक ही है, फिर चाहे वह देसी हो या विदेशी।

आभूषण पहने मगर...

प्राचीन काल से आभूषण नारी सौन्दर्य के प्रतीक रहे हैं, आभूषणों के अभाव में नारी सौन्दर्य को अपूर्ण माना जाता है लेकिन इसके साथ यह भी सत्य है कि आभूषणों का उपयुक्त चयन जहां सौन्दर्य को आकर्षक रूप प्रदान करता है वहीं आभूषणों का गलत चयन अच्छे-भले सौन्दर्य को भी अनाकर्षक बना देता है इसलिए आभूषण पहनें मगर रखें ख्याल-

- आभूषणों का चुनाव करते समय सर्वप्रथम अपनी आयु एवं अवस्था का ध्यान रखें।
- डिजाइनर आभूषणों का चुनाव सदैव अपनी लाइफ स्टाइल व शरीर की बनावट के अनुरूप करें।
- युवतियों को सदैव नाजुक और स्टाइलिश आभूषण पहनने चाहिएं।
- अधिक आयु की महिलाओं को न अधिक हैवी और न ही बहुत लाइटवेट आभूषणों को धारण करना चाहिए।
- सगाई या शादी के शुभ अवसर पर लाइट और फैंसी आभूषण वस्त्रों के रंग से मिलता हुआ चयन करना चाहिए।
- दुबली-पतली महिलाओं द्वारा अधिक भारी आभूषण पहनना उन्हें हास्यास्पद बनाता है। इससे बचें।
- गोल चेहरे की महिलाओं को बड़े ईयर रिंग पहनने चाहिएं न कि छोटे टॉप्स या छोटे रिंग।
- चेहरा यदि लम्बा है तो बड़े ईयर रिंग पहनने की बजाय छोटे टॉप्स पहनें। वे अधिक सुंदर लगेंगे।
- साड़ी पहन रही हों तो उसके साथ लम्बी या छोटी चेन पहनें। छोटी चेन के साथ बड़ा पैडेंट अधिक आकर्षक दिखाई पड़ता है।

ज्ञान हो कि ओवल शेप फेस गहनों के लिए आइडियल होता है क्योंकि ओवल शेप फेस पर हर प्रकार की ज्यूलरी सूट करती है।

बेक्ड मैंगो कुकीज

सामग्री- आम (तोतापरी) 1 किलोग्राम, शकर (पिसी) 350 ग्राम, मैदा 500 ग्राम, बेकिंग पावडर 1/2 टी स्पून, घी 250 ग्राम, इलायची पावडर 1 छोटा चम्मच।

विधि- आम को छीलकर कद्दूकस करें। मैदा व बैकिंग पावडर छान लें। घी गरम करके इसमें मिलाएँ। अब इलायची पावडर, पिसी शकर और किसा हुआ आम मिलाएँ, फिर रोटी जैसा गूँथ लें। यदि जरूरत हो तो दूध के छींटे दें। अब 1/2 इंच मोटी रोटी बेलें, इसे मनचाहे डिजाइन में काट लें और गर्म ओवन में सुनहरे होने तक (लगभग 15 मिनट) बेक करें। ठंडा होने पर खाएँ-खिलाएँ।

खूबसूरत त्वचा का राज

त्वचा को कोमल,चमकदार बनाए रखने के लिए जरूरत होती है। तो बस थोड़ी देखभाल की। इसके लिए पहले यह जानना करूरी है कि हमारी त्वचा किस प्रकार की है? त्वचा, चार तरह की होती है सामान्य त्वचा, रूसी त्वचा, तैलीय त्वचा और मिश्रित त्वचा।

देखभाल कैसे करें:-

- सामान्य त्वचा हो तो दिन में दो बार हल्के चिकनाईयुक्त क्लींजर से साफ करके किसी सौम्य साबुन से चेहरा धोएं।
- इसके बाद चेहरे की टोनिंग करें। कॉटन वूल पर कुछ बूंदें टोनर की डाल कर चेहरे और गर्दन पर थपथपाएं। यह त्वचा को कसाव प्रदान करेगा।
- अब चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाएं। आंखों के चारों ओर कोई अच्छा जैल या आई क्रीम लगाएं।
- रात को सोने से पहले किसी भी तरह का मेकअप साफ करके सोएं।
- विटामिन ई युक्त कोल्ड क्रीम लगाकर पंद्रह मिनट के लिए छोड़ दें फिर गीली रूई से साफ कर दें।

फेस पैक:-

- त्वचा की चमक कायम रखने एवं मृत त्वचा को क्रीम लगाएं।
- अब गीली रूई से चेहरा साफ कर कोई अच्छी नाइट क्रीम लगा कर सोएं। इससे रूसी त्वचा पर नमी बनी रहेगी।

जैसा चेहरा, वैसा हो हेयर स्टाइल

महिलाएं दूसरों की देखादेखी अपना हेयर स्टाइल न बदले

नए हेयर कट के ट्रेंड को फॉलो न कर युवतियां अपने बाल फेस के मुताबिक ही कटवाएं, ताकि आपके बाल आपकी पहचान न बदल दें। अक्सर नए ट्रेंड के चक्कर में अपने पुराने हेयर स्टाइल से भी हाथ धो बैठती हैं। इसलिए ट्रेंड को अपने फेस के मुताबिक ही अपनाएं। हेयर स्टाइलिस्ट मानते हैं कि हेयरकट के लिए ज्यादातर युवतियां सिर्फ फैशन को ध्यान में रखती हैं, जिस वजह से उनकी पर्सनेलिटी और फेस के मुताबिक हेयर कट देना कठिन हो जाता है। हेयर कट के समय फेस के फीचर्स को ध्यान में रखना बेहद जरूरी होता है। हेयर स्टाइलिस्ट मैक्स बताते हैं कि हर किसी का हेयर टाइप व हेयर कलर अलग होता है। हेयर कट से पहले केवल फैशन को ध्यान में न रखते हुए व्यक्ति के फीचर्स को ध्यान में रखा जाता है। स्कवेयर फेस वाली युवतियों को सेंटर पार्टिंग के लिए मना किया जाता है, वहीं ओवल शेप फेस पर कोई भी कट अच्छा लग सकता है। इसीलिए हम हेयर कट से पहले क्लाइंट को उसके फेस पर अच्छे लगने वाले हेयर स्टाइल के बारे में बता देते हैं।

कैसा है आपका फेस कट ?

- अगर आपका चेहरा लंबा है, तो आप पार्म या लेयर्स कट करवा सकती हैं। लंबे चेहरे वालों पर ब्लंट कटिंग बिलकुल अच्छी नहीं लगती।
- जिनका फेस ओवल शेप में होता है, उन पर लॉन्ग और शॉर्ट दोनों तरह की हेयर कट अच्छे लगते हैं। ऐसे लोग कोनिकल कट करवाएं, तो अच्छा लगता है।
- अगर आपकी गर्दन लंबी है और फेस छोटा है, तो आप पर इटैलियन और शॉर्ट लेयर्स ज्यादा अच्छे लगेंगे।
- आपका चेहरा चौड़ा या स्कवेयर शेप है, तो आपको ऐसा हेयर स्टाइल करवाना चाहिए, जो आपकी जॉ बोर्न को ढंक सके। ऐसा करने से आपका चेहरा बैलेंस्ड लगेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1997

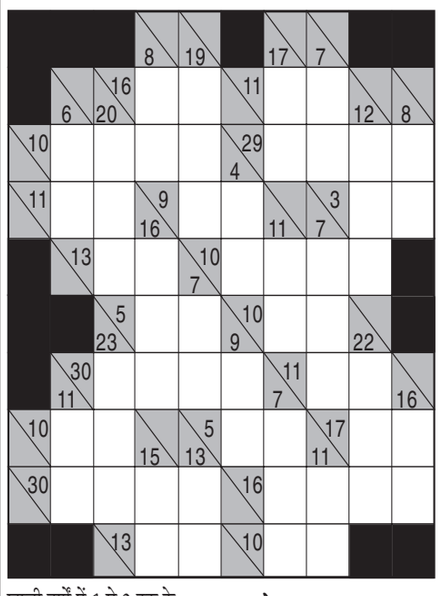

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

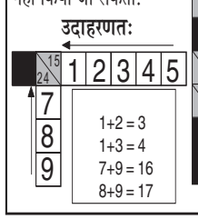

काकुरो - 1996 का हल

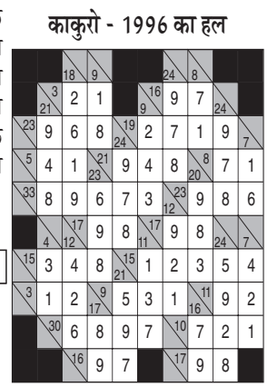

हंसी के फव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 1997

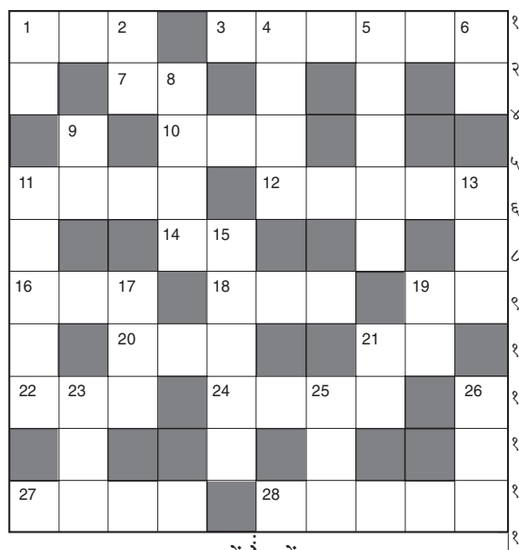

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1996

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	स
क	बी	ला		ग		प्पा		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	र्मा				ड		स्ते		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

सूडोकु -1997

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1996 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 1997

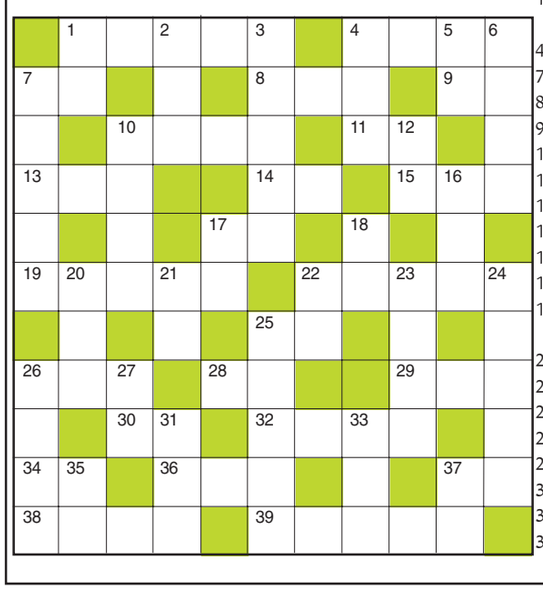

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 1996 का हल

आ	ला	क	मा	न			क	मी	ज	
रा	ल		न		श	प	थ		मा	मा
म			ध	नि	क		न			लि
दे	ह	दा	न			अ		ल	ल	क
ह		खि		बे	शु	मा	र		ह	
	सा	ल		ल		न		सु	र	
	हि		ब	गा	व	त		र		हा
ज	ल	न		म			अ	भि	मा	नि
ग			चु		रा	ज	न			का
त	र		ना	ह	क		ब		चा	र
	ब	हा	व			म	न	मो	ह	क

महाकुम्भ हमारे राष्ट्रीय एकात्मता का भी प्रतीकः राजेंन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने कहा कि महाकुम्भ हमारी राष्ट्रीय एकात्मता का भी प्रतीक है। यह आयोजन अपनी दिव्यता-भव्यता के साथ ही नित नए सोपानों की ओर अग्रसर है। राज्यपाल ने महाकुम्भ के त्रिवेणी संगम में स्नान कर खुद को धन्य माना। उन्होंने परिवार समेत त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुरातन मान्यताओं को पुनर्जीवित करने के लिए सीएम योगी को अभिनंदन का पात्र बताया। राज्यपाल अर्लेकर ने कहा कि हमारे देश की पुरातन परंपरा महाकुम्भ में साकार हो रही है। देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु यहां आ रहे हैं जो महाकुम्भ के विराट स्वरूप और लोगों के बीच इसको लेकर सहज आकर्षण को दर्शाता है। हम एक राष्ट्र हैं, पुरातन राष्ट्र हैं। ऐसे में यहां डुबकी लगाने के बाद हमें हमारे सनातन गौरव की अनुभूति होती है। मेरी गंगा मैया, यमुना मैया व सरस्वति मैया से प्रार्थना है कि हमारे देश में ऐसा ही एक वातावरण कायम रहे, जिससे हमारे देश की प्रगति उत्तरोत्तर होती रहे और राष्ट्रीय एकात्मता बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह यह बेहद प्रसन्नता का विषय है कि सनातन मूल्यों के प्रति लोग जागृत हो रहे हैं।

मुंबई में पिछले 45 दिनों में 299 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में छापा मारकर पिछले 45 दिनों में 299 बांग्लादेश के नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी हर साल करीब 150-160 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई की जाती रही है। मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि पिछले 45 दिनों में, हमने 299 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है। पिछले वर्षों में लगभग 150-160 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था, जो भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। इनमें से अधिकांश आरोपी विभिन्न सीमा मार्गों से देश में दाखिल हुए। हमने मुंबई के सभी पुलिस स्टेशनों को बिना वैध पासपोर्ट और वीजा के रहने वाले अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। चौधरी ने कहा कि पुलिस की एक विशेष शाखा है, जो कि अवैध प्रवासियों को सक्रिय रूप से उनके संबंधित देशों जैसे पाकिस्तान और बांग्लादेश में निर्वासित कर रही है। हम दस्तावेजों को सत्यापित करने के लिए आधार और पैन कार्ड केंद्रों के साथ भी काम कर रहे हैं। क्योंकि कई बांग्लादेशी नागरिक भारतीय नागरिकता का दावा करने के लिए नकली दस्तावेज बनाते हैं।

मंत्री माणिकराव कोकाटे पर निर्णय जल्द : राहुल नार्वेकर

मुंबई। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे पर कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विधानसभा किसी को बचाने का प्रयास किसी भी कीमत पर नहीं करेगी। इस विषय पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। कोकाटे को नासिक जिला कोर्ट ने जालसाजी मामले में दो साल की सजा और 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। दो साल की सजा के कारण कोकाटे का विधायक पद खतरे में आ गया है। न्यूनतम दो साल की सजा पर तत्काल प्रभाव से सदस्यता खत्म किए जाने का प्रावधान है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष इस मामले में कोकाटे पर कार्रवाई करने में विलंब कर रहे हैं। जबकि इससे पहले कांग्रेस विधायक सुनील केदार पर कोर्ट की सजा का ऐलान होते ही विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गयी थी। इसी तरह राहुल गांधी पर भी कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के तत्काल बाद निर्णय लिया गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नार्वेकर ने कहा कि विधानसभा निष्पक्ष होकर इस मामले में कार्रवाई करेगी।

जालना जिले में पांच मजदूरो की दम घुटने से मौत

मुंबई। जालना जिले के जाफराबाद तहसील में पासोड़ी के पास एक शेड में सो रहे पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। इस घटना में एक तेरह साल की बच्ची किसी तरह जीवित बची है। इस घटना की छानबीन पद्मावती पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार पासोड़ी-चंदोल रोड पर पासोड़ी में एक पुल का निर्माण कार्य जारी है। इस पुल का दिन भर काम करने के बाद रात को सात मजदूर एक शेड के नीचे सो रहे थे। तडके डंपर चालक ने शेड पर ही रेत खाली कर दिया। डंपर चालक को पता नहीं था कि शेड में मजदूर सो रहे हैं और वह रेत खाली करने के बाद मौके से चला गया। इसी रेत में शेड में सो रहे सभी मजदूर दब गए । इस घटना की जानकारी सुबह गांव वालों को मिली और ग्रामीणों ने तत्काल रेत हटाया। लेकिन रेत के नीचे से एक तेरह साल की बच्ची और एक मजदूर जीवित निकला, जबकि पांच मजदूरों की मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान गणेश काशीनाथ धनवाई (40), भूषण गणेश धनवाई (16), सुनील समाधान सपकाल (20) और दो अन्य के रुप में हुई है । पद्मावती पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले में डंपर चालक की तलाश कर रही है।

'होल गवर्नमेंट अप्रोच' सूत्र नहीं, संस्कृति है' - अमित शाह

एजेंसी

पुणे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'होल गवर्नमेंट अप्रोच' केवल एक सूत्र ही नहीं बल्कि एक संस्कृति बना गयी है।महाराष्ट्र के पुणे में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए अमित शाह ने

कहा कि हमने क्षेत्रीय परिषदों को सरकारी औपचारिकता से आगे बढ़कर एक रणनीतिक निर्णय लेने वाले मंच के रूप में स्थापित किया है। इस मंच के माध्यम से अनेक क्षेत्रीय परिषदों, खासकर पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठकों में अनेक महत्वपूर्ण और युग परिवर्तनकारी निर्णय लिए गए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि परिषद की बैठकों में अभिनव समाधान को साझा किया गया है और अनसुलझे मामलों को एकीकृत तरीके से हल करने का भी प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया के साथ देश का आधे से ज्यादा व्यापार पश्चिमी क्षेत्र से ही होता है। उत्तरी और मध्य क्षेत्र भी दुनिया के साथ व्यापार के लिए पश्चिमी क्षेत्र पर निर्भर हैं। शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र के बंदरगाह, आधारभूत ढांचे और शहरी विकास जैसी सुविधाओं का दुनिया के साथ व्यापार के लिए न केवल पश्चिमी क्षेत्र के राज्य बल्कि कश्मीर, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्य भी उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमि क्षेत्र की देश के जीडीपी में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कई ऐसे उद्योग हैं जिनका 80 से 90 प्रतिशत काम इसी क्षेत्र में होता है, इसलिए पश्चिमी क्षेत्र पूरे देश में संतुलित और समग्र विकास, दोनों के लिए मानक स्थापित करने वाला क्षेत्र है। गृह मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हम क्षेत्रीय परिषदों को केवल औपचारिक संस्थाओं की बजाय परिवर्तन लाने वाली संस्थाओं के रूप में स्थापित करने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से 2014 तक क्षेत्रीय परिषदों की केवल 25 बैठकें हुईं जबकि 2014 से फरवरी 2025 तक कोविड महामारी के बावजूद कुल 61 बैठकें हुईं, जो इससे पहले के 10 वर्ष के मुकाबले 140 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2004 से 2014 तक क्षेत्रीय परिषदों की बैठकों में 469 विषयों पर चर्चा हुई जबकि 2014 से फरवरी 2025 तक 1541 मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ, जो इससे पहले के 10 वर्ष की तुलना में 170 प्रतिशत अधिक है।

प्रकृति, पर्यावरण व मानवीय उन्नति की वृद्धि का महासमागम है महाकुम्भ : हर्वे जुविन

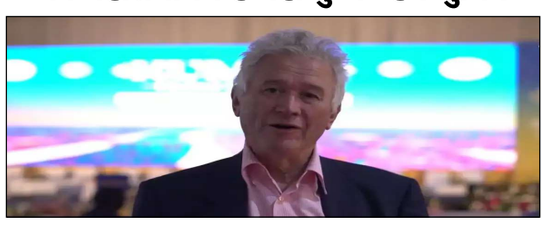

एजेंसी

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ-2025 मानवता के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े आयोजन के तौर पर तो प्रचलित है ही, प्रकृति-पर्यावरण और मानवीय उन्नति के लिए विमर्श का भी एक सकारात्मक माध्यम बनकर उभर रहा है। महाकुम्भ मेला क्षेत्र के अंतर्गत आयोजित ग्लोबल कुम्भ समिट में देश-दुनिया के दिग्गज विचारकों द्वारा अपने संवाद से लोगों को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास तो जारी है ही, मगर यहां हो रहा विमर्श सकल विश्व के कल्याण का भी प्रयोजन सिद्ध करेगा ऐसा दिग्गजों का मानना है। इसी क्रम में, फ्रांसीसी कलमकार व पूर्व यूएन पार्लियामेंटेरियन हर्वे जुविन ने महाकुम्भ को लेकर बड़ी बात कही। उनका कहना है कि प्रकृति, वायु, जल और अंतरिक्ष के साथ ही मानवीय मूल्यों और धरती के संरक्षण की दिशा में भी महाकुम्भ महासमागम का व्यापक योगदान है। वहीं, एक अन्य फ्रेंच पर्यटक डोमिनिक के अनुसार, महाकुम्भ ब्रह्मांडीय सद्भाव को खुद में आत्मसात करना एक अविस्मरणीय क्षण है। गोवर्धन ईको विलेज के प्रतिनिधि मोहन विलास दास के अनुसार सनातन से सकल विश्व पर्यावरण संबंधी चुनौतियों से निपटने के साथ ही बहुत कुछ सीख सकता है और निश्चित तौर पर महाकुम्भ इस दिशा में सहायक सिद्ध हो रहा है।

राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय बैठक गुवाहाटी में जारी

एजेंसी

गुवाहाटी। राष्ट्र सेविका समिति की द्विवार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारणी एवं प्रतिनिधि मंडल की बैठक तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत गुवाहाटी में आज दूसरे दिन आयोजित की गई। बैठक 21 से 23 फरवरी तक तय है।

इस बैठक में राष्ट्र सेविका समिति प्रमुख कार्यवाहिका सीता गायत्री ने बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जन्मोत्सव निमित्त राष्ट्र सेविका समिति ने संपूर्ण भारत वर्ष में 2,405 स्थानों पर 3,850 कार्यक्रमों के माध्यम से 4 लाख 74 हजार 801 नागरिकों तक पहुंचकर लोकमाता के कार्यकर्तृत्व का परिचय कराने का प्रयास किया। इन कार्यक्रम में वृक्षारोपण, नदी स्वच्छता, मंदिर स्वच्छता अभियान, रुग्णालय, शाला, वस्तीग्रह से संपर्क और जिला स्तर पर छोटे-बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों का समावेश रहा। इस बैठक का आयोजन आईआईटी गुवाहाटी में किया गया है। इस बैठक में संपूर्ण भारत से अधिकारी प्रतिनिधि उपस्थित हैं। सीता गायत्री ने आगे कहा, वंदे मातरम् की 150वीं जयंती निमित्त 3620 कार्यक्रम किये गये

तथा संत मीराबाई की 550वीं जयंती और गुरु तेगबहादुर की 350वीं पुण्यतिथी निमित्त भी बड़े पैमाने पर जनजागृती के उद्देश से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इस बैठक में ग्रीष्मकालीन युवती प्रशिक्षण वर्ग तथा सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विषयों के संदर्भ में विचार किया जाएगा तथा समिति कार्यवृद्धी की दृष्टी से योजना बनाए जाएने की भी जानकारी सीता गायत्री ने दी।

किसानों एवं केंद्र सरकार के बीच एमएसपी गारंटी पर तीन घंटे मंथन, 19 मार्च को अगली बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के खनौरी एवं शंभू बॉर्डर पर एक साल से आंदोलन कर रहे किसानों की चंडीगढ़ में केंद्र सरकार के साथ हुई छठे दौर की बैठक में एमएसपी गारंटी को लेकर तीन घंटे मंथन हुआ। बैठक के बाद सभी पक्ष संतुष्ट दिखाई दिए। किसानों एवं केंद्र सरकार के बीच अगली बैठक 19 मार्च को चण्डीगढ़ में होगी।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल तथा प्रहलाद जोशी ने भाग लिया। किसानों की तरफ से संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवण सिंह पंधेर एवं अभिन्यु कोहा? समेत 28 किसान प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल हुए। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा, कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क तथा कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां भी बैठक में

मौजूद रहे। बैठक में पहुंचते ही शिवराज सिंह चौहान ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के पास जाकर उनका हालचाल पूछा। इसके बाद पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने अन्य किसान नेताओं से केंद्रीय मंत्री का परिचय करवाया तो शिवराज चौहान किसानों के पास जाकर उनसे मिले। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि आज सरकार एवं किसानों ने एमएसपी को लेकर अपने-अपने तर्क दिए।

उन्होंने कहा कि वह बैठक में हुई बातचीत से पूरी तरह संतुष्ट हैं। अगली बैठक में कोई ठोस हल निकल कर आने की उम्मीद है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने बताया कि आज की बैठक में किसान नेताओं ने एमएसपी को लेकर अपनी रिपोर्ट रखी। केंद्र द्वारा पेश की रिपोर्ट में डेटा में अंतर था। आज की बैठक के महाराष्ट्र, कर्नाटक व अन्य कई राज्यों की फसलों में मिल रहे दाम में अंतर मिला। बैठक में केंद्रीय मंत्रियों ने किसानों से कहा कि वह आगामी दिनों में केंद्र को अपने डेटा की विस्तृत रिपोर्ट भेजें, जिसका केंद्र द्वारा मिलान करवाया जाएगा। इस रिपोर्ट के बाद अगली बैठक में इस बारे में चर्चा की जाएगी। चीमा ने कहा कि अगली बैठक में कोई ठोस निर्णय होने की संभावना है।

स्कूल में उपस्थिति में वृद्धि के लिए नर्मदापुरम को मिला प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता में और अधिक वृद्धि के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश के नर्मदापुरम ज़िले में विद्यार्थियों की स्कूलों में नियमित उपस्थिति के लिए जिला कलेक्टर की पहल पर संचालित ''सीटी बजाओ-बच्चे बुलाओ'' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। जिले की इस पहल को इस वर्ष का प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार प्राप्त हुआ है। जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम की इस उपलब्धि पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल और राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने नर्मदापुरम की जिला कलेक्टर सोनिया मीना, जिला परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश जायसवाल सहित कार्यक्रम से जुड़े सभी सहयोगियों और शिक्षकों को बधाई दी है। जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में ग्रामीण परिवेश के परिवारों में जागरूकता की कमी से बच्चे नियमित रूप से स्कूल नहीं पहुँच पाते हैं। इसका सीधा प्रभाव उनके सीखने के स्तर पर पड़ता है। इसके लिए नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया

मीना ने प्रारंभिक तौर पर जिले की पांच स्कूलों में, जहाँ की उपस्थिति 30 प्रतिशत के आसपास थी, वहाँ ''सीटी बजाओ-बच्चे बुलाओ'' का रोचक और अभिनव नवाचार प्रारंभ किया। इसमें स्कूल के शिक्षक के साथ बच्चों की एक टीम, जिसमें एक सीटी कैप्टन होता है।

जीआईएस-2025 मप्र को देश में नंबर-1 बनाने की दिशा में एक अभिनव प्रयासः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में 24-25 फरवरी को आयोजित हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2025 मध्य प्रदेश को देश में नंबर-1 बनाने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है। सरकार ने संभाग स्तर पर सफलतापूर्वक रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर प्रदेशभर में औद्योगिकीकरण एवं निवेश लाने की शुरुआत की है। अब हमारी सरकार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को जिला स्तर तक लेकर जाएगी, जिससे हर जिले, हर ब्लॉक के औद्योगिक विकास को भी और अधिक गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार देर शाम जीआईएस-2025 की तैयारियों के निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स

समिट मध्य प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। इसमें देश-विदेश के शीर्ष उद्योगपति एवं निवेशक शामिल होंगे, जिनका आत्मीय आतिथ्य-सत्कार किया जाएगा। हम न केवल उन्हें निवेश के सभी अवसर प्रदान करेंगे, बल्कि उनका विश्वास भी जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भोपाल जीआईएस-2025 एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में इस प्रकार के बड़े आयोजनों के लिए आगे भी प्रयास कि जाएंगे।

रामकुमार के लिये संघ का निर्णय सर्वोपरि थाः दत्तात्रेय होसबले

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार मेंआयोजित पूर्व सह क्षेत्र संघचालक रामकुमार के श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि रामकुमार के लिये संघ का निर्णय ही सर्वोपरि था। वे संघ के हर कार्य को ब?ी निष्ठा से करते थे। कार्यकर्ता निर्माण करने के लिये उनका जीवन एक आदर्श था। लम्बी बीमारी से जूझ रहे रामकुमार का निधन बीते 19 फरवरी को हुआ था। जो जन्म लेता है उसे मरना ही होता है मगर जन्म से लेकर मृत्यु तक वह कैसी यात्रा करता है, दूसरों के लिए क्या छो?कर जाता है, यह जानना व समझना बहुत आवश्यक है। यहां बोलने वाले लोगों ने रामकुमार के व्यक्तित्व के विभिन्न अनुभव प्रस्तुत किये। यहां बोलने वाले लोगों को

उनके साथ रहने का पर्याप्त अवसर मिला था लेकिन मेरा लखनऊ केन्द्र बनने के बाद उनसे मिलना-जुलना अधिक हुआ। वे एक अत्यधिक अनुशासनप्रिय स्वयंसेवक थे। जब साथी कार्यकर्ता अपने साथ वाले कार्यकर्ता की चिंता करते हैं तो वह सीखने वाला पाठ बन जाता है।

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि रामकुमार जैसे तपस्वी कार्यकर्ताओं से ही संघ बना है। उनके समान कार्यकर्ताओं ने ही संघ को बनाया है। देशभर में ऐसे ही श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं ने अपनी गृहस्थी चलाते हुए संघ कार्य किया है। संघ में एक गीत गाया जाता है जिसकी पंक्ति है कि दिव्य ध्येय की ओर तपस्वी साधक बन कण-कण गलता है....गीत जैसे साधक बनकर रामकुमारजी ने अपने जीवन को कण-कण गलाया क्योंकि उन्होंने ऐसा शाश्वत व्रत लिया था।

सरकार्यवाह ने आगे कहा कि जब संघ का गणवेश बदला तो हमने देखा कि वह भी बदला हुआ गणवेश पहनकर तैयार हैं। मैंने उन्हें सदैव धोती पहने ही देखा था। ऐसे में मैंने उनसे पूछा कि आपने इतनी आसानी से पैंट स्वीकार कर लिया जबकि कई ब? कार्यकर्ता पैंट नहीं पहनना चाह रहे थे। ऐसे में रामकुमार ने कहा कि संघ ने कहा है तो करना है। उन्होंने दूसरा स्मरण सुनाते हुये कहा कि बाबा साहेब आप्टे जिन्हें संघ का पहला प्रचारक कहा जाता था वे कभी चाय नहीं पीते थे जबकि श्रीगुरूजी बिल्कुल गर्म चाय पीते थे। किसी कार्यकर्ता ने आप्टेजी से पूछा कि यदि श्रीगुरूजी ने चाय पीने के लिये कह दिया तो क्या करेंगे, तब आप्टेजी ने कहा कि श्रीगुरूजी कहेंगे तो मैं खुशी-खुशी जहर भी पी लूंगा। संघ जो भी कहेगा वह मैं करूंगा। ऐसे ही कार्यकर्ता थे रामकुमार। संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने कहा कि एक लम्बा कालखंड उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में बिताया। उनकी उपस्थिति मात्र से ही कार्यक्रम अनुशासित हो जाया करते थे। उनके जीवन की प्रत्येक स्मृति से ही स्वयंसेवकों को जीवन जीने का आदर्श प्राप्त हो जाया करता है।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीड़, खेती की आत्मा है किसानः शिवराज चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) के तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीड़ है, खेती की आत्मा किसान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए कृषि क्षेत्र में हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने आईसीएआर को बधाई देते हुए कहा कि आज जो किस्में दिखाई हैं, वो अपने आपमें बड़ी उपलब्धि है। वैज्ञानिक दिन-रात परिश्रम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी 6 सूत्रीय रणनीति है। इसमें उत्पादन बढ़ाना, अच्छे बीज तैयार करना, बीज किसानों तक पहुंचाना

शामिल है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, आईएआरआई के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, उप महानिदेशक डॉ. डी.के. यादव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उद्यमी, स्टार्टअप के प्रतिनिधि, खाद्य प्रसंस्करणकर्ता आदि उपस्थित रहे । केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि 24 फरवरी को प्रधानमंत्री भागलपुर में किसान सम्मान निधि के तहत किसानों के खाते में राशि भेजेंगे। रविवार को वे बिहार में मखाना उत्पादकों के बीच जाएंगे, उनकी समस्याएं जानेंगे और समझेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले वे सुपारी उत्पादकों के बीच गये थे। शिवराज चौहान ने कहा कि हमें किसानों की लागत का इंतजाम भी करना है।

प्रधानमंत्री 24 फरवरी को पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे, 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को होगा लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को 22,000 करोड़ से अधिक के प्रत्यक्ष हस्तांतरण का लाभ होगा। पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र योजना, जिसके तहत 6,000 रुपये प्रति किसान परिवार को वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। कृषि मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों के खातों में एक क्लिक के साथ हस्तांतरित की जाएगी। पीएम-किसान योजना के सफल कार्यान्वयन के छह साल पूरे हो गए हैं, जो देशभर के किसानों की वित्तीय सहायता को मजबूत कर रहा है। इस संबंध में कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पशुपालन और डेयरी विभाग (एएच एंड डी), भारत सरकार, रेल मंत्रालय, भारत सरकार और बिहार सरकार के समन्वय से बिहार के भागलपुर में किसान सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। पीएम-किसान की 18वीं किस्त जारी करते समय लगभग 9 करोड़ 60 लाख किसानों को किस्त जारी की गई। कृषि मंत्रालय सक्रिय रूप से छूटे हुए सभी पात्र किसानों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है और इन प्रयासों के माध्यम से 19वीं किस्त प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या बढ़ गई है। 19वीं किस्त जारी होने से देशभर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित होंगे, उन्हें प्रत्यक्ष लाभ के माध्यम से 22,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

महाकुंभ सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय संगम : जेपी नड्डा

एजेंसी

महाकुम्भनगर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने सपरिवार पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। साथ ही गंगा मइया को चुनरी अर्पित करके लोककल्याण की कामना भी की। जेपी नड्डा परिवार समेत प्रयागराज पहुंचे। यहां महाकुम्भ नगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इसके उपरांत सभी नेतागण अरैल घाट से फ्लोटिंग जेटी के जरिए संगम पहुंचे। यहां बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री और अपने परिवार के साथ साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। इसके बाद जेपी नड्डा ने पत्नी एवं परिजनों संग विधि-विधान से संगम में पावन डुबकी लगाई। फिर विधि-विधान के साथ मां गंगा की पूजा अर्चना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' और सतुआ बाबा ने भी संगम स्नान किया। इस दौरान मौजूद जनता ने भी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का जय श्रीराम व गंगा मइया की जय के जयघोष से अभिवावदन किया। इस पुण्य अवसर पर माँ गंगा, माँ यमुना और माँ सरस्वती जी का सपरिवार पूजन कर समस्त देशवासियों की

सुख, समृद्धि और सौभाग्य के लिए प्रार्थना की। संगम स्नान के बाद सभी नेताओं के साथ जेपी नड्डा बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां लेटे हनुमानजी की पूजा-अर्चना की। इसके बाद अक्षयवट का भी दर्शन-पूजन कर समस्त देशवासियों के सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि आज तीर्थराज प्रयागराज में सनातन संस्कृति के भव्य, दिव्य और वैभव के प्रतीक व सामाजिक समरसता के अनुष्ठान महाकुंभ में पुण्यदायी त्रिवेणी संगम में सपरिवार आस्था की डुबकी लगाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आगे उन्होंने लिखा पवित्र महाकुंभ के माध्यम से हमारी महान प्राचीन परंपरा और समावेशी संस्कृति से सम्पूर्ण विश्व साक्षात्कार कर रहा है। तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर आयोजित यह ऐतिहासिक महाकुंभ अनुष्ठान हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, एकता और सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय संगम है।

पूरी दुनिया में मशहूर हैं दस शहर

दुनिया बेहद खूबसूरत है। अगर प्राकृतिक ने हमारी गोद में सुंदरता की बरमार सौगात में दी है तो लोगों ने भी इस दुनिया को सजाने में अपनी मेहनत के रंग भरे हैं। आज हम आपको दिखाते हैं दुनिया के सबसे रंगीन शहर जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।

Nyhavn, Copenhagen

डेनमार्क में बसे इस शहर में 17 और 18वीं शताब्दी की इमारतें, बार, कैफ़े, रेस्टोरेंट्स आदि हैं जो लकड़ी, ईंट और प्लास्टर से बने हैं। नहर के पास बने इस शहर की खूबसूरती किसी का भी मन मोह लें।

Buenos Aires, Argentina

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में ला बोका (La Boca) नाम की जगह है जो अपने खुले म्यूज़ियम के लिए मशहूर है। यहां के लोगों ने अपने आस-पड़ोस की दीवारों पर कबाड़ के सामान और बचे हुए रंगों से बहुत ही सुन्दर म्यूरल्स और ग्राफ़िटी बनाई हैं।

St. John's, Newfoundland and Labrador, Canada

सेंट जॉन न्यूफ़ाउंडलैंड, लैब्राडोर की राजधानी है। यह कनाडा के सबसे पुराने शहर हैं, जिसका इतिहास 1400 साल पुराना है। इस जगह का आर्किटेक्चर बहुत ही निराला है क्योंकि पुराने समय में जहाज के कप्तान अपने घर के लिए एक रंग चुनते थे, जिससे समुद्र से घर को आसानी से पहचाना जा सके। यही वजह है कि ये शहर इतना रंगीन है।

Valparaiso, Chile

समुद्र पर बसा वल्परईसो शहर, चिली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गढ़ है। यहां लोगों ने अपनी क्रिएटिविटी दिखाकर घरों को रंग-बिरंगे रंगों से सजाया है।

Izamal, Mexico

इस शहर को ₹मैजिकल सिटी₹ नाम दिया गया है क्योंकि यहां की इमारतों से सूर्य जैसा पीला रंग छलकता है। पत्थर से बनी सड़कें और लाइमस्टोन के चर्च और सरकारी इमारतें इस शहर की सुंदरता को और बढ़ाती हैं।

Wroclaw, Poland

पोलैंड के इस शहर में पर्यटकों के देखने लायक बहुत सारी चीजें हैं जैसे रेस्टोरेंट, कैफे आदि लेकिन इस शहर का सबसे सुन्दर भाग है, यहां के रंग-बिरंगे घर जो पूरे वातावरण को सजीव बनाता है।

Rio de Janeiro, Brazil

2010 में ब्राज़ील की सरकार ने रिओ की बस्तियों को सजाने का काम शुरू किया था। आज यहां की बस्तियां एक बड़ा सा रंग-बिरंगा कैनवास बन गई हैं। इस इलाके में अब टूरिस्ट्स का तांता लगा रहता है।

Jodhpur, India

भारत के राजस्थान में बसा जोधपुर शहर जो ब्लू सिटी के नाम से मशहूर है। यहां के घरों और इमारतों को रॉयल ब्लू रंग में रंगा गया है। ये प्रचलन जोधपुर के राज परिवार ने शुरू किया था। नीले रंग में रंगा गया ये शहर, शान्ति और शीतलता का एहसास देता है।

Pattaya, Thailand

पट्टाया में सुन्दर बीच तो है ही लेकिन यहां की इमारतों के रंग हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां के घर और होटलों को कई रंगों में रंगा गया है जो इस शहर को दुनिया का सबसे रंगीन शहर बनाता है।

Burano Island, Italy

चार आइलैंड के द्वीप समूह में स्थित इस शहर में मोहक सड़कें और नहरें हैं लेकिन उससे भी खूबसूरत यहां की इमारतें हैं जो खूबसूरत रंगों से चमचमाती हैं। यहां खास बात यह है कि यहां सरकार निर्धारित करती है कि आप अपने घर को किस रंग से रंगवा सकते हैं।

जमीन के ऊपर नहीं अंदर हैं 10 शानदार झीलें

झीलों की ख़ूबसूरती हमेशा से ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है। इनकी सुंदरता का जिक्र कई गीतों, शायरों की शायरी और बहुत सारी प्रेम-कहानियों में भी हुआ है। आपने भी वैसे तो बहुत सारी झीलें देखी होंगी लेकिन जिन झीलों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, वह रोमांच से भरी पड़ी हैं क्योंकि ये झीलें जमीन पर नहीं बल्कि अंडर ग्राउंड हैं। यह झीलें पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

रीड फ्लूट लेक

चीन के तांग वंश के समय में गुइलिन में स्थित रीड फ्लूट लेक लगभग 1300 साल पुरानी है।

वूकेई होल

ब्रिटेन के सामर सेट में स्थित ये गुफ़ा दुनिया के सबसे बड़ी गुफ़ाओं में से एक है।

चेडर नदी घाटी

ब्रिटेन की 9000 साल पुरानी इस घाटी में 1903 में पूर्ण नर कंकाल मिला था। लाइम स्टोन की बनी हुई ये घाटी एक अंडर ग्राउंड नदी का परिणाम है।

मेल्लिअसनी लेक

कैलीफोर्निया में स्थित इस झील की खोज 1943 में आए एक भूकंप की वजह से हुई थी।

लेचुगुइल्ला लेक

मेक्सिको के कार्ल्सबैड सवेन्स नैशनल पार्क यहां की सबसे बड़ी गुफ़ा में शामिल है, जहां ये झील अपनी छटा बिखेरती है।

सेवर्न लेक

चूना पत्थर से बनी मेक्सिको की गुफ़ाओं में स्थित इस झील में दीवारें एक वॉटर फाल की तरह दिखता है।

बंफ्फ लेक

कनाडा के बंफ्फ नैशनल पार्क में स्थित ये झील अपनी ख़ूबसूरती के लिए दुनियाभर में जानी जाती है।

युकाटन लेक

दुनिया के सबसे खूबसूरत झीलों में से एक युकाटन लेक मेक्सिको के मेकन चे में स्थित है।

लुरेई सवेर्न्स

अमरीका के वर्जीनिया में स्थित इस झील को देखने दुनिया भर से पर्यटक यहां आते हैं।

हेमिल्टन पुल

टेक्सस में स्थित हेमिल्टन पूल का निर्माण एक गुफ़ा की छत ढहने से हुआ था।

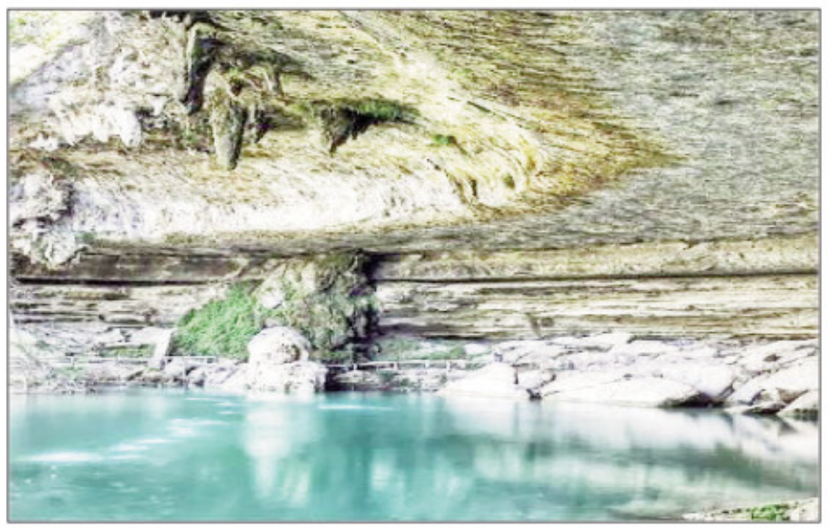

नाव और कुत्तों की सवारी के लिए मशहूर हैं आठ देश

हजारों सालों से पेरू और बोलीविया के टीटीकाका झील के किनारों पर एक खास तरह की टोटोरा बोट मिलती है जिसे रीड बोट्स भी कहा जाता है। जो दुनिया की सबसे पुरानी बोट्स में शामिल हैं। अलग-अलग साइज में मिलने वाली इन नावों को यहां के ऊरोज जनजाति के लोग अपने हाथों से तैयार करते हैं। ड्रेगन की शेप वाले इस नाव को पुराने जमाने में बुरी आत्माओं को भगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, ऐसा लोग मानते हैं। हल्की होने के कारण पानी में ये बहुत ही तेज रफ़्तार से चलती है। जिससे सफर आसानी से कट जाता है और मंजिल तक समय से पहुंच जाते हैं।

नावें के शांत वातावरण का एक्सपीरिएंस कुछ अनोखे तरीके से करना हो तो डॉग स्लीडिंग बेहतरीन ऑप्शन है। यहां के साल्टफेले-स्वार्टिसेन और जॉटुनहाइम नेशनल पार्क अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए जाने जाते हैं जहां तक पहुंचाने में बिनापहिए वाली गाड़ी, जिसे साइबेरियन डॉग खींचते हैं की मदद ली जा सकती है। इस स्लीडिंग का मजा लेने के लिए ओस्लो से 3 घंटे तक का सफर तय करना पड़ता है। टुकटुक, रिक्शे जैसा दिखने वाला वाहन जिसमें आगे साइकिल नहीं बाइक होती है और टुकटुक चलाने वाला बकायदा हेलमेट पहने नजर आएगा। तीन पहिए वाली ये गाड़ी मोटर की मदद से चलती है और इसका भी बहुतायत तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। सबसे पहले टुकटुक थाईलैंड में चलाई गई थी उसके बाद ये लाओस, कंबोडिया, पाकिस्तान से होते हुए इंडिया में आई। धूल और प्रदूषण से परे इसकी सवारी वाकई मजेदार होने के साथ ही अन्य वाहनों के मुकाबले सस्ती भी होती है। ट्रेन, बस, अलग-अलग सुविधाओं वाली कार के होते हुए भी थाईलैंड में लोग हाथी की सवारी करना ज्यादा पसंद करते हैं। शाही सवारी का अनुभव कराने के साथ ही थाईलैंड के जंगलों को घूमने का मजा इसी से आता है। यहां एक छोटा सा हाथियों का गांव भी है जहां जाकर हाथियों को खिला सकते हैं, बेबी एलिफेंट के साथ मस्ती कर सकते हैं और उनके साथ फोटो भी खिंचवा सकते हैं। थाईलैंड साल भर टूरिस्टों से भरा रहता है। तो बीच पर घूमने के अलावा जंगलों की सैर हाथी पर करना भी एक अच्छा ऑप्शन है।कंबोडिया की राजधानी नामपेन्ह के बत्तामबैंग शहर में लोहे की नहीं बल्कि बांस की ट्रेन देखने को मिलती है। बांस की लकड़ियों से बने खांचे के ऊपर छोटे इलेक्ट्रॉनिक इंजन और नीचे पटरी पर आराम से दौड़ने वाले पहिए, वाकई आवाजाही के लिए गजब का इनवेन्शन है। बड़ी-बड़ी ट्रेनों और बसों को पीछे छोड़ कंबोड़िया में लोग एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए ज्यादातर इसका ही इस्तेमाल करते हैं। इसे वहां की सरकार ने भी मान्यता दे रखी है। कंबोडिया के खमेर इलाके में इसे "नौरी" कहते हैं। लेकिन इसकी सबसे अजीबोगरीब चीज है कि लोहे की ट्रेन सामने आने पर इस पर से कूदना पड़ता है।

कई तरह की लग्जरी सुविधाओं से लैस ट्रेन, बसों, हवाई जहाज से बहुत सारे सफर किए होंगे, लेकिन कभी बांस की ट्रेन, हाथियों और ऊंट की पीठ पर सवारी की है? शायद नहीं। दुनिया भर में ऐसी कई सारी जगहें हैं जहां टूरिस्टों को बिल्कुल अनोखे अंदाज में शहर घूमने का मौका मिलता है जो वाकई एक अलग ही एक्सपीरिएंस होता है। तो ऐसे ही अलग राइड्स का मजा कहां और किससे मिलता है, इसे जानेंगे और जब भी जाने का मौका मिले तो एक बार इनपर सवारी करना तो बनता है।

न्यूजीलैंड शहर को एक्सप्लोर करने की सोच रहे हैं तो इन ट्रांसपेरेंट गेंदों(जोर्ब) की मदद ले सकते हैं। घाटियों और पहाड़ों से लुढ़काई जाने वाली इस गेंद में बहुत स्पेस होता है जिसमें एक या दो नहीं बल्कि कई सारे लोग एक साथ बैठ सकते हैं। जोर्ब की सबसे मजेदार बात होती है कि ये पहाड़ों, सड़कों के अलावा पानी में भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। वहां के लोग इसे किवी कहते हैं जो बंजी जम्पिंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग और स्काईडाइविंग जैसे खेलों जितना ही मजेदार खेल है। रंग-बिरंगी, नियॉन लाइट्स और वूडू पोस्टर्स से सजी हुई बसें ग्वाटेमाला में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसे "चिकन बस" के नाम से पुकारा जाता है। पुरानी बसों को बिल्कुल अलग तरह से तैयार कर इसे स्कूल बस के तौर पर भी इस्तेमाल करते हैं। बड़े-बड़े पहाड़ों पर इससे सफर करना आसान होता है। पहले बसों में बकरियों और मुर्गियों की भी सवारी होती है इसलिए इस चिकन बस कहा जाने लगा। लेकिन ग्वाटेमाला में सबसे ज्यादा लूट-पाट भी इन्हीं बसों में होती हैं।

महेश भूपति पहुंचे पटना, टेनिस के उभरते खिलाड़ियों से की मुलाकात

एजेंसी

पटना। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी महेश भूपति ने आज पटना का दौरा किया और यहां के उभरते टेनिस खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों से उनकी ट्रेनिंग, खेल तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें खेल के प्रति समर्पित रहने और निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। महेश भूपति ने बिहार सरकार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेंदर और निदेशक महेंद्र कुमार से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिहार में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरण से भी भेंट की और राज्य में खेलों को प्रोत्साहित करने की दिशा में हो रहे कार्यों की जानकारी ली। महेश भूपति ने बिहार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। महेश भूपति ने कहा कि बिहार में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और आने वाले वर्षों में यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। उन्होंने राज्य में टेनिस और अन्य खेलों के विकास के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए और भविष्य में बिहार के खिलाड़ियों के साथ और अधिक जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। इस यात्रा से न केवल युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिली, बल्कि बिहार में खेल संस्कृति को और मजबूत करने की दिशा में नई संभावनाएं भी खुलीं।

एक क्रिकेट मैच से कहीं बढ़कर है भारत-पाकिस्तान मुकाबला : स्टीव वॉ

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के आगाज के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और लॉरियस अकादमी के सदस्य स्टीव वॉ ने टूर्नामेंट के खिताबी दावेदारों को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारत, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की अच्छी शुरुआत को देखते हुए भारत को प्रबल दावेदार बताया। वॉ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इन परिस्थितियों में भारत मजबूत नजर आ रहा है। न्यूजीलैंड के पास भी संतुलित टीम है। ऑस्ट्रेलिया को कम नहीं आंक सकते, वे हमेशा प्रतिस्पर्धी रहते हैं। इंग्लैंड और पाकिस्तान भी खतरनाक साबित हो सकते हैं। टूर्नामेंट में 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर वॉ ने कहा, भारत और पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा होता है। भारत पसंदीदा हो सकता है लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट काफी अप्रत्याशित होता है। कोई भी खिलाड़ी अकेले दम पर मैच पलट सकता है।

न्यूजीलैंड से होने वाले अहम मुकाबले से पहले बांग्लादेश को महमुदुल्लाह के फिट होने की उम्मीद

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के खिलाफ मैच में मिली हार के बाद बांग्लादेश को न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो मैच से पहले सीनियर बल्लेबाज महमुदुल्लाह की उपलब्धता की उम्मीद है। बांग्लादेश को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए 24 फरवरी को रावलपिंडी में होने वाले मैच को जीतना जरूरी है। अपने पिछले चार एकदिवसीय मैचों में चार अर्द्धशतक बनाने वाले महमुदुल्लाह को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले प्रशिक्षण के दौरान पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव का सामना करना पड़ा, जिससे मैच के लिए बांग्लादेश की टीम का कॉम्बिनेशन बिगड़ गया और मैच में उनकी कमी महसूस की गई। भारत के खिलाफ मैच के पहले घंटे में बांग्लादेश की टीम ने केवल 35 रनों पर 5 विकेट खो दिए थे, इसके बाद तौहीद हृदोय के शतक और जेकर अली के अर्धशतक की बदौलत बांग्लादेश की टीम 228 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। इस बीच, 19 फरवरी को कराची में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में पाकिस्तान को 60 रन से हराने के बाद न्यूजीलैंड आत्मविश्वास से भरपूर है। ब्लैक कैप्स पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी जीत से भी उत्साहित हैं, जहां उन्होंने मेजबान टीम के खिलाफ सभी मैच जीते थे।

युवराज सिंह का बाऊंड्री रोप पर जोरदार कैच, टीम 4 रन से जीती

नई दिल्ली। नवी मुंबई की डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में इंडिया मास्टर्स ने खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान श्रीलंका मास्टर्स को 4 रन से हरा दिया। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 के तहत खेले गए इस मुकाबले में इंडिया मास्टर्स ने पहले खेलते हुए गुरकीरत के 33, स्टुअर्ट बिन्नी के 68, यूसुफ पठान ने 56 रन बनाकर स्कोर 222 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम ने एक समय संगाकरा और थिरमाने की बदौलत मजबूत शुरूआत की लेकिन तभी 8वें ओवर में इंडिया मास्टर्स के युवराज सिंह ने बाऊंड्री रोप पर जोरदार कैच पकड़कर कैच का पासा ही पलट दिया। थिरमाने ने इरफान पठान की गेंद पर सीधी शॉट लगाई थी जिसे बाऊंड्री रोप पर पहले से मुस्तैद खड़े युवराज ने छलांग लगाकर पकड़ लिया।

एशिया कप में भारतीय तीरंदाजों का जलवा, 5 स्वर्ण पदक जीते

एजेंसी

बैंकॉक। भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप 2025 तीरंदाजी टूर्नामेंट में आठ पदक, पांच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य के साथ अपने अभियान का शानदार समापन किया। भारत ने रिकर्व और कंपाउंड दोनों स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और रिकर्व में तीन व कंपाउंड में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। भारत की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि सीनियर पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में आई, जहां 21 वर्ष से कम उम्र के कुशल दलाल, मानव गणेशराव जाधाओ और गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु की युवा तिकड़ी ने 2129 के कुल स्कोर के साथ अंडर -21 विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 237-233 से हराया, जबकि दक्षिण कोरिया तीसरे स्थान पर रहा। दलाल ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में दक्षिण कोरिया के चोई योंगही को 148-144 से हराकर स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम किया। मलेशिया के

अकील मुहम्मद ग़ज़ाली ने कांस्य पदक जीता।रिकर्व वर्ग में, गोल्डी मिश्रा, राहुल राहुल और विष्णु चौधरी की भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में चीन पर 5-1 की शानदार जीत के बाद स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर रहा। विष्णु चौधरी ने व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपना स्वर्णिम प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में हमवतन राहुल को 6-2 से हराया। चीनी ताइपे की लियू ताई-येन ने कांस्य पदक हासिल किया। महिलाओं की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की बसंती महतो ने 0-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीनी ताइपे की फोंग यू झू को 6-4 से हराया और भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक हासिल किया। चीन की वू जियाक्सिन ने कांस्य पदक जीता।

मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा में विष्णु चौधरी और बसंती महतो को फाइनल में चीन से 6-0 से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीनी ताइपे तीसरे स्थान पर रहा।इस बीच, अवनीत कौर, मधुरवर्षिनी मुरुगनाथम और चिकिथा तानीपर्थी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने ईरान के खिलाफ तनावपूर्ण शूट-ऑफ के बाद कांस्य पदक जीता। भारत के जीतने से पहले दोनों टीमें 232 रन पर बराबरी पर थीं। दक्षिण कोरिया ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान ने रजत पदक हासिल किया।

चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने खेल अवसंरचना के विकास पर की उच्च स्तरीय बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के संकल्प के तहत केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज चंडीगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में पंजाब सरकार, चंडीगढ़ प्रशासन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य उत्तर भारत में खेल अवसंरचना को और मजबूत करना था।

डॉ मांडविया ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं, जिनमें खेलो इंडिया, फिट इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम प्रमुख हैं। हमारा लक्ष्य ऐसी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जहां युवा प्रतिभाएं निखरकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करें। उन्होंने यह भी कहा कि खेल केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह अनुशासन, मेहनत और देशप्रेम की भावना को भी मजबूत करते हैं। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने कबड्डी, हैंडबॉल, जूडो, बॉक्सिंग, कयाकिंग और कैनोइंग जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 30 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ये खिलाड़ी 38वें राष्ट्रीय खेलों सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। ये सभी भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रशिक्षण केंद्रों और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

विश्व कप के लिए 35 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में दो चरणों में शुरु होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिये 35 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम की घोषणा कर दी गयी।ये टीम आगामी संयुक्त (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप में हिस्सा लेगी। ये प्रतियोगिताएं ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना (1-11 अप्रैल) और लीमा, पेरू (13-22 अप्रैल) में आयोजित होंगी। डबल ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर एक बार फिर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और महिला 25 मीटर पिस्टल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र एथलीट होंगी। अन्य पेरिस ओलंपियन में अनीश और विजयवीर सिद्धू (पुरुष 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल), ईशा सिंह (महिला 25 मीटर पिस्टल), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), सिफत कौर समरा और श्रियांका सदांगी (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), अर्जुन बाबूता (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), पृथ्वीराज टोंडाईमान (पुरुष ट्रैप), अनंतजीत सिंह नरूका (पुरुष स्कीट) और राइज़ा ढिल्लों (महिला स्कीट) शामिल हैं। टीम के प्रस्थान से पहले एक राष्ट्रीय शिविर का आयोजन 14 मार्च से दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में किया जाएगा। राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव, कुंवर सुल्तान सिंह ने कहा, 'भारत के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज एक बार फिर विश्व के दिग्गजों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। भारत सरकार और खेल मंत्रालय ने हमारी तैयारियों और प्रशिक्षण को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद, अब पूरे शूटिंग समुदाय पर नई जिम्मेदारी है कि हम अपने स्तर को और ऊंचा उठाएं। हमें पूरा विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय सीजन के इन शुरुआती टूर्नामेंटों में हमारे निशानेबाज शानदार प्रदर्शन करेंगे।'

बिहार भविष्य में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी देगा : महेश भूपति

एजेंसी

पटना। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी महेश भूपति ने बिहार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की सराहना करते हुए आज कहा कि यह प्रदेश भविष्य में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देगा।

श्री भूपति ने पटना का दौरा किया और यहां के उभरते टेनिस खिलाड़ियों से मुलाकात की और खिलाड़ियों से उनके प्रशिक्षण, खेल तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा के दौरान बिहार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें खेल के प्रति समर्पित रहने और निरंतर मेहनत करने की सलाह दी।

टेनिस दिग्गज ने कहा, ÷बिहार में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और उभरते खिलाड़ियों की प्रतिभा देखकर बेहद खुशी हो रही है। यह राज्य भविष्य में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देगा। बिहार में टेनिस को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए बेहतर आधारभूत संरचना, प्रशिक्षकों और प्रतियोगिताओं की आवश्यकता है। श्री भूपति ने कहा कि बिहार में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और आने वाले वर्षों में यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। उन्होंने राज्य में टेनिस और अन्य खेलों के

विकास के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए और भविष्य में बिहार के खिलाड़ियों के साथ और अधिक जुड़ने की इच्छा व्यक्त की।

हेनरी की विस्फोटक पारी से यूपी वारियर्स ने चखा पहली जीत का स्वाद

एजेंसी

बेंगलुरु। शिनेल हेनरी (28 गेंद में 62 रन) की आतिशी पारी की मदद से यूपी वारियर्स ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 33 रन की आसान जीत दर्ज की। यूपी वारियर्स ने पहले खेलते हुये नौ विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की पारी 19.3 ओवर में 144 रन बना कर सिमट गयी। यूपी की जीत की नायक शिनेर हेनरी बनी जिन्होने अपनी दिलेर पारी से यूपी की उम्मीदों को हवा दी जबकि बाद में क्रांति गौड़ (25 पर चार विकेट) और ग्रेस हैरिस (15 रन पर चार विकेट) ने दिल्ली का पुलिंदा बांधने मे कोई कमी नहीं छोड़ी। दिल्ली की तरफ से जेमिमाह रॉड्रिग्स (56) ने अपने अंदाज के अनुरुप धाकड़ बल्लेबाजी की और मात्र 35 गेंदो की पारी में आठ चौके और एक छक्का जड़ दिया

मगर मध्यक्रम ने उनका साथ नहीं दिया और दिल्ली के सात खिलाड़ी अपने निजी स्कोर को दहाई तक पहुंचाने में भी विफल साबित हुये। इससे पहले शैफाली वर्मा 24 रन का योगदान दिया मगर इन फार्म मेन लानिंग (5) का बल्ला आज नहीं चला।इससे पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक समय यूपी के छह खिलाड़ी 89 रन जोड़ कर पवेलियन लौट चुके थे और चंद ओवरों का खेल बचा था। ऐसे में हेनरी के बल्ले से निकली आग से दिल्ली के गेंदबाज झुलस गये। हेनरी ने मैदान के चारों तरफ चौके छक्कों की बौछार कर दी और यूपी का स्कोरबोर्ड हवा से बातें करने लगा।

हेनरी ने अपनी विस्फोटक पारी के दौरान आठ गगनचुंबी छक्के और दो चौके लगाये। वह यूपी की पारी की अंतिम गेंद पर जानासन का शिकार बनी। हेनरी के अलावा किरण नवगिरे (17),दीप्ति शर्मा (13),तालिया मैग्रा (24),श्वेता सहरावत (11) और सोफ़ी एकल्सटन (12) अपने स्कोर को दहाई तक पहुंचाने में सफल रहीं। दिल्ली की ओर से जेस जानासन ने 31 रन खर्च कर यूपी के चार बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखायी जबकि अरुंधति रेड्डी और मरीज़ान काप ने दो दो विकेट झटके।

जीवन नेदुनचेझियान-विजय सुंदर प्रशांत की जोड़ी ने जीता महा ओपन एटीपी चैलेंजर का खिताब

एजेंसी

पुणे। भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी जीवन नेदुनचेझियान और विजय सुंदर प्रशांत की जोड़ी ने महा ओपन एटीपी चैलेंजर 100 का युगल खिताब जीत लिया है। पुणे के म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ब्लेक बेयल्डन और मैथ्यू क्रिस्टोफर रोमियोस को 3-6, 6-3, 10-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया।यह जीवन और प्रशांत की जोड़ी का एक साथ पहला खिताब था, जबकि प्रशांत के लिए पुणे में यह तीसरा खिताब रहा। इस शानदार जीत के साथ भारतीय जोड़ी को 7 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और 100 एटीपी अंक मिले। इससे जीवन की विश्व रैंकिंग 94वें और प्रशांत की 104वें स्थान पर पहुंच गई। खेले जाने वाले एकल फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी ब्रैंडन होल्ट का मुकाबला चेक गणराज्य के गैरवरीयता प्राप्त डेलिबोर स्वेरसीना से होगा।

सेमीफाइनल मुकाबले में 26 वर्षीय और छठी वरीयता प्राप्त ब्रैंडन होल्ट, जो दुनिया में 153वें स्थान पर हैं, ने आठवीं वरीयता प्राप्त कनाडा के एलेक्सिस गैलारन्यू को 7-5, 6-4 से हराने में एक घंटे 34 मिनट का समय लिया। पहले सेट में 5-0 की बढ़त लेने के बाद होल्ट को गैलारन्यू ने 5-5 की बराबरी पर ला दिया।

सुशीला चानू ने पूरे किये 250 अंतर्राष्ट्रीय मैच,हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

भुवनेश्वर। हॉकी इंडिया ने भारत के लिए 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरा करने पर सुशीला चानू पुखरामबम को बधाई दी। अर्जुन पुरस्कार विजेता ने ओडिशा के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में जर्मनी के खिलाफ भारत के लिये 250वें मैच का प्रतिनिधित्व किया। 32 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी का एक दशक से अधिक समय तक भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एक शानदार करियर रहा है और उन्हें भारत की सबसे प्रसिद्ध महिला हॉकी खिलाड़ियों में जाना जाता है। सुशीला ने अपना सफर भारतीय जूनियर महिला टीम की कप्तान के रूप में शुरू किया, जिसने 2013 में महिला हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता और तब से लगातार सीनियर टीम में अपना स्थान पक्का किया। पूर्व भारतीय कप्तान ने 2016 रियो ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में अपनी टीम का नेतृत्व किया, जो 1980 के बाद पहली टीम थी। उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया जहां भारत ने कांस्य पदक जीता।

अनुभवी मिडफील्डर 2017 एशिया कप में भारत की महत्वपूर्ण स्वर्ण पदक जीत का भी हिस्सा थी और इससे पहले 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी है ।सुशीला ने टोक्यो ओलंपिक गेम्स 2020 के लिए भारत की योग्यता सुनिश्चित करने और टूर्नामेंट में टीम के ऐतिहासिक चौथे स्थान को सुनिश्चित करने के लिए भी कड़ी मेहनत की। 2022 में, सुशीला ने भारत को राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और एशिया कप में कांस्य पदक दिलाने में मदद की। उन्होंने 2024 में भारत की लगातार दूसरी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीत में भी बड़ी भूमिका निभाई। विश्व मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने के उनके अथक प्रयासों के लिए, सुशीला को 2023 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।मील के पत्थर तक पहुंचने पर सुशीला ने कहा, मैं अपने देश के लिए 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए आभारी हूं। यह अब तक एक अद्भुत यात्रा रही है और मैं आने वाले वर्षों में अपने देश के लिए और भी अधिक प्रतिनिधित्व करने और जीतने की उम्मीद कर रही हूं। उन्होंने कहा, इस भावनात्मक और विशेष क्षण पर, मैं अपने परिवार, टीम के साथियों और सहयोगी स्टाफ को मुझ पर विश्वास करने और इस उपलब्धि को हासिल करने में मदद करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। वर्षों से अपने सभी साथियों के बिना, मैं इसे कभी हासिल नहीं कर पाती, इसलिए मैं उन सभी की आभारी हूं जो मेरी यात्रा का हिस्सा रहे हैं और वर्षों से मेरी मदद की है। सुशीला ने कहा ÷मैं हॉकी इंडिया को उनके निरंतर समर्थन और मुझे अपने देश के लिये खेलने का अवसर देने के लिए भी धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं और भी कड़ी मेहनत करने और मैदान पर अपना सब कुछ देने का वादा करती हूं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने सुशीला को बधाई देते हुए कहा, ÷ यह देखकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि सुशीला ने भारत के लिए अपना 250वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। उन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की है और हम मैदान पर उनके अथक प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। मुझे यकीन है कि यह युवा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा, खासकर मणिपुर में जहां से हमने अनगिनत विशेष प्रतिभाओं को आगे बढ़ते देखा है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, मैं सुशीला के लिए बेहद खुश हूं क्योंकि यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए सरकारी बाबू को मुफ्त पास नहीं बांटेगी पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहली बार मौजूदा चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान दीर्घाओं , वीआईपी क्षेत्र या हास्पिटेलिटी बॉक्स के लिए कोई मुफ्त पास नहीं देने का फैसला किया है। आम तौर पर पाकिस्तान में जब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होता है तो पीसीबी मीडिया, सरकारी महकमों, वीआईपी या प्रायोजकों के लिए मुफ्त पास के तौर पर टिकट रखता है। इस बार पीसीबी अध्यक्ष के निजी मेहमानों और प्रायोजकों के लिए कुछ टिकट को छोड़कर कोई कोटा या मुफ्त पास नहीं रखे गए हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी के टिकटों की प्रक्रिया से जुड़े आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पीसीबी अधिकारियों पर भारी दबाव है क्योंकि मुफ्त पास पाने के आदी लोग उनसे बार बार मांग रहे हैं लेकिन उन्हें कहा जा रहा है ।

71वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप: हरियाणा, महाराष्ट्र और सर्विसेज़ की दमदार शुरुआत

एजेंसी

कटक। 71वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में नॉकआउट चरण का रोमांच चरम पर पहुंच गया है। कटक के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबलों में शीर्ष टीमों ने अपना दबदबा दिखाया, जिससे टूर्नामेंट और भी दिलचस्प हो गया।

हरियाणा की संघर्षपूर्ण जीतः डिफेंडिंग चैंपियन हरियाणा को तमिलनाडु के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि, अनुभवी योगेश कथुनिया और आशु मलिक की अगुवाई में हरियाणा की मजबूत रेडिंग यूनिट ने शानदार प्रदर्शन किया और 48-41 के अंतर से जीत दर्ज की। मुकाबले में तमिलनाडु की टीम ने दमदार खेल दिखाया, लेकिन अंतिम क्षणों में हरियाणा ने बढ़त बना ली। सर्विसेज़ की धमाकेदार जीतः नवीन कुमार के नेतृत्व में सर्विसेज़ ने अपने कौशल और संतुलित खेल का परिचय देते हुए मध्य प्रदेश को 57-22 से मात दी। उनके मजबूत डिफेंस और आक्रामक रेडिंग की बदौलत यह मुकाबला पूरी तरह से एकतरफा साबित हुआ। इस प्रदर्शन के साथ सर्विसेज़ ने खुद को खिताब के प्रमुख दावेदारों में शामिल कर लिया है। पंजाब की एकतरफा जीतः कबड्डी की एक और दिग्गज टीम पंजाब ने बिहार के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 47-18 के बड़े अंतर से जीत हासिल की। उनकी टीम ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और बिहार को वापसी का कोई मौका नहीं

दिया। महाराष्ट्र ने मेजबान ओडिशा को हरायाः मेजबान ओडिशा को महाराष्ट्र के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जहां आकाश शिंदे, अजीत चौहान और पंकज मोहिते जैसे खिलाड़ियों के दमदार खेल की बदौलत महाराष्ट्र ने 43-26 से जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद ओडिशा की टीम महाराष्ट्र की रणनीतिक बढ़त को नहीं रोक सकी।

डकेट पर भारी इंग्लिस की पारी, आस्ट्रेलिया पांच विकेट से जीता

एजेंसी

लाहौर। इंग्लैंड के बेन डकेट (165) की रिकार्ड पारी पर जॉश इंग्लिस (120 नाबाद) भारी पड़ गये और आस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्राफी ग्रुप बी के हाई स्कोरिंग मुकाबले को 15 गेंद शेष रहते अपने पक्ष में कर लिया।गद्दाफी स्टेडियम पर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आठ विकेट पर 351 रन बनाये जिसके जवाब में आस्ट्रेलिया ने विजय लक्ष्य 47.3 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया को दो झटके सस्ते में लग गये थे मगर एक छोर पर डटे मैथ्यू शॉर्ट (63) ने पहले मार्नस लाबुशेन (47) के साथ 95 रन की पार्टनरशिप कर टीम को मुश्किल के भंवर से निकाला जबकि बाद में जॉश इंग्लिस और एलेक्स कैरी (69) ने 147 रन जोड़ कर टीम को जीत के दहलीज तक लाने का साहस पैदा किया मगर जीत अभी दूर थी मगर नये बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (32) ने अंग्रेजी आक्रमण को बौना साबित करते हुये इंग्लिस का भरपूर साथ दिया और दोनो ने जीत दिला करके ही सांस ली। इस विराट जीत के बाद आस्ट्रेलिया ने उन आलोचकों के भी मुंह बंद कर दिये जो आस्ट्रेलियाई टीम के कमजोर होने की बात कर रहे

थे। इससे पहले डकेट और जो रुट (68) ने 158 रन की साझीदारी की बदौलत इंग्लैड ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट पर 351 रन का स्कोर खड़ा किया था। फिल साल्ट (10) और जेमी स्मिथ (15) के दो विकेट जल्दी गिरने से इंग्लैंड हल्के दबाव में आया था मगर एक छोर पर डटे डकेट के इरादे आज खतरनाक थे। उन्होने नये बल्लेबाज रुट के साथ कंगारु गेंदबाजों का कड़ा इम्तिहान लिया। दोनो खिलाड़ियों ने मैदान के चारों ओर रनों की बौछार करते हुये स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया। रुट एडम जम्पा की गेंद पर पगबाधा करार दिये गये। उधर दूसरे छोर पर डकेट ने पिटाई का क्रम जारी रखा। सलामी बल्लेबाज ने अपनी शतकीय पारी में 143 गेंद खेल कर 17 चौके और तीन छक्के लगाये। इसके साथ ही वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गये। इससे पहले यह रिकार्ड न्यूजीलैंड के नाथन एस्टल के नाम था। डकेट पारी के 48वें ओवर में मार्नस लाबुस्चगने की गेंद पर आउट हो गए। निचले क्रम में जोफा आर्चर 21 रन बना कर नाबाद वापस लौटे। आस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारश्विस तीन विकेट लेकर सबसे सफल रहे वहीं मार्नस लाबुशेन और एडम जैम्पा ने दो दो विकेट अपनी झोली में डाले।

'रॉकस्टार' एक्ट्रेस

नरगिस फाखरी

ने गुपचुप रचाई शादी, तीन साल से टोनी बेग को कर रही थीं डेट

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से अचानक सुर्खियों में आ गई हैं. कहा जा रहा है कि उन्होंने गुपचुप शादी रचा ली है. उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड टोनी बेग से शादी की है. इस खबर के सामने आने के बाद फैंस नरगिस फाखरी को मुबारकबाद दे रहे हैं.ईटाइम्स की एक खबर में बताया गया कि दोनों ने लॉस एंजेलिस में शादी की है. एक प्राइवेट फंक्शन रखा गया था, जिसमें सिर्फ घरवाले और करीबी दोस्त शामिल हुए. उन सबकी मौजूदगी में नरगिस और टोनी ने शादी की. हालांकि, अभी तक दोनों की तरफ से इसको लेकर कोई भी ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है.

रॉकस्टार समेत और भी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकीं नरगिस फाखरी को लेकर खबर है कि उन्होंने शादी कर ली है. नरगिस ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड टोनी बेग से शादी की है. लंबे समय से दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे थे.

तीन सालों तक किया डेट

ये भी बताया गया कि नगरिस और टोनी इन दिनों हनीमून के लिए स्विट्जरलैंड गए हुए हैं. दोनों साल 2022 से एक दूसरे को डेट कर रहे थे. लगभग तीन सालों तक डेट करने के बाद दोनों ने एक दूसरे से शादी करने का फैसला लिया. अब दोनों हमेशा-हमेशा के लिए एक दूजे के हो चुके हैं. नरगिस बॉलीवुड की दुनिया का पॉपुलर चेहरा हैं. उन्होंने साल 2011 में डायरेक्टर इम्तियाज अली की फिल्म 'रॉकस्टार' से अपने बॉलीवुड सफर का आगाज किया था. इस पिक्चर में वो रणबीर कपूर के अपोजिट थीं. इस फिल्म में दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई थी. सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं, जो वेडिंग वेन्यू की मालूम हो रही हैं. एक तस्वीर में केक के ऊपर नरगिस और टोनी का नाम भी लिखा हुआ है.

कौन हैं टोनी बेग ?

अगर टोनी बेग की बात करें तो उनका जन्म कश्मीर में हुआ था और अब वो लॉस एंजेलिस में रहते हैं. पेशे से वो एक बिजनेसमैन हैं. वो क्लोदिंग मर्चेंडाइज कंपनी 'द डियोज ग्रुप' के फाउंडर हैं. उन्होंने साल 2006 में इस कंपनी की शुरुआत की थी.

'मेरे हसबैंड की बीवी' से पहले आई वो 5 फिल्में, जिसमें दिखी 'प्यार की तिकड़ी', गोविंदा-सलमान खान भी मचा चुके हैं धमाल

अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर स्टारर फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है. फिल्म में शादी के बाद के अफेयर को दिखाया गया है, ये कहानी एक्स वाइफ, उसके हसबैंड और हसबैंड की गर्लफ्रेंड की कहानी दिखाई गई है. हालांकि, इस फिल्म का कॉन्सेप्ट कोई नया नहीं है, पति पत्नी के बीच किसी तीसरे का इन्वॉल्व होना पहली की फिल्मों में भी कई बार दिखाया जा चुका है.इन फिल्मों में सलमान खान से लेकर गोविंदा तक के सुपरस्टार नजर आ चुके हैं, जिन्हें लोगों ने भी खूब पसंद किया है. हालांकि, पिछले सालों में भी इस तरह की फिल्में बनी हैं. हालांकि, ये सारी कॉमेडी ड्रामा फिल्में रही हैं और अर्जुन कपूर की भी फिल्म इसी जॉनर की है. आइए बॉलीवुड की उन फिल्मों के बारे में जाने, जिसमें प्यार की तिकड़ी देखने को मिली है. हालांकि, जहां फिल्म में ये सिचुएशन तब आती है, जब भूमि की याददाश्त चली जाती है.

साजन चले ससुराल

इस लिस्ट में पहली फिल्म है गोविंदा की 'साजन चले ससुराल', जो कि साल 1996 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में करिश्मा कपूर और तबू लीड एक्ट्रेस के तौर पर रही हैं. रिलीज होने के बाद लोगों ने इस फिल्म को काफी पसंद किया है.

घर वाली बाहर वाली

अनिल कपूर की फिल्म 'घर वाली बाहर वाली' साल 1998 में रिलीज हुई थी. ये कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसे डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था. फिल्म की लीड एक्ट्रेस की बात करें, तो इसमें रवीना टंडन और रंभा का नाम शामिल है. इस फिल्म में अनिल कपूर दो शादी करता है और दोहरी जिंदगी जीता है.

पति पत्नी और वो

'पति पत्नी और वो' साल 2019 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में अनन्या पांडे भूमि पेडनेकर और कार्तिक आर्यन लीड रोल में हैं. फिल्म की कहानी एक्टर के अपनी पत्नी को धोखा देने पर होती है. हालांकि, बाद में जब ये बात खुलती है तो फिल्म किस तरह से मोड़ लेता है ये देखना काफी मजेदार है.

गोविंदा नाम मेरा

विकी कौशल, कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर स्टारर फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' साल 2022 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म को शशांक खेतान ने डायरेक्ट किया है. ये फिल्म भी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर बेस्ड कॉमेडी फिल्म है.

मैं एक मीम बन चुका हूं...'स्काई फोर्स' में लंगड़ी डांस को लेकर ट्रोल होने पर वीर पहाड़िया ने तोड़ी चुप्पी

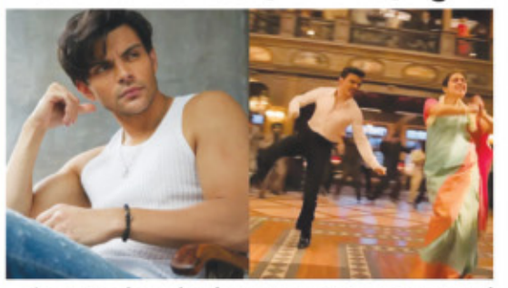

वीर पहाड़िया ने जब से हाई-फ्लाइंग एक्शन थ्रिलर फिल्म 'स्काई फोर्स' से बॉलीवुड में कदम रखा है, तब से वो सुर्खियों में आ गए हैं. लोगों ने उनकी एक्टिंग की तारीफ की है, लेकिन एक और अजीब चीज पर भी लोगों का ध्यान गया है. दरअसल फिल्म के एक गाने में अभिनेता का एक डांस स्टेप बड़ा पॉपुलर रहा, लेकिन इसकी वजह से एक्टर को ट्रोल भी होना पड़ा है. लंगड़ी स्टेप के लिए एक्टर का मजाक बना और इस पर मीम्स भी बने, लेकिन वीर पर इसका गलत असर नहीं पड़ा है. अब हाल ही में बातचीत के दौरान वीर पहाड़िया ने पहली बार इस ट्रोलिंग को लेकर चुप्पी तोड़ी है.वीर पहाड़िया ने हाल ही में Hauterrfly के साथ बातचीत में खुलासा किया है कि सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग का उनको बहुत फायदा मिला है. एक्टर का कहना है कि उन्होंने इसे एंजॉय किया है और इससे उनकी एंगेजमेंट बढ़ गई है. वीर ने अपने ऊपर बने मीम्स पर भी खुलासा किया है और कहा है कि वो इसके मजे ले रहे हैं और उनको ये पसंद आया.

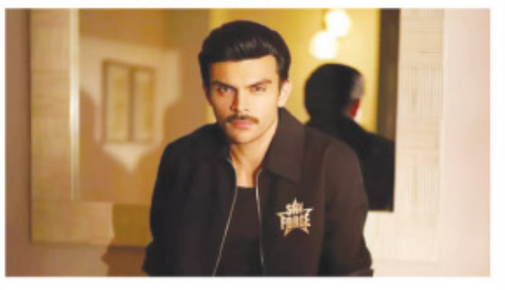

ट्रोलिंग पर क्या बोले वीर पहाड़िया

वीर ने बातचीत में उत्साहित होकर कहा, मैं एक मीम बन चुका हूं, आप सोच सकते हैं. मैं इस डांस से बहुत मशहूर हो चुका हूं. एक्टर का कहना है कि लंगड़ी डांस से लोग उनको पहचानने लगे हैं. वीर ने आगे कहा, मेरी इंगेजमेंट इतनी बढ़ गई है कि उसके बाद से मेरे इतने एवेन्यू खुल गए हैं. मैं दो शादियों में परफॉर्म करके आ चुका हूं. मैंने तो दुल्हन के साथ वो लंगड़ी वाला स्टेप भी कर लिया है. वीर ने तो दूल्हे से मजाक में कह दिया था, ये मेरा पांचवां राउंड है. अगर मैंने दो और कर लिए तो दुल्हन मेरी होगी. एक्टर का कहना है कि वो चाहते हैं कि लोग उनको और ट्रोल करें. वीर ने लोगों से कहा, जो होता है वो अच्छे के लिए होता है, जो ट्रोल करने वाले हैं, मैं उनको कहूंगा कि प्लीज और ट्रोल करो.

कैसी थी स्काई फोर्स

अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म 'स्काई फोर्स' ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक परफॉर्म किया था. साल 2025 में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली ये पहली फिल्म बन गई थी. इस फिल्म में वीर ने एक इंडियन एयरफोर्स ऑफिसर का किरदार निभाया था, जो कि दुश्मन के इलाके में फंस जाता है. इस फिल्म में अक्षय कुमार, निमरत कौर, सारा अली खान भी अहम भूमिका में नजर आए थे. फिल्म को लोगों से खूब तारीफ मिली थी.

YRF स्पाई यूनिवर्स के बाद

शरवरी वाघ

के हाथ लगा एक और बड़ा प्रोजेक्ट, 250 करोड़ी एक्टर के साथ करेंगी रोमांस

सूरज बड़जात्या को फैमली ड्रामा फिल्मों के लिए जाना जाता है. इस वक्त डायरेक्टर अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. कुछ दिन पहले सूरज बड़जात्या अपनी नई फिल्म के लिए एक नई हीरोइन की तलाश कर रहे थे. अब लगता है कि उनकी तलाश पूरी हो गई है. रिपोर्ट्स की मानें तो उन्होंने शरवरी वाघ को इस फिल्म के लिए साइन कर लिया है. फिल्म में आयुष्मान खुराना उनके अपोजिट नजर आने वाले हैं. हालांकि अभी तक फिल्म का टाइटल तय नहीं किया गया है.पिंकविला की रिपोर्ट की मानें तो निर्देशक एक ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में थे, जो अपने किरदार में मासूमियत और इमोशन दोनों ला सकें. ऐसे में उन्होंने कई ऑडिशन लिए और शरवरी वाघ को इस किरदार के लिए बिल्कुल फिट माना गया. सूरज बड़जात्या ने बॉलीवुड की कई मशहूर अभिनेत्रियों के साथ काम किया है, जिनमें माधुरी दीक्षित, करीना कपूर और भाग्यश्री शामिल हैं. अब, शरवरी की भी इस लिस्ट में शामिल होने की उम्मीद है.

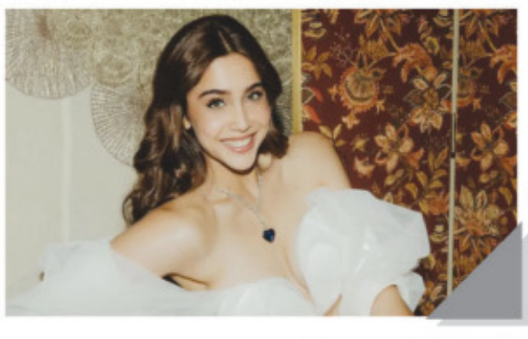

सूरज बड़जात्या ने बहुत सावधानी से किया शरवरी का चुनाव

अगर ये रिपोर्ट्स सच हैं और ऐसा होता है तो आयुष्मान और शरवरी को पहली बार स्क्रीन पर एक साथ देखना बहुत रोमांचक साबित होने वाला है. दोनों स्टार्स पहली बार दिग्गज फिल्ममेकर के साथ काम करने वाले हैं. उम्मीद की जा रही है कि उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया जाएगा. रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि इस रोल के लिए कई एक्ट्रेस पर विचार किया गया था, लेकिन सूरज बड़जात्या ने अपने सेलेक्श में बहुत सावधानी बरती.

आयुष्मान और शरवरी का वर्कफ्रंट

आयुष्मान खुराना के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो उनका शेड्यूल काफी बिजी होने वाला है. वो बहुत जल्द सारा अली खान के साथ करण जौहर और आकाश कौशिक की एक्शन कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के इस साल के लास्ट में रिलीज होने की संभावना है. वो मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी 'थामा' के लिए भी तैयारी करते नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे. 'थामा' इसी साल दिवाली के मौके पर रिलीज की जाएगी.